NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 12 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-163

2 साल के हिंदू बच्चे की हत्या पर दोगले मानवाधिकारवादी चुप

मलाई भारत की खाएंगे, पर गाएंगे कहीं और की

जम्मू कश्मीर के रियासी में आतंकियों द्वारा 2 साल के हिंदू बच्चे समेत कई हिंदू श्रद्धालुओं की नृशंस तरीके से हत्या किए जाने पर दोगले मानवाधिकारवादी चुप हैं। चुप्पी साधे रहने वाली जमात में सारे छद्मी पत्रकार, दुर्बुद्धिजीवी, प्रगतिहीन और एकधर्मी शामिल हैं। यह उन्हीं लोगों का गिरोह है जो मुस्लिम और मोदी करता करता इंसानियत बेच देता है। इस गिरोह को केवल म्यांमार, बांग्लादेशी, पाकिस्तानी घुसपैठियों की फिक्र रहती है। यही गिरोह है जिसे हमास द्वारा इज़राइल पर किया गया जघन्य आतंकी हमला नहीं दिखता। देश को बचाने के लिए सबसे पहले इस गिरोह का खात्मा जरूरी है।

गिरोह को केवल म्यांमार, बांग्लादेशी पाकिस्तानी घुसपैठियों की फिक्र

आप याद करिए 2 सितंबर 2015 को सीरिया में मुस्लिम समुदाय का 2 साल का बच्चा एलन कुर्दी मारा गया था। एलन कुर्दी की मौत पर इस गिरोह ने खूब हो-हल्ला मचाया, जबकि यह घटना भारत में नहीं हुई थी। एलन कुर्दी का परिवार और ऐसे कई परिवार मुस्लिमों के आतंक के कारण ही तुर्की छोड़ कर यूरोप भाग रहे थे लेकिन मारे गए। यह बात गिरोह को समझ में नहीं आती। यही शातिर गिरोह भारत के जम्मू कश्मीर में दो साल के बच्चे के मारे जाने पर चुप्पी साधे रहता है। आप सोचिए कि ये कितने नीच हैं कि हिंदू बच्चे की हत्या पर चुप रहते हैं और मुस्लिम बच्चे की मौत पर रुदालियां गाते हैं। इसी फर्जी लिबरल गिरोह के कुछ पत्रकारों ने 5 दिसंबर 2016 को एक फोटो वायरल की। उक्त फोटो रोहिंग्या समुदाय के मरे हुए एक बच्चे की थी। उसमें भी फिर वही तुर्कियाना तर्क घिसा गया। जबकि रोहिंग्या बच्चे और अन्य की मौत म्यांमार की सेना की गोलीबारी में हुई थी, लेकिन बवाल मचाया गया भारत में। रोहिंग्या मुस्लिम हैं, इसीलिए उस पर बवाल मचाया गया। लेकिन दो साल के टीटू की हत्या पर यह दोगली जमात चुप है।

रियासी में आतंकवादियों ने नौ जून 2024 को दो साल के हिंदू बच्चे लवांश उर्फ टीटू को मार डाला। टीटू भी सिर्फ 2 साल का था, एलन कुर्दी की तरह। ▶10 पर

एक ही परिवार के 4 लोग मारे गए उनमें टीटू भी था

जम्मू, 11 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में शिवखोड़ी दर्शन करके कटरा लौट रहे श्रद्धालुओं पर रियासी में हुए आतंकी हमले ने कई परिवार उजाड़ डाले। हमले में कई लोगों ने अपने घर के सदस्यों को खोया, लेकिन कुछ का तो पूरा परिवार ही उजड़ गया। हमले में जयपुर से आए एक परिवार के चार सदस्य मारे गए।डिप्टी कमीश्नर ऑफ पुलिस अमित कुमार ने बताया कि आतंकी हमले में जयपुर निवासी 42 साल के राजेंद्र सैनी, उनकी पत्नी ममता सैनी, उनकी रिश्तेदार 30 साल की पूजा सैनी और उनका 2 साल का बेटा लवांश उर्फ टीटू मारे गए।

पूजा के पति पवन को गंभीर चोटें आईं, लेकिन उनकी जान बच गई। पूजा सैनी के पिता ओम प्रकाश सैनी ने यह त्रासद बात बताई। राजेंद्र सैनी और ममता सैनी के तीन बच्चे जयपुर में ही हैं। उन्हें अभी नहीं पता कि उनके माता-पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे। उन्हें कहा गया है कि उनके माता-पिता का इलाज अस्पताल में चल रहा है। उन्हें आस है कि शायद उनके माता-पिता ठीक होकर लौट आएंगे।मजदूरी करके घर खर्च चलाने वाले बलरामपुर (यूपी) के बंशी वर्मा का परिवार अयोध्या घूमने के बाद जम्मू-कश्मीर माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए गया था। बंशी बताते हैं कि उनकी अपनी बहन रूबी वर्मा से बात 6 जून को हुई थी। इसके बाद 9 को खबर आई कि वो जिस बस में थे उसपर हमला हो गया है। उनके साथ बलरामपुर का एक अन्य परिवार भी था। वो भी आतंकी हमले का शिकार हुए हैं। ▶10 पर

एनडीए विधायक दल ने चंद्रबाबू नायडू को नेता चुना

आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री होंगे चंद्रबाबू

विशाखापत्तनम, 11 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में सरकार गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को टीडीपी और एनडीए ने चंद्रबाबू नायडू को अपना विधायक दल का नेता चुन लिया। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद टीडीपी, भाजपा और जनसेना गठबंधन के नेता राज्यपाल एस अब्दुल नजीर से मुलाकात करेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। बुधवार को चंद्रबाबू नायडू के साथ कई और नेता भी शपथ ले सकते हैं। नायडू के साथ शपथ लेने वाले नेताओं के नाम मंगलवार को तय कर लिए जाएंगे।

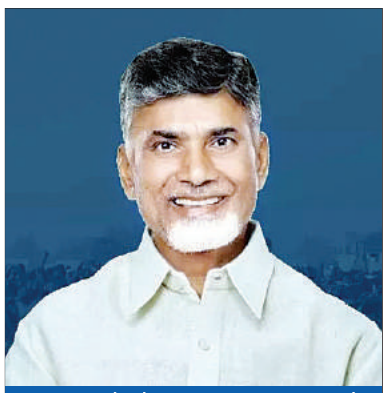

बुधवार को होगा शपथ ग्रहण समारोह
शपथ ग्रहण में शरीक होंगे पीएम मोदी

विजयवाड़ा में एनडीए गठबंधन के विधायकों की बैठक हुई। इस बैठक में टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नाडयू, जनसेना के प्रमुख पवन कल्याण और आंध्र प्रदेश भाजपा की अध्यक्ष डग्गुबाती पुरुंदेश्वरी समेत एनडीए के सभी विधायक शामिल हुए। इस बैठक में जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने एनडीए की तरफ से चंद्रबाबू नायडू का नाम सीएम पद के लिए प्रस्तावित किया, जिसका सभी विधायकों ने समर्थन किया।

टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने कहा, भाजपा, जन-सेना और टीडीपी के सभी विधायकों ने मुझे आंध्र प्रदेश की एनडीए सरकार का आगामी मुख्यमंत्री बनने के लिए अपनी सहमति दे दी है। आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरी ने बताया, आज एनडीए की बैठक हुई, जिसमें चंद्रबाबू नायडू को एनडीए विधानसभा का नेता चुना गया। हम अभी राज्यपाल के पास गए और उन्हें एक अनुरोध पत्र सौंपा है कि वह चंद्रबाबू को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करें। इस पर राज्यपाल ने कहा कि वह उन्हें तुरंत सरकार बनाने के लिए बुलाएंगे। शपथ ग्रहण समारोह कल होगा।

आंध्र प्रदेश में 12 जून को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं। ▶10 पर

आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी होगी अमरावती

अमरावती, 11 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से एक दिन पहले तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को घोषणा की कि अमरावती ही आंध्र प्रदेश राज्य की एकमात्र राजधानी होगी। नायडू टीडीपी, भाजपा और जनसेना के विधायकों की एक संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्हें आंध्र प्रदेश विधानसभा में एनडीए नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया।

नायडू ने कहा, हमारी सरकार में तीन राजधानियों का कोई खेल नहीं होगा। हमारी राजधानी अमरावती है। अमरावती आंध्र प्रदेश की राजधानी है। राज्य के बंटवारे के बाद चंद्रबाबू नायडू पहले मुख्यमंत्री बने थे। ▶10 पर

एनडीए विधायक दल ने मोहन मांझी को नेता चुना

ओड़ीशा के नए मुख्यमंत्री होंगे मोहन मांझी

भुवनेश्वर, 11 जून (एजेंसियां)। ओड़ीशा में एनडीए विधायक दल ने मोहन मांझी को अपना नेता चुन लिया। यानी, मोहन मांझी ही ओड़ीशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव मौजूद थे। भुवनेश्वर में हुई विधायक दल की बैठक के बाद मांझी के नाम का ऐलान किया गया। ओड़ीशा का मुख्यमंत्री बनने की रेस में मनमोहन सामल, सुरेश पुजारी और संबित पात्रा का नाम भी आगे चल रहा था। लेकिन बाद में मामला पलट गया। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने ओड़ीशा विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करते हुए ओड़ीशा में करीब 24 साल से सत्ता पर काबिज बीजू जनता दल (बीजल) को सत्ता से बेदखल किया है।

ओड़ीशा में भाजपा विधायक दल का नेता चुनने के लिए शाम साढ़े चार बजे बैठक शुरू हुई। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव मौजूद थे। यह भी बात सामने आ रही है कि ओड़ीशा में डिप्टी सीएम भी नियुक्त हो सकते हैं। लेकिन अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। विधायक दल का नेता चुनने के बाद मोहन मांझी ने राज्यपाल रघुबर दास से मिलकर सरकार बनाने का दावा किया। राज्यपाल ने औपचारिक रूप से भाजपा को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। आंध्र प्रदेश की तरह ओड़ीशा में भी बुधवार को सीएम पद का

राजनाथ और भूपेंद्र के पर्यवेक्षण में हुई बैठक
ओड़ीशा में भी शपथ ग्रहण बुधवार को होगा
प्रधानमंत्री मोदी शपथ ग्रहण में मौजूद रहेंगे

शपथ ग्रहण समारोह में साधु संतों को भी न्यौता

भुवनेश्वर, 11 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान ओड़ीशा के लोगों से वादा किया था कि कोई उड़िया भाषा बोलने वाला व्यक्ति ही राज्य का मुख्यमंत्री बनेगा। ओड़ीशा में सीएम के शपथ ग्रहण समारोह के लिए साधु संतों को भी आमंत्रण भेजा गया है। ओड़ीशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 147 विधानसभा सीटों में से 78 पर जीत दर्ज की है। वहीं बीजद 51 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। कांग्रेस को राज्य में 14, सीपीआईएम को 1 सीट मिली है। वहीं तीन सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं।

शपथ ग्रहण समारोह होना है। इस शपथ ग्रहण समारोह में भी प्रधानमंत्री मोदी मौजूद रह सकते हैं। शपथ ग्रहण के लिए भाजपा ने बीजद नेता नवीन पटनायक को भी आमंत्रण दिया है। शपथ ग्रहण समारोह के चलते ओड़ीशा में 12 जून को आधे दिन की छुट्टी देने का ऐलान किया गया है।

पीएम नरेंद्र मोदी की अपील

सोशल मीडिया से मोदी का परिवार वाला संदेश हटा लें

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर अपने नाम के आगे मोदी का परिवार लिखने वाले समर्थकों का आभार जताया है लेकिन अब इसे हटाने का भी आग्रह किया है।पीएम मोदी ने कहा, चुनावी अभियान के दौरान देशभर के लोगों ने मेरे प्रति स्नेह जताते हुए अपने सोशल मीडिया हैंडल पर मोदी का परिवार जोड़ा। इससे मुझे बहुत ताकत मिली। भारत की जनता ने एनडीए को लगातार तीसरी बार बहुमत दिया है, जो एक तरह का रिकॉर्ड है और हमें अपने ▶10 पर

खालिस्तानी अमृतपाल को जेल से छुड़ाने की अमेरिका में पहल

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। यह तो होना ही था। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के जेल से चुनाव लड़कर जीतते ही यह बात चर्चा में आ गई थी कि अब अमृतपाल सिंह को जेल से रिहा करने की तमाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कोशिशें होंगी। और वही हुआ। अमृतपाल को रिहा करवाने के लिए अमेरिका में मुहिम शुरू हो गई है।

अमेरिका में रहने वाले वकील सरदार जसप्रीत सिंह ने यह शुरुआत की है। इस मुहिम के तहत जसप्रीत ने अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान अमृतपाल की रिहाई के लिए भारत की कार्रवाई में अमेरिकी हस्तक्षेप की मांग की गई।इस मुलाकात के बाद जसप्रीत सिंह ने कहा कि अमृतपाल ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जीत हासिल की है, जिसकी रिहाई का मुद्दा अमेरिकी सरकार के आगे रखा गया है। जसप्रीत के मुताबिक उन्हें अमेरिका के तमाम गुरुद्वारों के प्रतिनिधि, अमेरिका में मौजूद सिख समुदाय के लोगों और उनके तमाम क्लाइंट ने अमृतपाल की रिहाई के मुद्दे को उठाने के लिए कहा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से अपने अच्छे ताल्लुकात बताते हुए जसप्रीत सिंह ने दावा किया कि वो इस सिलसिले में दो बार उनसे मिल चुके हैं।जसप्रीत सिंह ने 7 जून को न्यूजर्सी में सिनेटर कोरी ब्रूकर से भी अमृतपाल के मुद्दे पर मुलाकत कर चुके हैं। ▶10 पर

तमिलनाडु के मंदिर से लूटी गई ऐतिहासिक मूर्ति ब्रिटेन में मिली

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन की ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी भारत की 500 साल पुरानी ऐतिहासिक धर-ोहर वापस लौटाने पर राजी हो गई है। यह धरोहर दक्षिण भारत के प्रसिद्ध संत तिरुमंकई अलवर की प्रतिमा है। कांस्य की बनी यह मूर्ति ऑक्सफॉर्ड के एशमोलियन म्यूजियम में रखी हुई है। लगभग 50 साल पहले यह मूर्ति तमिलनाडु के एक मंदिर से लूट ली गई थी। भारत सरकार ने 4 साल पहले ही इसे वापस पाने के लिए जरूरी कागजातों सहित ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी को आवेदन भेज दिया था।मूर्ति को भारत में लाने से पहले अभी ब्रिटेन के चैरिटी आयोग की मंजूरी बाकी है। कांस्य की जिस मूर्ति को वापस लौटाने पर एशमोलियन म्यूजियम ने सहमति जताई है वह 60 सेंटीमीटर लम्बी है। यह मूर्ति 16वीं सदी के प्रख्यात तमिल कवि और संत तिरुमंकई अलवर की है। यह मूर्ति यहां ये डॉ. जेआर बेलमोंट नाम के कलेक्टर के माध्यम से पहुंची थी। साल 1967 में इस मूर्ति को सोथबी के नीलामी घर से ऑक्सफॉर्ड विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय में ले लिया गया था। नंवबर 2019 में रिसर्च कर रहे छात्र ने इस ऐतिहासिक मूर्ति के ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी के ▶10 पर

500 साल पुरानी हिंदू संत की मूर्ति भारत आएगी

वायनाड छोड़ेंगे राहुल, रायबरेली के सांसद बने रहेंगे

रायबरेली, 11 जून (एजेंसियां)।

इस लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी रायबरेली और वायनाड दोनों जगह से सांसद चुने गए। राहुल गांधी रायबरेली के सांसद बने रहेंगे, यानी वायनाड वालों के सांसद अब राहुल गांधी नहीं रहेंगे। राहुल गांधी के इस निर्णय की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन रायबरेली हुए जोरदार आभार कार्यक्रम से इसके ठोस संकेत मिले हैं। यह पहला मौका था जब चुनाव जीतने के कुछ दिन बाद ही गांधी परिवार जनता का आभार जताने के लिए रायबरेली की जमीन पर पहुंचा। मंगलवार को रायबरेली के गेस्टहाउस में आयोजित हुए समारोह में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और सांसद राहुल गांधी मौजूद थे।

कार्टून कॉर्नर

खान मार्केट गिरोह की करतूत

मुसलमानों को भाजपा से डरा रहा था, अब राग बदल दिया

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

9 जून 2024 की शाम 7.15 पर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए की राष्ट्रीय सरकार का गठन हो गया। इसी के साथ सारी नियोजित और प्रायोजित अफवाहों पर ब्रेक लग गया। कांग्रेस और इंडी की जीत का जश्न मना रहे फर्जी लिबरल पत्रकारों और एकधर्मी धर्मनिरपेक्ष जमात का खान मार्केट गिरोह जैसे सदमे में आ गया। अभी तक जो छद्मी लोग भारतीय जनता पार्टी के नाम पर मुस्लिमों को डराने वाला शिगूफा बाजार में छोड़ रहे थे, अब अचानक वही गिरोह भारतीय जनता पार्टी पर यह आरोप लगाने लगा कि एनडीए की सरकार ने मुस्लिमों की उपेक्षा की और एक भी मंत्री पद मुस्लिमों को नहीं दिया।

भारत में संविधान का शासन है और जो भी व्यक्ति चुन कर आता है, वह या तो सत्ता में रहता है या विपक्ष में। जिस दल या गठबंधन की सरकार बनती है, उसी दल का प्रधानमंत्री चुना जाता है और मंत्रिमडल का गठन होता है। फिर अचानक छद्मी लिबरल गिरोह की तरफ से मुस्लिम मंत्री की बात कैसे उठने लगी? क्यों आज यह गिरोह मुस्लिमों के लिए आंसू बहाने लगा? अभी तक यह गिरोह क्यों

खुश था कि मुस्लिमों ने भाजपा को मुस्लिमों ने वोट नहीं दिया?

खुद को इस्लामिक स्कॉलर कहने वाले समिउल्ला खान ने सोशल मीडिया पर लिखा, मोदी सरकार में अल्पसंख्यकों के लिए कोई स्थान नहीं! ढाई सौ मिलियन लोगों का शून्य प्रतिनिधित्व। इसका अर्थ यह हुआ कि एक बार फिर से अल्पसंख्यकों के लिए घृणा, अमानवीयता, अत्याचारों का माहौल रहेगा। इसी शख्स ने यह भी लिखा कि इंडी गठबंधन को इस बात का शुक्रिया अदा करना चाहिए कि मुस्लिम समाज ने एक जुट होकर भाजपा को वोट नहीं दिया। यह अकेला नहीं हैं। इस प्रकार की बातें करने वाले लोगों में आरजे साइमा भी है, जिसने मकतूब मीडिया का एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि सभी के समान प्रतिनिधित्व का मजाक। कोई मुस्लिम, ईसाई या सिख सांसद एनडीए में नहीं है। महामूर्खों की इस जमात को थोड़ा भी सामान्य ज्ञान नहीं है। एनडीए में मंत्री पद की शपथ लेने वालों में दो सिख, एक ईसाई एवं एक बौद्ध सांसद हैं। इसलिए यह कहकर भड़काना कि अल्पसंख्यकों को कोई स्थान मंत्रीमंडल में नहीं है, लोगों में उन्माद फैलाने के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,820/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,750/- (प्रति किलोग्राम)

|| श्री हरिः ||

उठावना

|| श्री हरिः ||

श्री कांतिलालजी बड़ेगाँववाले

जन्म : दि. 10-3-1939 | वैकुण्ठवास : दि. 9-6-2024

(सुपुत्र : स्व. सेठ श्री गुलाबराय जी बड़ेगाँववाले)

SCAN FOR LOCATION

उठावना (महिलाओं एवं पुरुषों के लिए)
आज बुधवार दि.12-6-2024 को दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक
गुलाबराय कांतिलाल वैदिक संस्कार भवन
हरे रामा हरे कृष्णा मंदिर (गोल्डन टेम्पल)
MLA कॉलोनी, रोड नं.12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद पर होगा।

– शोकाकुल –

मुकुन्दलाल, इन्दरकरण, कृष्ण कुमार, नन्दकिशोर, बद्रीनारायण (भाई),
रामप्रसाद, विजयराम, शिवराम (पुत्र), **प्रमोद, रामसुधीर, चेतन** (भतीजे),
रामकिशोर, रामानन्द, रामरतन, नारायण (पौत्र) **एवं समस्त बड़ेगाँववाले परिवार**

फर्म : **शिवदत्तराय गुलाबराय**

56/A, नंदगिरी हिल्स, जुबली हिल्स, हैदराबाद ✆ 9949088887, 8008001239

बैठक : प्रतिदिन दोपहर 3:00 से 5:00 बजे तक निवास स्थान पर

MAHAVIR · BANJARA · VSP TMT · RAMPARS STRENGTH OF STEEL · Gulab Surkh Making Steel Stronger · PINK LOTUS · Global · STAR FERRO ALLOYS · ALMAS · Ram Ferro Foolad Aliaj

शाह एवं जयशंकर समेत केंद्र में नई सरकार के विभिन्न मंत्रियों ने कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए मंत्रियों में अमित शाह, डॉ एस जयशंकर, किरन रिजिजू और सर्बानंद सोनोवाल समेत विभिन्न मंत्रियों ने अपने-अपने कार्यभार संभाल लिए हैं।

अमित शाह समेत कई मंत्रियों ने मंगलवार को कार्यभार संभालने के बाद अपने विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। आज कार्यभार ग्रहण करने वाले मंत्रियों में जगत प्रकाश नड्डा, मनोहर लाल, अर्जुन राम मेघवाल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान , गिरिराज सिंह और अश्विनी वैष्णव भी शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर कल नयी सरकार के मंत्रियों के विभागों की अधिसूचना जारी की। रविवार को प्रधानमंत्री, उनकी सरकार के 30 नए कैबिनेट मंत्रियों , पांच राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) और 36 राज्य मंत्रियों

को शपथ दिलायी गयी थी।

श्री शाह ने लगातार दूसरी बार केन्द्रीय गृह मंत्री का कार्यभार संभाला है। श्री शाह गृह मंत्रालय के नार्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में कार्यभार संभालने से पहले सुबह साढे दस बजे यहां चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक गये। उन्होंने वहां शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और गृह सचिव अजय कुमार भल्ला भी थे। श्री नड्डा को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय का कार्यभार भी संभाला।

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने आज विदेश मंत्रालय का कार्यभार संभाला। उन्होंने मंत्रालय में पहली बार राज्य मंत्री का पदभार संभालने वाले गोंडा (उत्तर प्रदेश) के सांसद कीर्तिवर्धन सिंह तथा पवित्र मार्ग़ेरीटा का मंत्रालय में स्वागत किया। श्री मार्गेरीटा को कपड़ा मंत्रालय में राज्य मंत्री की भी जिम्मेदारी दी गयी है। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने अपना कार्यभार संभालने के बाद कहा कि देशवासियों ने चुनाव के माध्यम से सत्ता पक्ष तथा विपक्ष की भूमिका तय कर दी है। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर उनकी कोशिश रहेगी कि विपक्ष को साथ लेकर संसद को सुचारू रूप से चलाया जाये। श्री सोनोवाल को पुन: बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय विभाग दिया गया है। उन्होंने मंत्रालय का कार्यभार संभाला और अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा जनता की सेवा की सोच के साथ मंत्रालय के लक्ष्य एवं उद्देश्यों को पूरा करने के प्रति टीम भावना से काम करने पर बल दिया।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय , श्री अर्जुन राम मेघवाल ने कानून मंत्री (स्वतंत्र प्रभाव) एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री, श्री माधवराव सिंधिया ने दूरसंचार मंत्री, श्री अश्विन वैष्णव ने रेल और सूचना प्रसारण मंत्री, श्री मनोहर लाल ने शहरी विकास एवं बिजली मंत्री, श्री प्रताप राव गणपत राव जाधव और श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने स्वास्थ्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा एल मुरुगन ने संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री का पदभार संभाला। कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संस्कृति मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद अधिकारियों को संबोधित किया। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री बनाए गए डा मनसुख मंडाविया और इसी मंत्रालय में राज्य मंत्री शोभा करांदलाजे ने भी कार्य भार सभाल लिया है। श्री गिरिराज सिंह ने कपड़ा मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली है। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डा जितेंद्र सिंह ने भी अपने कार्यालय में जा कर कार्यभार ग्रहण किया और कुछ पत्रावलियों पर हस्ताक्षर किए।

रक्षा मंत्रालय की नई पहलों को पूरा करने पर ध्यान देंगे : संजय सेठ

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। झारखंड की रांची लोकसभा सीट से दूसरी बार जीतकर संसद पहुंचे संजय सेठ ने मंगलवार को रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री का पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। श्री सेठ ने मंत्रिमंडल में जिम्मेदारी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि वह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन में सेवा करने के लिए उत्सुक हैं, जिनके साथ उन्होंने पहले विभिन्न पदों पर काम किया है। श्री सेठ ने कहा कि वह रक्षा मंत्रालय की उन पहलों को पूरा करने का प्रयास करेंगे जिनका उद्देश्य राष्ट्र की सुरक्षा को मजबूत करना है। कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने श्री सिंह से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अध्यक्ष डा समीर वी कामत ने भी श्री सेठ से मुलाकात की और उन्हें डीआरडीओ की परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ,सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, वायु सेना प्रमुख वी आर चौधरी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने भी रक्षा राज्य मंत्री से मुलाकात की और रक्षा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। वर्ष 2019 में लोकसभा के सांसद के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित स्थायी समिति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के भी सदस्य थे। वह वर्ष 2016-2019 तक झारखंड राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष भी रहे हैं।

मेघवाल ने किए राष्ट्रीय मुकदमा नीति पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को यहां कार्यभार ग्रहण किया और पहले दस्तावेज के रूप में राष्ट्रीय मुकदमा नीति पर हस्ताक्षर किये।

शास्त्री भवन स्थित विधि एवं न्याय मंत्रालय में मध्याह्न करीब 12 बजे कार्यभार ग्रहण करने के बाद श्री मेघवाल ने कामकाज की शुरुआत का शगुन करते हुए राष्ट्रीय मुकदमा नीति के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किये। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ज़ोर ईज़ ऑफ लिविंग यानी जीवन की सुगमता पर है। कानून मंत्रालय ने इसी को ध्यान में रखते हुए पुराने अप्रासंगिक हो चुके 1500 से अधिक कानूनों को निरस्त कर दिया है तथा आगे और भी ऐसे कानून हटाएंगे। श्री मेघवाल ने कहा कि मोदी सरकार ने आम जनों के जीवन की सुगमता को ध्यान में रख कर ही

अंग्रेज़ों के ज़माने की भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता एवं साक्ष्य अधिनियम को समाप्त करके नये कानून -भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम बनाये हैं। इनके बारे में जागरूकता फैलाने की दिशा में काम करना होगा। जजों के चयन की कॉलेजियम प्रक्रिया को खत्म करने की पुरानी मांग के बारे में पूछे जाने पर श्री मेघवाल ने कहा कि इसे लेकर कोई शिकायत नहीं है और सभी व्यवस्थाएं कानून एवं संविधान सम्मत हैं।

राजस्थान के बीकानेर से तीसरी बार निर्वाचित होने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी श्री मेघवाल 70 वर्ष के हैं। उन्हें इस बार केन्द्रीय मंत्रिपरिषद में विधि एवं न्याय विभाग में स्वतंत्र प्रभार वाला राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री बनाया गया था। इससे पहले भी वे इन दोनों पदों के साथ संस्कृति मंत्रालय में भी राज्यमंत्री थे।

विकसित भारत के लिए मिलकर काम करेंगे : चौहान

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का कार्यभार ग्रहण किया। श्री चौहान सुबह कृषि भवन मंत्रालय के कार्यालय पहुंचे जहां वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय एक महत्वपूर्ण कड़ी बनकर कार्य करेगा। किसान कल्याण प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, मैं, मेरे साथी मंत्रीगण और अधिकारी एक टीम के रूप में मिलकर काम करेंगे। परिश्रम की पराकाष्ठा और प्रयत्नों की परिसीमा करेंगे। उन्होंने कहा, संकल्प पत्र अधिकारियों को सौंपा गया है जिसमें किसानों के कल्याण के कौन से कदम उठाएंगे, उसके वचन और मोदी जी की गारंटी भी है। किसान कल्याण के प्रत्येक संकल्प को पूरा करने के लिए भी आज काम प्रारंभ होगा। हम सब मिलकर खेती और किसानों के कल्याण के काम में अभी से जुटते हैं और अपने आपको समर्पित करते हैं।

सभी अल्पसंख्यक समुदायों को मुख्यधारा में लाना सरकार का लक्ष्य : रिजिजू

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र पर काम करते हुए सभी छह अल्पसंख्यक समुदायों को मुख्यधारा में लाना सरकार का लक्ष्य है।

श्री रिजिजू ने केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का कार्यभार ग्रहण करने के बाद आज पत्रकारों से कहा कि देश के हर एक काम में एकजुट होकर समावेशी विकास के सहारे काम किया जाएगा जिसमें सबका साथ सबका विकास मूल सिद्धांत है। उन्होंने कहा कि वह पहले भी अल्पसंख्यक मंत्रालय में रहे हैं और यह बहुत ही महत्वपूर्ण मंत्रालय है जिसमें कई आयोग और बोर्ड हैं।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए समाज के सभी लोगों को जोड़ने की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री के रूप में भी पदभार ग्रहण किया है। हमारा उद्देश्य संसद और संसद के बाहर बाई ठोस कदम उठायेंगे जिससे विकसित भारत का सपना पूरा होगा। श्री रिजिजू के साथ ही जॉर्ज कुरियन ने अल्पसंख्यक मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में पदभार संभाला।

संचार मंत्रालय के साथ मेरा भावनात्मक लगाव : सिंधिया

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कार्यभार संभालने के बाद कहा कि इस मंत्रालय के साथ उनका भावनात्मक लगाव है और प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह विभाग तरक्की करेगा।

संचार मंत्री के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद श्री सिंधिया ने कहा, पिछले 10 सालों में इस मंत्रालय में जो क्रांति आई है, मैं उसे आगे ले जाऊंगा। यह लोगों को जोड़ने वाला सेवा विभाग है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह विभाग तरक्की करेगा। मैं प्रधानमंत्री की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। मेरे पास टेलीकॉम डिविजन के साथ-साथ इंडिया पोस्ट डिविजन की भी जिम्मेदारी है। उनकी बड़ी भूमिका है। मैं दृढ़ संकल्पित हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए काम करूंगा। मैंने इससे पहले 2008 में इस मंत्रालय में जूनियर मंत्री के तौर पर काम किया था। इस विभाग के साथ मेरे जबरदस्त भावनात्मक संबंध हैं।

इसके बाद उन्होंने एक्स पर कहा, एक नयी शुरुआत। आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार के संचार मंत्री के रूप में कार्यभार सँभालने पर उत्साहित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।चलिए, साथ मिलकर एक ऐसे भविष्य का निर्माण करते हैं जहाँ अवसरों की पहुँच कभी भौगोलिक दूरियों पर निर्भर न रहे तथा सुदूर क्षेत्र भी संचार के माध्यम से देश की विकास यात्रा में मुख्य भूमिका निभाएं।

कठुआ के हीरानगर में आतंकी हमला

हमले में 8 के करीब आतंकी शामिल

एक नागरिक की हत्या कर घर में घुसे आतंकियों में से एक ढेर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 11 जून। जम्मू संभाग के कठुआ जिले के हीरानगर कस्बे के सैडा सोहल गांव में ताजा सीमा पार कर घुसे करीब आठ आतंकियों के एक दल ने हमला बोला तो गांव के लंबरदार की मौत हो गई। दो अन्य नागरिक जख्मी भी हो गए। खबर लिखे जाने तक सुरक्षाकर्मियों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया, जो अति आधुनिक हथियारों से लैस थे।

यह घटना पौने आठ बजे की है जब इंटरनेशनल बार्डर से सटे इस गांव के रास्ते ताजा घुसे आठ के करीब आतंकियों के दल ने आगे बढ़ना चाहा तो कुछ गांववासियों द्वारा उन्हें देख लिया। इस पर आतंकियों ने गोलीबारी कर तीन लोगों को जख्मी कर दिया जिसमें से एक लंबरदार की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल उसकी मौत की पुष्टि नहीं हो पाई है। पर अधिकारियों ने बताया कि ऐक आतंकी को समाचार भिजवाए जाने तक ढेर कर दिया गया था और अतिरिक्त सुरक्षाबलों ने मौके पर मोर्चा संभाल लिया था। इलाके को सेना तथा बीएसएफ ने अपने घेरे में ले लिया था।

सूचना के अनुसार, सुरक्षा बल के वहां पहुंचने के बाद दोनों ओर से एनकाउंटर शुरू हो गया है और आतंकी अभी भी फायरिंग कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार आतंकियों की संख्या आठ बताई जा रही है। जिस स्थान पर फायरिंग हो रही है। उसकी कुछ दूरी पर कथास्थल में बुआदाती देवस्थान पर 13 लोग जिसमें में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। वो एक कमरे में बंद हैं। ग्रामीणों ने उनकी सुरक्षा के लिए मांग की है।

जानकारी के लिए तीन दिनों के भीतर जम्मू संभाग में यह दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले शनिवार को आतंकियों ने रियासी में एक यात्री बस पर हमला बोल 10 लोगों को मार डाला था। इन हमलों के उपरांत पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया गया है।

अब साइबर ठग के ठिकाने पर चला बुलडोर

भरतपुर, 11 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में पहली बार हार्डकोर क्रिमिनल्स और गैंगस्टर्स के ठिकानों के बाद साइबर ठगों के ठिकानों पर कार्रवाई गई। सेक्सटॉर्शन और साइबर ठगी के अपराध में लिप्त बदमाशों की धरपकड़ के बाद पुलिस ने उन पर आर्थिक प्रहार करना शुरू कर दिया है। पुलिस ने मंगलवार को प्रशासन की मदद से ढोकला गांव थाना सीकरी में कार्रवाई की। साइबर ठग की ओर से सरकारी जमीन पर बनाई चार दुकानों को बुलडोजर और जेसीबी की सहायता से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई का एक वीडियो आईजी राहुल प्रकाश ने भी जारी किया है। जिसमें उन्होंने लिखा कि सेक्सटॉर्शन और साइबर ठगी करने वाले अपराधियों के अड्डे जमीदोंज, मेवात के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ये आहुति पुलिस की ओर से।

सीओ आशीष प्रजापत ने बताया कि आठ मई को डीग जिला पुलिस ने एक साइबर ठगों की गैंग पकड़ी थी। जांच की गई तो पता लगा कि साइबर ठग साद निवासी बनेनी ढोकला गांव थाना सीकरी ने सरकारी जमीन पर चार दुकानों का निर्माण करवाया हुआ है।

दुकान बनाने के लिए जो पैसा उपयोग में लिया है, वह साइबर ठगी का पैसा है। जैसे ही पुलिस को आरोपी साद के बारे में पता लगा तो आज पुलिस जेसीबी लेकर बनेनी ढोकला गांव पहुंची और सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाते हुए दुकानों को धराशायी कर दिया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस का जाब्ता तैनात रहा।

ओमान के सुल्तान ने मोदी को फोन कर दी बधाई, दोनों देशों के संबंधों पर की चर्चा

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी सरकार बनाने की सफलता पर विदेशों से बधाई के सिलसिले के बीच ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक ने मंगलवार को फोन कर के श्री मोदी को बधाई दी और द्विपक्षीय संबधों को और प्रगाढ़ करने के बारे में बातचीत की ।

प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आज ओमान के सुल्तान महामहिम सुल्तान हैथम बिन तारिक का फोन आया। सुल्तान हैथम बिन तारिक ने हाल ही में संपन्न हुए आम चुनावों के बाद तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में उनकी पुनर्नियुक्ति के बारे में उन्हें हार्दिक बधाई दी। बयान के मुताबिक ओमान के सुल्तान ने ओमान और भारत के बीच सदियों पुराने मैत्री संबंधों का उल्लेख करते हुए भारत के लोगों की प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं। श्री मोदी ने सुल्तान हैथम बिन तारिक को उनकी हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया और दिसंबर 2023 में उनकी भारत की ऐतिहासिक यात्रा का जिक्र किया, जिससे सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में मजबूती आई है। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिए भारत-ओमान साझेदारी को और गहरा तथा मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने ओमान के सुल्तान और वहां के लोगों को आने वाली ईद अल अज़हा पर हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज सावधानी रखने की जरूरत हैं । यदि आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। जोखिम वाले काम करते समय सावधान रहें, चोट लगने की आशंका है। धन लाभ होने की संभावना है। लंबित कार्य पूरे होंगे। आपके विरोधी शांत रहेंगे। विवादों से दूर रहें। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। मन प्रसन्न रहेगा। सेहत ठीक रहेगी। रिश्तेदारों की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। तनाव दूर होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरुरत हैं ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के चलते दिनभर व्यस्त रहेंगे। मकान या जमीन खरीदने के लिए अपने परिवार से चर्चा कर सकते हैं। ऑफिस में आपको खुशखबरी मिलेगी। किसी सगे संबंधी से विवाद होने की आशंका है। तनाव बना रहेगा। बोलचाल के दौरान नियंत्रित रहें। अपने खानपान को नियंत्रण में रखें। कैरियर से जुड़ी कोशिश कामयाब रहेगी। छात्रों को कामयाबी मिलेगी। घर-परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन सकारात्मक रहेगा । व्यापार के हिसाब से लाभदायक हैं आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे। आपके स्वभाव से सभी प्रभावित होंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आपकी सराहना होग।ऋण से मुक्ति मिलेगी। आय के नए स्रोत मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों की तरक्की हो सकती है। आपका व्यवसाय आगे बढ़ेगा। आप अपने परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। सेहत को लेकर चिंतित हो सकते हैं। तले हुए भोजन से दूरी बनाकर रखें शरीर और मन दोनो स्वस्थ्य रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज गाय को केले का फल खिलाए व्यवसाय में लाभ होगा। आप के काम मे तेजी रहेगी । रिश्तेदारों से मुलाकात के मौके मिलेंगे। ऑफिस का माहौल ठीक नहीं रहेगा। आफिस में किसी से विवाद होने की आशंका है। आपकी सेहत बिगड़ी सकती है। छात्रों को काफी मेहनत करनी होगी। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। जोखिम न लें। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। आय में बढ़ोतरी होगी। आप खुश रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज भागमदौड ज्यादा रहेगी । आज रिश्तेदारों की ओर से दुखद सूचना मिल सकती है। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। आज सामाजिक जिम्मेदारी पूरा करने में विलंब हो सकता है। किसी से विवाद होने की आशंका है।

कर्ज की रकम वापस मिलने में दिक्कत होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। चिड़चिड़ापन बना रहेगा। कारोबार में प्रगति होगी। आप को सेहत का ध्यान रखना होगा तरल पदार्थ का ही सेवन करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप रिस्क का काम भी हाथ मे ले सकते हैं । पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। आज खर्च ज्यादा हो सकता है। भौतिक संसाधन जुटाने के लिए खर्च कर सकते हैं। निवेश से आपका अच्छा-खासा लाभ होगा। आपके कार्य आसानी से पूरे होंगे। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। कैरियर से जुड़ी बाधा दूर होने की संभावना है। अपनी सेहत का ध्यान रखें। दिनचर्या में परिवर्तन संभव है। यात्रा पर जा सकते हैं। शुभ सूचना मिलेगी। दाम्पत्य जीवन मे संयम की आवश्यकता हैं तनाव मुक्त रहेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज विरोधी आप पर हावी हो सकते हैं आपको सतर्क रहना होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगें । आप का दिन कुछ परेशानी व चिंता में बीतेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। व्यवसाय अच्छा चलेगा। नए प्रोजेक्ट परकार्य शुरू करेंगे। धन लाभ हो की संभावना है। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। युवाओं को सफलता मिल सकती है। बेरोजगारी दूर होगी कोशिश व्यर्थ नही जाएगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज केले के झाड मे घीका दीपक प्रज्वलित करें आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। किसी से विवाद न करें। आपकी परेशानी का हल निकलेगा। कैरियर आगे बढ़ाने के प्रयास सफल रहेंगे। लेनदेन करते समय सावधान रहें। सेहत ठीक रहेगी। सगे संबंधियों से मुलाकात के दौरान कुछ मतभेद उभर सकते हैं। सावधानी से बोलें। खुशखबरी मिलेगी। कारोबार की स्थिति सामान्य रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। जोखिम वाले कार्यों से दूर रहें। खर्च पर अंकुश लगाए भविष्य सुनहरा होगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज प्रसन्नता रहेगी दिल दिमाग दोनो शान्त रहेंगे । आपके कार्य मन मुताबिक पूरे होंगे। जीवनसाथी की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खुश रहेंगे। धन लाभ होगा। नशे से दूर रहें। किसी की बातों में न आएं। शत्रु सक्रिय रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। पुरानी बीमारी उभर सकती है। बुजुर्गों का ख्याल रखें। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। किसी से रिश्ते में खटास आ सकती है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। डिनर के बाद हल्का सी चहलकदमी करें पाचनशक्ति तीव्र होगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शान्त रहने की आवश्यकता हैं वाणी पर संयम रखें । सेहत बिगड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें।किसी मित्र से मतभेद होने की आशंका है।कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते है। कर्ज की रकम वापस नहीं मिलेगी।

दिनचर्या में परिवर्तन लाने का प्रयास करें। समय पर कार्य पूरे कर पाने में असमर्थ रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। खर्च ज्यादा होगा। किसी काम मे रुकावटें आ रही हैं तो अपने मित्रों का सहयोग लें कार्य पूरें होंगे ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपनी जिमेदारी पूरी करेंगे दिन फायदेमंद रहेगा। शासकीय कार्य पूरे होंगे । सेहत ठीक रहेगा। धर्म कर्म में मन लगेगा। दंपत्तियों के बीच सामंजस्य रहेगा। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। व्यवसाय के सिलसिले में यात्रा पर जाएंगे। किस्मत का साथ रहेगा। बचत योजना में निवेश के प्रस्ताव मिलेंगे। उधार देते समय सावधान रहें। दफ्तर में किसी से अनबन होने की आशंका है। कोई भी निर्णय लेने से पहले एक्सपर्ट से राय-मशवरा जरूरी करलें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

छात्रों के लिए अपार सफलता हैं परिणाम मन मुताबिक आंएगे । कानूनी मामले आगे बढ़ेंगे। कारोबार में लाभ के अवसर आएंगे। आज आप धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आज किस्मत का साथ मिलेगा। रिश्तेदारों से मुलाकात लाभदायक रहेगी। नौकरी में तरक्की हो सकती है। कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते हैं। शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं। दाम्पत्य जीवन मे आपसी तालमेल बहतर रहेगा दिन का उत्तरार्ध अच्छा बीतेगा ।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 12 जून 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 07:18 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 02:12 तक
योग : हर्षण सायं 05:14 तक
करण : कौलव प्रात: 06:20 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अरण्य षष्ठी , गण्डमूल रात्रि 02:12 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शेखावत ने ग्रहण किया पदभार

बोले- संस्कृति और पर्यटन में शानदार रहे दस साल, आगे भी रहेंगे

जोधपुर,11 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को संस्कृति और पर्यटन मंत्रालयों का कार्यभार ग्रहण किया। मीडिया से रूबरू होते हुए शेखावत ने कहा कि पिछले दस वर्षों के दौरान मोदी सरकार ने संस्कृति और कला के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है, जिसकी वजह से भारत की संस्कृति को देखकर पूरा विश्व चकित है।

विकसित भारत बनाने में संस्कृति और पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका रहने वाली है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन के अनुसार संस्कृति, कला और पर्यटन के क्षेत्र में नए सोपान तय करने के लिए शानदार काम करेगी। शेखावत ने कहा कि देश की जनता विकसित भारत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। इसी विश्वास की वजह से जनता ने मोदी जी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का सौभाग्यपूर्ण अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में देश में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। देश को निराशा के गर्त से निकाल कर उसे आशा से लबरेज किया है। उन्होंने कहा कि भारत विकसित हो सकता है, इस संदेश को प्रधानमंत्री ने पूरे विश्व तक पहुंचाया है। इस वजह से दुनिया भी ये जानती है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई रोक नहीं सकता है। शेखावत ने कहा कि यही विश्वास देश की जनता को भी है। लिहाजा, इस बार की भी प्रचंड जीत इसी विश्वास पर जनता की मुहर है। इससे पहले, पदभार ग्रहण करने के दौरान दोनों मंत्रालयों की टीम ने केंद्रीय मंत्री का आत्मीय स्वागत किया। शेखावत ने दोनों मंत्रालयों में अधिकारियों संग मीटिंग की। पदभार ग्रहण करने के दौरान केंद्रीय मंत्री शेखावत का परिवार भी साथ रहा।

प्यास लगी तो जंगल से निकलकर कुशालीदर्रा पहुंची बाघिन

सवाई माधोपुर,11 जून (एजेंसियां)। भीषण गर्मी के दौर में इंसानों के साथ ही पशु पक्षी भी परेशान हैं। अब पानी की तलाश में रणथम्भौर के जंगलों से निकलकर बाघ बाघिन बाहर आने लगे हैं। ऐसा ही एक नजारा रणथंभौर में देखने को मिला। रणथंभौर की लाडली नामन बाघिन टी-8 रणथंभौर के जंगल से निकलकर नेशनल हाईवे-552 टोंक चिरगांव पर आ पहुंची। बाघिन टी 8 पानी की तलाश में हाईवे स्थित कुशालीदर्रा पहुंच गई। बाघिन को देखकर मौके पर राहगीरों और वाहन चालकों की भीड़ लग गई। इस दौरान लोगों ने बाघिन के फोटो वीडियो बनाएं।

दरसल सोमवार शाम करीब 6.30 बजे बाघिन पहाड़ी के रास्ते कुशालीदर्रा आ पहुंची। यहां बाघिन ने नाले में पानी पीया। बाघिन करीब 30 मिनट तक पानी में ही बैठी रही। इस दौरान यहां हाईवे से गुजर रहे लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर वन विभाग के फलौदी रेंजर विष्णु गुप्ता मौके पर पहुंचे।

वन विभाग की टीम ने लोगों को मौके से हटाया। जिसके बाद बाघिन की ट्रेकिंग शुरू की गई। करीब आधा घंटे बाद बाघिन ने वापस जंगल का रूख किया। बाघिन लाड़ली टी 8 रणथम्भौर की उम्रदराज बाघिन है। उसकी उम्र करीब साढे सत्तरह साल है। बाघिन अब तक चार बार मां बन चुकी है। बाघिन ने प्रथम प्रसव में टी-61, टी-62 को जन्म दिया था। दूसरे प्रसव में टी-85, टी-86, तीसरे प्रसव में टी-108, टी-109 और चौथी प्रसव में टी-127, टी-128 व टी-129 को जन्म दिया था।

लड़की के भाइयों ने मारपीट कर तोड़ दिए युवक के हाथ-पैर

नागौर,11 जून (एजेंसियां)। शहर में लड़की से जुड़े एक मामले में युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। लोगों ने युवक के हाथ-पैर तोड़ दिए। साथ ही युवक के भाई को भी धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पांच से छह लोगों के खिलाफ डीडवाना थाने में मामला दर्ज कराया है। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर भी पीड़ित पक्ष जिला पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाने पहुंचा।

मारपीट में घायल हुए टीकमचंद नामक युवक ने डीडवाना थाने में मामला दर्ज कराया है। थाने में दी गई लिखित रिपोर्ट के अनुसार टीकमचंद पुत्र रामेश्वरलाल निवासी पाटण हाल निवासी लालजी बावडी ग्राम पाटण का रहने वाला हूं। मेरे मकान के सामने मुलचन्द जांगिड़ निवासी लालजी की बावडी डीडवाना का घर है। मुलचन्द मास्टर के घर से सुनिल जांगिड़ घर से बाहर आया और मेरे साथ लाठी से गारपीट शुरू कर दी। दोनों हाथ, दोनों पैरों पर, पीठ पर भी लाठी से काफी चोटें मारीं। उसने मेरी जेब में रखा फोन 2 लाख रुपये नकद थे वो भी ले लिए। उसके साथ सिताराम और अन्य 5-6 लोग थे, जिन्होंने मारपीट की। मैंने हो हलला किया तो मेरे मोहल्ले के लोग भागकर आये। इतने में वो भाग गए।उसने रिपोर्ट में बताया कि सुनिल जांगिड़ की लड़की से 5-7 दिन पहले कहीं चली गई। इसको लेकर ये मेरा नाम ले रहें कि तुम मेरी लड़की को भगा दिए। इसी बात को मारपीट की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की कार्रवाई

पांच साल से फरार 25 हजार का इनामी भवानी सिंह पकड़ा

जयपुर,11 जून (एजेंसियां)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने दौसा जिले के कलेक्ट्रेट सर्कल से 25 हजार के इनामी बदमाश भवानी सिंह मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। भवानी सिंह पिछले पांच सालों से उदई मोड़ थाने में दर्ज चोरी के मामले में वांछित था और अहमदाबाद भागने की फिराक में था। एडीजी एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध, दिनेश एमएन ने बताया कि भवानी सिंह मीणा राज्य के सात जिलों और जयपुर के सात थानों में दर्ज 18 आपराधिक मामलों में शामिल हैं। इनमें डकैती, अपहरण, आर्म्स एक्ट और चोरी के मामले शामिल हैं। जयपुर के सदर, लाल कोठी, आदर्श नगर, मानसरोवर, विश्वकर्मा, वैशाली नगर और चंदवाजी थानों में भी इसके खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं।

उदई मोड़ थाने में 2019 में दर्ज स्क्रैप से भरे बोलेरो पिकअप की चोरी के मामले में भवानी सिंह पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। एडीजी एमएन ने बताया कि डीआईजी योगेश यादव के सुपरविजन और एएसपी एजीटीएफ विद्या प्रकाश के नेतृत्व में एक टीम भरतपुर रेंज की ओर भेजी गई थी। एएसआई शैलेंद्र कुमार और कांस्टेबल बृजेश कुमार को सूचना मिली कि भवानी मीणा दौसा में है और अहमदाबाद भागने की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर एजीटीएफ टीम ने दौसा पहुंचकर भवानी सिंह को कलेक्ट्रेट सर्कल के पास घेरकर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम भवानी सिंह मीणा बताया। उसे आगे की कार्रवाई के लिए उदई मोड़ पुलिस को सौंप दिया गया है। इस कार्रवाई में एएसआई शैलेंद्र कुमार, कांस्टेबल बृजेश कुमार, हेड कांस्टेबल मदनलाल शर्मा, सोहन देव, कांस्टेबल अरुण कुमार और कुलदीप सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कैंपर से कुचलकर युवक की हत्या

छह को पुलिस ने किया डिटेन, रेंट की गाड़ी को लेकर हुआ विवाद

झुंझुनू,11 जून (एजेंसियां)। गांव के जोहड़ में शराब ठेके सामने किराए की थार गाड़ी को लेकर हुए विवाद युवक की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने कैंपर से युवक को कुचलकर मार दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छह युवकों को डिटेन किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार श्यामपुरा, नूआं गांव का फौजी संपत सिंह एक शादी में जाने की बात कहकर रविवार सुबह झुंझुनू में कार रेंटल सर्विस प्रोवाइडर से थार गाड़ी किराए पर लेकर गया था।

देर रात गाड़ी एक ही जगह घूमती रही तो कार रेंटल सर्विस प्रोवाइडर ने थार गाड़ी का जीप-ीएस लॉक कर दिया। जीपीएस लॉक करने पर संपत ने कार रेंटल वालों को फोन पर उलहाना दिया तो आपस में गाली गलौच हो गई। इसके बाद गाड़ी किराए पर देने वाले अंकित व उसका दोस्त शशि पुत्र रामेश्वर, राहुल पुत्र नाहर सिंह, सुनील पुत्र रणवीर सिंह, श्रीगंगानगर के दिनेश कुमार समेत दस के करीब युवक तीन गाड़ियों में सवार होकर थार में लगे जीपीएस की लोकेशन के आधार पर शीशियां गांव के बाहर राणासर रोड स्थित जोहड़ में शराब ठेके के सामने पहुंचे।

जहां पर थार किराए पर लेने वाले श्यामपुरा, नूआं गांव के फौजी संपत सिंह, सुमित झाझड़िया व सुनील जाट ने समय पूरा नहीं होने का हवाला देते हुए किराए पर ली गई थार देने से मना कर दिया। इस पर गाड़ी किराए पर देने वालों व किराए पर लेने वाले संपत फौजी, सुमित व सुनील के बीच झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान वहां पर मौजूद दिनेश कुमार पर सुमित ने कैंपर चढ़ा दी। कैंपर चढ़ाने के बाद घायल दिनेश को बीडीके अस्पताल लाया गया। वहां पर हालत गंभीर होने पर उसको एक निजी अस्पताल ले गए। वहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बीडीके अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजन को सौंप दिया। मृतक दिनेश रविवार को अपने दोस्त अंकित की जन्मदिन पार्टी में शामिल हुआ था। दिनेश कुमार रविवार को अपने दो दोस्तों के साथ सुबह 10 बजे सालासर जाने के लिए अपने घर से निकला था। इसी बीच वह दोस्त अंकित के जन्मदिन में शामिल होने झुंझुनू ही ठहर गया।

रात को सभी दोस्तों ने मिलकर झुंझुनू के पूरा की ढाणी में एक होटल में पार्टी की। यहां से संपत फौजी को किराए पर दी गई कार लेने गए युवकों के साथ शिशियां चला गया। मृतक दिनेश रेलवे में एसआई की तैयारी कर रहा था। जीडी का पेपर क्लियर कर चुका था और 15 दिन बाद फिजिकल था।

हरियाणा सरकार का नया फार्मूला: उद्योगों को रात व कृषि के लिए दिन में होगी बिजली आपूर्ति, सीएम की मुहर का इंतजार

चंडीगढ़,11 जून (एजेंसियां)। प्रचंड गर्मी के बीच हरियाणा में बढ़ती जा रही रिकार्ड बिजली खपत को देखते हुए जहां हरियाणा सरकार 1400 मेगावाट अतिरिक्त बिजली खरीद की तैयारियों में जुटी है। वहीं, तब तक मांग को पूरा करने और लोगों को बिजली कटों से बचाने के लिए हरियाणा सरकार ने नया फार्मूला निकाला है। इसके तहत, उद्योगों को रात को बिजली आपूर्ति की जाएगी और पिछले साल की तरह इस बार भी खेतों के ट्यूबवेल के लिए दिन में बिजली आपूर्ति देने की तैयारी है। इस संबंध में बिजली अधिकारियों और सीएमओ के अधिकारियों की बैठक हो चुकी है और इस पर अंतिम मुहर मुख्यमंत्री नायब सैनी की लगनी शेष है।

हरियाणा में 15 जून से आधिकारिक रूप से धान की बिजाई शुरू होगी। प्रदेश में खेती के ट्यूबवेल 6 हजार से अधिक हैं। ऐसे में धान के सीजन में कृषि क्षेत्र में बिजली की खपत बढ़ जाती है। पिछले साल में सरकार ने किसानों की परेशानी को देखते हुए रात की बजाए खेती के लिए दिन में बिजली आपूर्ति शुरू की थी। इस बार भी सरकार किसानों के लिए यही सुविधा देने की तैयारी में है। इसलिए रात को बिजली विभाग के पास अतिरिक्त बिजली होगी, तो उसे उद्योंगो के लिए आपूर्ति किया जाएगा। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद खुद भी उद्योगपतियों से रात में उद्योगों को चलाने की अपील कर चुके हैं। इसलिए संभावना है कि 15 जून तक उद्योगों और कृषि क्षेत्र के लिए बिजली आपूर्ति का नया शेड्यूल जारी हो सकता है।

हरियाणा में हर साल बढ़ रही 1 हजार मेगावाट बिजली की अतिरिक्त मांग

हरियाणा में हर साल 1000 मेगावाट बिजली की खपत और मांग बढ़ रही है। पीक सीजन की बात करें तो पिछले तीन साल में करीब तीन हजार मेगावाट की बढ़ोतरी हुई है। इस समय प्रदेश की कुल क्षमता 14026 मेगावाट है। पिछले साल यह क्षमता 13 हजार और इससे पहले 12137 मेगावाट थी। जून माह के अंत और जुलाई माह की शुरुआत में यह मांग 1400 मेगावाट तक और बढ़ने की संभावना है। इसलिए ही हरियाणा सरकार बिजली आपूर्ति के शेड्यूलों में बदलाव करने जा रही है।

हरियाणा में कब बने बिजली के नए रिकार्ड

पीक सीजन के दौरान बिजली खपत के कई रिकार्ड बन चुके हैं। इनमें 18 अगस्त 2023 को सबसे अधिकतम 13055 मेगावाट की खपत हुई थी और यह अब तक सबसे रिकार्ड खपत है। क्योंकि कुल क्षमता के बराबर पहुंच गई थी। इससे पहले, 2022 में 7 जुलाई को 12 हजार मेगावाट की पूरी क्षमता को मांग पार कर गई थी।

इसलिए बढ़ रही बिजली खपत

हरियाणा में बिजली खपत बढ़ने का मुख्य कारण एनसीआर के क्षेत्र में नए उद्योंगों का आना है। दूसरा, रियल एस्टेट की बड़ी बड़ी कंपनियां द्वारा हरियाणा में अपने प्रोजेक्ट शुरू करना। तीसरा, प्रदेश के लोगों में बढ़ती गर्मी और सर्दी के चलते एसी और गीजर चलाने की प्रवृति बढ़ रही है। चौथा कारण है बिजली कनेक्शनों के लिए हर साल हजारों की संख्या में नए आवेदन आ रहे हैं। इस समय 40 हजार के करीब खेती के ट्यूबवेल कनेक्शन और 50 हजार के करीब अन्य बिजली कनेक्शन लंबित चल रहे हैं।

कहां कितनी है उत्पादन क्षमता

प्रदेश के थर्मल प्लांटों की बात करें तो पानीपत थर्मल प्लांट की यूनिट नंबर 6, 210, यूनिट 7 और 8 की क्षमता 250-250 मेगावाट है। दीन बंधू छोटूराम यमुनागर प्लांट की दो यूनिटों की क्षमता 300-300, खेदड़ की दोनों यूनिटों की 600-600 मेगावाट है। इंदिरा गांधी सुपर थर्मल पावर प्लांट की तीनों यूनिटों की क्षमता 500-500 मेगावाट है, यहां पर हरियाणा का शेयर 50 प्रतिशत है। इसी प्रकार महात्मा गांधी सुपर थर्मल प्लांट की दोनों यूनिट 600-600 मेगावाट की हैं।

कहां से मिल रही कितनी बिजली

हरियाणा खुद 2582.4 मेगावाट बिजली का ही उत्पादन करता है और बाकि बिजली खरीदी जाती है। इसमें से भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड से 846.14 मेगावाट बिजली, जबकि प्राइवेट कंपनियों से 7173.22 मेगावाट और 2921.09 मेगावाट बिजली केंद्रीय प्लांटों से खरीदी जाती है।

अडाणी पावर से 1200 मेगावाट बिजली खरीदी जा रही। वहीं, आपात स्थिति को देखते हुए छत्तीसगढ़ से 350 मेगावाट व मध्य प्रदेश से 150 मेगावाट अतिरिक्त बिजली के लिए पहले से ही अनुबंध हो रखे हैं।

भारत के सबसे रहस्यमयी पांच मंदिर

भारत में अनगिनत मंदिर हैं, जिनका इतिहास सैकड़ों और हज़ारों वर्ष पुराना है। इन मंदिरों में ऐसे कई चमत्कार हुए हैं जिन्हें लोगों ने देखा है। मान्यता है कि इन मंदिरों में दर्शन मात्र से सारे दुख दर्द दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख शांति आती है। विश्वभर से लोग भारत के इन मंदिरों में चमत्कार देखने आते हैं। कुछ मंदिरों में साक्षात चमत्कार नज़र आते हैं तो कुछ मंदिरों के रहस्यों के बारे में आज तक विज्ञान भी पता नहीं लगा पाया है। ऐसे ही भारत के विश्व प्रसिद्ध 5 रहस्यमयी मंदिरों के बारे में बता रहे हैं जिनकी जानकारी लेने का बाद आप भी यहां जाकर दर्शन जरूर करना चाहेंगे।

◆ ज्वाला देवी का मंदिर, कांगड़ा घाटी हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा घाटी के दक्षिण दिशा में 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ज्वाला देवी मंदिर भारत के रहस्यमय मंदिरों में से एक है। यह मंदिर मां सती के 51 शक्तिपीठों में से एक है। माना जाता है। कि यहीं पर माँ सती की जीभ गिरी थी। कहा जाता है कि इस मंदिर की खोज महाभारत काल में पांडवों ने की थी। कहा जाता है कि सतयुग में भूमिचंद नाम का एक राजा हुआ करता था जो महाकाली का परम भक्त था। एक बार सपने में मां काली आती है जिसके बाद वह यहीं पर महाकाली का एक भव्य मंदिर का निर्माण करता है। इस मंदिर की सबसे रहस्यमय बात यह है कि इस मंदिर में हजारों वर्षों से मां के मुख से अग्नि निकल रही है जिसके पीछे का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। इस मंदिर में अलग अलग जगह से अग्नि के नौ लपटे निकलती है जो अलग अलग नौ देवियों का स्वरूप माना जाता है। अग्नकी इन लपटों के पीछे का कारण? सैनिकों का मानना है कि यह मृय ज्वालामुखी की अग्नि हो सकती है।

◆ वीरभद्र मंदिर, लेपाक्षी, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश

भारत के रहस्यमय मंदिरों के सूची में वीरभद्र मंदिर का नाम भी शामिल है। यह मंदिर आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के एक छोटे से ऐतिहासिक गांव लेपाक्षी में स्थित है। इसीलिए इस मंदिर को लेपाक्षी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर में कुल 72 पिलर है, जिनमें से एक पिलर छत को तो छूता है, लेकिन जमीन से उठा हुआ है। जिसके कारण इस पिलर को हैंगिंग पिलर कहते हैं। अब तक देश विदेश के कई इंजीनियर इसके बारे में जांच पड़ताल कर चूके हैं, लेकिन कोई भी इंजीनियर इस रहस्य को सुलझा नहीं पाया। इस मंदिर में आने वाले पर्यटक रूमाल या किसी भी कपड़े को पिल्लर के एक तरफ से दूसरी ओर निकालकर पिल्लर का जमीन से उठे हुए होने की सत्यता को जांचने का प्रयत्न करते हैं। इस मंदिर का निर्माण विजय नगर शैली में किया गया है। मंदिर में विभिन्न देवी देवताओं, नृतकी एवं संगीतकारों के चित्रों को चित्रित किया गया है। मंदिर की दीवारों पर खंभों एवं छत पर महाभारत और रामायण काल की कई कहानियों को चित्रित किया गया है। मंदिर के अंदर 14 फुट ऊंचा वीरभद्र की एक वॉल पेंटिंग भी है, जिसे मंदिर। के छत पर बनाई गई भारत की सबसे बड़ी वॉल पैंटिंग मानी जाती है।

◆ श्रीकाल भैरव मंदिर, उज्जैन

उज्जैन का काल भैरव मंदिर के बारे में आखिर कौन नहीं जानता है इस मंदिर का रहस्य देश विदेश तक लोक प्रसिद्ध है। उज्जैन को आकाश और धरती का केंद्र माना जाता है। यहां पर स्थित काल भैरव मंदिर की कई रहस्यमय घटनाएं। लोगों को आश्चर्य चकित कर देती है। इस मंदिर को लेकर सबसे ताज्जुब की बात यह है कि जहाँ भारत के अन्य मंदिरों के आसपास एक भी शराब की दुकान मौजूद नहीं होती है बल्कि अगर होती भी है तो उन्हें हटवा दी जाती है। यह दुनिया का एक मात्र ऐसा मंदिर है जहाँ पर काल भैरव को खुद श्रद्धालु शराब पिलाते हैं। आज तक लोगों को पता ही नहीं चला कि वह शराब आखिर जाता कहां है? इस मंदिर के परिसर से लेकर इसके रास्ते में ना जाने कितनी ही शराब की दुकानें मौजूद हैं। यहाँ तक की प्रसाद बेचने वाले लोग भी अपने पास शराब रखते हैं। इसके अतिरिक्त इस मंदिर को लेकर यह भी रोचक तथ्य है कि इस मंदिर के सीमा में कोई भी राजा या राजपरिवार से जुड़े लोग रात में नहीं ठहर सकते हैं। क्योंकि उज्जैन का राजा एकमात्र भगवान शिव को ही माना जाता है। जीस कारण अगर कोई भी उच्च पद का व्यक्ति यहाँ पर रात में ठहरता है तो उसके साथ अशुभ घटनाएं होती है।

◆ स्तंभेश्वर महादेव मंदिर, गुजरात

भारत के तमाम रहस्यमय मंदिरों में से एक स्तंभेश्वर महादेव का मंदिर है। यह मंदिर गुजरात राज्य की राजधानी गांधी नगर से लगभग 175 किलोमीटर की दूरी पर जम्बूसर के कवि कंबोई गांव में स्थित है। ये मंदिर 150 साल पुराना है और अरब सागर और खंभात की खाड़ी से घिरा हुआ है। इस मंदिर को पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव के पुत्र कार्तिकेय ने बनवाया था। इस मंदिर का सबसे बड़ा रहस्य यही है की यह मंदिर श्रद्धाल-ओं के लिए दिन में केवल दो ही बार खुलते हैं। है। हाइटाइड के दौरान यह मंदिर हर दिन पानी में डूब जाता है। जिस दौरान मंदिर का एक भी हिस्सा दिखाई नहीं देता है। पानी हटने के बाद फिर से इस मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए खोला जाता है। इसी कारण यह मंदिर सबसे अनोखा मंदिर है। दिन में और शाम के समय पानी का स्तर बढ़ने से ये मंदिर पूरी तरीके से पानी में समा जाता है। लोग इसे भगवान शिव का अभिषेक मानते हैं।

◆ असीरगढ़ शिव मंदिर असीरगढ़, मध्य प्रदेश

इस असीरगढ़ किले के अंदर मौजूद मंदिर एवं शिवलिंग का निर्माण महाभारत काल में किया गया है। ऐसा माना जाता है यह मंदिर मध्य प्रदेश के बुरहानपुर शहर से 20 किलोमीटर की दूरी पर असीरगढ़ किले में स्थित है। कहा जाता है कि इस मंदिर की सबसे पहले पूजा अश्वधामा करते हैं। अश्वतामा पांडवों एवं कौरवों के गुरु द्रोणाचार्य के पुत्र थे जिन्हें भगवान श्री कृष्ण युगों युगों तक भटकने का श्राप दिए थे। कहा जाता है कि इस मंदिर के शिवलिंग पर मंदिर का दरव-ाजा खोलते ही पहले से ही रोली और ताज़े फूल छड़े हुए मिलते हैं। जो खुद अश्वतामा आकर अर्पित करते हैं। यहाँ के स्थानीय लोगों में से कुछ का यह भी कहना है कि अश्वतामा ने उनसे अपने घाव पर लगाने के लिए हल्दी और तेल भी मांगा है। इस तरह लोगों का कहना है कि वह भटकती आत्मा अश्वतामा की है और जो भी अश्वतामा को देख लेता है उसका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है।

भगवान की झूठी कसम खाने वालों के साथ होता है खौफनाक अंजाम!

जानें इसके बारे में सबकुछ

अक्सर ऐसा देखा जाता है कि लोग अपनी बात को रखने के लिए कई जगहों पर कसम खा लेते हैं । कसम खाने की परंपरा आज से नहीं बल्कि युगों-युगों से चली आ रही है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कसम क्या होता है, झूठी कसम खाने से क्या होता है? ऐसे में इस लेख के जरिए आज हम आपको बताएंगे कि झूठी कसम खाने से क्या होता है? इसके साथ ही बताएंगे कि भगवान की झूठी कसम खाने से क्या होता है? तो चलिए शुरू करते हैं।

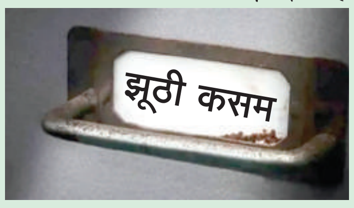

कसम क्या है?

कसम किसी बात की सच्चाई या वादे की पुष्टि के लिए ली जाती है। यह आमतौर पर किसी देवता, पवित्र वस्तु या व्यक्ति के नाम पर ली जाती है। कसम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि जो व्यक्ति कसम ले रहा है वह सच बोल रहा है और वह जो वादा कर रहा है उसे पूरा करेगा। कसम कई तरह की हो सकती हैं, जैसे, यह कसम किसी देवता या धार्मिक ग्रंथ के नाम पर ली जाती है। यह कसम अदालत में गवाही देते समय या किसी कानूनी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते समय ली जाती है। यह कसम किसी व्यक्ति या समूह के प्रति निष्ठा या भक्ति दिखाने के लिए ली जाती है।

झूठी कसम खाने से क्या होता है?

झूठी कसम खाने को धार्मिक और नैतिक रूप से गलत माना जाता है। इसका व्यक्ति के चरित्र और प्रतिष्ठा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। धार्मिक दृष्टिकोण से, झूठी कसम खाने को पाप माना जाता है और इसका दंड भोगना पड़ सकता है। इसके साथ ही झूठी कसम खाने से व्यक्ति की विश्वसनीयता खत्म हो जाती है और लोग उस पर भरोसा करना बंद कर देते हैं। वहीं विष्णु पुराण के अनुसार, झूठी कसम खाने या कसम तोड़ देने से जिसनें कसम खाई है और जिसकी कसम खायी गई है उन दोनों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा जिस व्यक्ति की झूठी कसम खायी जाती है उसके इंसान के स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें होने लगती हैं। वह बहुत ज्यादा बीमार हो जाता है। साथ ही इससे आयु की भी हानि होती है।

झूठी कसम खाने से बचने के लिए क्या करें?

किसी भी बात की कसम लेने से पहले अच्छी तरह सोच लें। केवल वही कसम लें जो आप निभा सकते हैं। यदि आप किसी बात को लेकर निश्चित नहीं हैं, तो कसम न लें। यदि आप धार्मिक कसम ले रहे हैं, तो ईश्वर का सम्मान करें और सच बोलें। हमेशा सच बोलने की कोशिश करें, ताकि आपको कभी भी कसम खाने की आवश्यकता न पड़े।

भगवान की झूठी कसम खाने से क्या होता है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान की झूठी कसम खाने से देवी-देवता नाराज हो जाते हैं। इसके साथ ही झूठी कसम खाकर आप अपने जीवन को खतरे में डाल देते हैं। धन की हानि होती है। जीवन में अशांति फैलती है। जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए कभी भी भगवान की झूठी कसम नहीं खाना चाहिए।

न करें ये 5 कार्य, नहीं तो जीवनभर दुर्भाग्य नहीं छोड़ेगा पीछा!

शास्त्रों में ऐसी कई चीज़ों के बारे में लिखा गया है जिन्हें मरते दम तक कभी किसी को दान में नहीं देना चाहिए। ये ऐसी कुछ चीजें हैं जिनको अगर आप दान कर देते हैं तो आपके घर से बरकत, धन समृद्धि चली जाती है। जिसकी वजह से आपको दरिद्रता झेलनी पड़ती है। आपके घर में क्लेश होते हैं। दान करना हमारे संस्कृति में बहुत ही शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि ऐसा करने से इंसान के सारे पाप धुल जाते हैं और उसे पुण्य की प्राप्ति होती है, इसीलिए दान दिया जाता है। यही वजह है कि हमारे हिंदू धर्म में कोई भी तीज त्यौहार हो बिना दान के पूरा नहीं माना जाता। शास्त्रों के मुताबिक कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें छोड़कर कोई भी चीज़ जरूरतमंद को दान कर सकते हैं। लेकिन अगर आपने इन चीजों का दान करा तो इन चीजों का आप पर उल्टा असर होने लगेगा और आपके परिवार में संकटों का पहाड़ टूट पड़ता है।

◆ इस तरह के पुराने वस्त्रों का दान

बेटी को कभी पुराना वस्त्र मत देना। पुरानी साड़ियां, पुरानी धोती। ब्राह्मण को कभी पुराने कपड़े मन देना। साधु महापुरुषों को कभी पुराना वस्त्र मत देना। कोई माता पिता उस समय अपनी बेटी का अपनी कन्या का कन्यादान जिस समय वो ऋतुमति धर्म में है। उस समय कन्या का कन्यादान नहीं होता। उसमें कन्यादान करने वाले को नरक मिलता। आपके पास कपड़े ज्यादा है, जरूरतमंद लोगों का अभावग्रस्त है, उनको सहयोग में दे दीजिए। उनको सहयोग में और दान में अंतर है। उनको सहयोग होगा। दान पूज्य लोगों को दिया जाता है। श्रेष्ठ लोगों को दान दिया जाता है। तो आप ये कहे कि बेटी पूज्य है।

◆ इस तरह के खाने का दान न करें

भूखा व्यक्ति को बासी खाना ना खिलाएं बल्कि एकदम ताज़ा खाना हो वही खिलाएं। अगर आप धर्मात्मा बनने के चक्कर में बासी खाना किसी को दान दे देते हैं कि चलो भाई खाना रखा है कोई नहीं इसे दे देते हैं तो ये आप पे उल्टा असर करता है और आपके परिवार को कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस चीज़ का विशेष ध्यान रखिए कि अगर आप किसी को खाना खिला रहे हैं तो आपको उसे ताज़ा खाना खिलाना है। बासी खाना भी ना खिलाएं।

◆ फटी हुई किताबें

अगर किसी को आप किताब दान कर रहे हैं या कोई ग्रंथ दान कर रहे हैं तो आपको हमेशा उन्हें नई दान करनी है। नई किताबें आप दान करें। नए ग्रन्थ या चालीसा या कथाएं कुछ भी आप दान कर रहे हैं तो वो नए होने चाहिए। पुराने आपको दान नहीं करने हैं। किसी भी हालत में फटी हुई किताबें या ग्रंथ देना अच्छा नहीं माना जाता। ऐसा करने से माँ सरस्वती नाराज हो जाती हैं। आपके बच्चे पढ़ाई में कमजोर हो जाते हैं। भूल कर भी फटी हुई किताबें या पूजा पाठ की कोई भी किताबें हैं। कथा है, चालीसा है, इन्हे आप दान कर रहे हैं तो फटी हुई बिल्कुल भी दान ना करें।

◆ नुकीली चीजें

किसी भी जरूरतमंद को कैंची, चाकू या कोई भी नुकीली चीज़ दान नहीं देनी चाहिए। ये चीजें दूसरों को नुकसान पहुंचाने वाली होती हैं और ऐसा करने से दान करने वाले से किस्मत यानी कि माता लक्ष्मी रूट जाती हैं। साथ ही उसके परिवार में क्लेश और उसका परिवार टूटने भी लगता है। तो आप भून कर भी नुकीली चीजों का दान ना करें। इस चीज़ का विशेष ध्यान रखें।

◆ इस तरह का तेल दान न करें

घर में इस्तेमाल या खराब हो चुका तेल आप कभी भी दान ना करें। दान करना अशुभ माना जाता है। ऐसा करने से शनिदेव आपने अप्रसन्न हो जाते हैं और परिवार को बुरे प्रभावों का सामना करना पड़ता है। कहा जाता है कि अगर एक बार शनिदेव किसी से रुष्ट हो जाए तो फिर उसकी जिंदगी की गाड़ी जल्दी से पटरी पर नहीं लौटती है तो आपको भूल कर भी तेल का दान नहीं करना है।

◆ झाड़ू का दान

झाड़ू को महालक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है इसलिए भूलकर भी इसका दान नहीं करना चाहिए। कहा जाता है कि जो लोग अपने घर की झाड़ू को दान कर देते हैं उन्हें दरिद्रता का सामना करना पड़ता है और कई प्रकार की बीमारियां उन्हें घेर लेती है। तो आप भूल कर भी झाड़ू कभी भी कहीं दान ना करें।

अक्सर बैठ जाते हैं पैर पर पैर रखकर?

जान लें ऐसे बैठने से कौन सा ग्रह होता है प्रभावित, क्या कहता है ज्योतिष शास्त्र

वैदिक शास्त्रों में कई अच्छी और बुरी आदतों का जिक्र मिलता है, जिसमें बताया गया है कि अगर हम अपने जीवन में कुछ ऐसी आदतों को अपना लेते हैं, जिससे की हमारे ऊपर उसका बुरा असर पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र में बताया जाता है कि मानव शरीर के हर अंग का किसी ना किसी ग्रह से संबंध होता है। अगर हम किसी भी प्रकार की गतिविधि में शामिल होते हैं तो उसका सीधा असर हमारे ग्रहों पर पड़ता है, जिससे वे कमजोर या मजबूत होते हैं। फिर उसी आधार पर हमारे साथ शुभ-अशुभ घटनाएं घटित होती हैं। जान लें अधिक जानकारी...

कमजोर होता है शनि

ऐसी ही बहुत सी सामान्य आदतें हैं जो कि अक्सर हम कई लोगों को करते देखते हैं। इनमें से एक है पैर पर पैर रखकर बैठना। जी हां, ज्योतिष के अनुसार, अगर आप भी पैर पर पैर रखकर बैठते हैं तो इस आदत को आज से ही छोड़ दें क्योंकि इससे शनि ग्रह कमजोर होता है।

पैर पर पैर रखकर बैठना गलत

ज्योतिष शास्त्र में उल्लेख मिलता है कि पैरों में शनि देव का स्थान माना गया है। अगर हमारे पैरों में कोई तकलीफ होती है या पैरों से संबंधित कोई बीमारी आपको होती है तो इसका संकेत है कि आपका शनि कुंडली में कमजोर है। वहीं अगर आप पैर पर पैर रखकर बैठते हैं तो इससे शनि की दिशा में बदलाव होने लगता है और शनि नीच स्थान पर जाने लगते हैं, जिसके दुष्प्रभाव हमें दिखने लगते हैं।

पैर पर पैर रखकर बैठने से उत्पन्न होता है शनिदोष

यदि आपकी आदत में शामिल हो गया है पैर पर पैर रखकर बैठना तो आपको बता दें कि इसके कारण आपके कुंडली में शनि दोष उत्पन्न हो जाता है और इससे आपके जीवन में संघर्षों का समय शुरू हो सकता है।

हालांकि इसके अलावा, पैर पर पैर रखकर बैठने के पीछे एक लोक मान्यता ये भी है कि इससे घर में दरिद्रता आती है और माता लक्ष्मी आपसे रूठ जाती हैं, जिससे धन हानि होती है।

धनुष की 51वीं फिल्म कुबेर पर आया बड़ा अपडेट

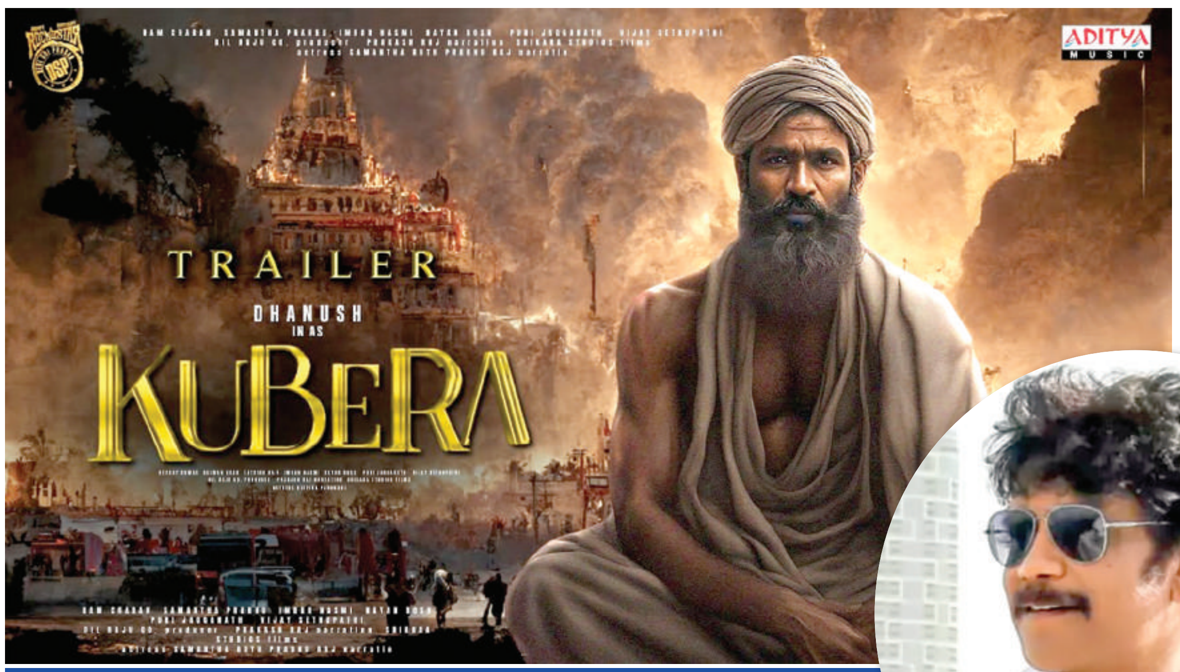

एक्शन करते दिखेंगे धनुष और नागार्जुन!

रायन और कुबेर धनुष की वे फिल्में हैं, जिन्हें देखने के लिए दर्शक काफी उतावले नजर आ रहे हैं। रायन दो वजह से खास है। पहली वजह है- यह धनुष के करियर की 50वीं फिल्म है और दूसरी- यह बतौर निर्देशक धनुष की दूसरी फिल्म है। वहीं, कुबेर को लेकर भी धनुष के फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर है। इस फिल्म पर एक ताजा अपडेट भी सामने आया है।कुबेर की शूटिंग कई दिनों से जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ताजा जानकारी यह है कि इन दिनों इस फिल्म के एक्शन सीन की शूटिंग चल रही है। कहा जा रहा है कि इस सीन में धनुष और नागार्जुन दोनों नजर आने वाले हैं। एक चर्चा यह भी है कि इस फिल्म में नागार्जुन एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रहे हैं।इस फिल्म का निर्देशन शेखर कम्मुला कर रहे हैं। फिल्म में धनुष और नागार्जुन के अलावा रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसका निर्माण श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस द्वारा किया जा रहा है। कुबेर का संगीत देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है। बता दें कि निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष कुबेर के जरिए पहली बार साथ में काम कर रहे हैं। इस फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।फिल्म रायन की बात करें तो इसे 13 जून, 2024 को रिलीज किया जाना था, लेकिन फिर खबर आई कि रिलीज की तारीख पीछे खिसका दी गई है। कहा जा रहा है कि रायन को जुलाई या फिर अगस्त में रिलीज किया जा सकता है। बता दें कि फिल्म का एक गाना रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में धनुष के साथ-साथ संदीप किशन, कालिदास जयराम, एसजे सूर्या, सेल्वाराघवन, प्रकाश राज, अपर्णा बालमुरली, दुशारा विजयन और वरलक्ष्मी सरथकुमार भी काम कर रहे हैं।

थाई स्लिट स्कर्ट पहन हिना खान ने कराया बोल्ड फोटोशूट

टीवी एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस अंदाज देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं।एक्ट्रेस हिना खान जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं।हिना खान ने इस फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जैकेट और थाई स्लिट स्कर्ट पहनी हुई है, जिसमें वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजार आ रही हैं।ओपन हेयर, हाई हील्स, कानों में इयररिंग्स और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस हिना खान ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें, एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपने रिएक्शंस देते हैं।हालांकि इन तस्वीरों में भी यूजर्स ने जमकर अपना प्यार बरसाया है। एक यूजर ने लिखा है- टू मच हॉट। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- लुकिंग किलर बेब। तीसरे यूजर ने लिखा है- सो ग्लैमरस।हिना खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा तगड़ी है।

आमिर खान के बेटे जुनैद की डेब्यू फिल्म महाराज का पहला पोस्टर जारी

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपने डेब्यू के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। लाइमलाइट से दूर रहने वाले जुनैद लंबे समय से अपनी पहली फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका पहला पोस्टर अब जारी कर दिया गया है। जुनैद की पहली फिल्म महाराज है, जिसमें उनके साथ जयदीप अहलावत भी दिखाई देंगे। हाल ही में मेकर्स की ओर से फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया, जिसमें जुनैद बहुत ही अलग लुक में दिखाई दे रहे हैं। जुनैद की डेब्यू फिल्म महाराज इसी साल जून में रिलीज होगी। फिल्म 14 जून 2024 को रिलीज होगी। लेकिन, इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वो ये कि यशराज फिल्म्स की ये फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी पर रिलीज होगी। जी हां, बिलकुल सही सुना आपने,जुनैद खान की पहली फिल्म

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।फिल्ममेकर सिद्धार्थ पी मल्होत्रा, जो अपनी फिल्मों वी आर फैमिली और हिचकी के लिए जाने जाते हैं महाराज के साथ अपने ओटीटी डायरेक्टोरियल डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो आमिर के लड़के जुनैद खान का एक्टिंग डेब्यू है। सिद्धार्थ, जो अपने शानदार स्टोरीटेलिंग और बेहतरीन डायरेक्शन के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने प्रोजेक्ट के पहले पोस्टर का अनावरण किया। फर्स्ट लुक ने इंटरनेट पर जैसे आग लगा दी है, जिसमें जुनैद खान और जयदीप अहलावत नजर आ रहे हैं। महाराज के साथ फिल्ममेकर ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचा है।इससे पहले, प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, मल्होत्रा ने साझा किया कि फिल्म 1800 के दशक पर आधारित है और दो घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म है जो दिखाती है कि कैसे एक आम आदमी अपने आस-पास के लोगों की मदद करने की हिम्मत जुटाता है, जो सोसाइटी को बड़े स्तर पर मदद करती है। इस प्रोजेक्ट में जुनैद खान के अलावा जयदीप अहलावत, शरवरी वाघ और शालिनी पांडे महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

जन्नत जुबैर ने टीवी शो फुलवा की वापसी की जताई इच्छा

लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आने वाली एक्ट्रेस जन्नत जुबैर ने छोटे पर्दे के प्रतिष्ठित शो फुलवा में वापसी की इच्छा जताई है।22 वर्षीय एक्ट्रेस जन्नत ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत सामाजिक नाटकों में एक बाल कलाकार के रूप में की थी, जिसमें 2010 का शो काशी - अब ना रहे तेरा कागज कोरा और 2011 में प्रसारित फुलवा शामिल है।जब उनसे पूछा गया कि क्या वह चाहेंगी कि फुलवा फिर से स्क्रीन पर आए, तो जन्नत ने कहा क्यों नहीं? ये शो काफी अच्छा है। इतने सालों बाद लोग आज भी बालिका वधू, ना आना इस देस लाडो और फुलवा के बारे में बात करते दिखाई देते हैं।एक्ट्रेस ने कहा कि आज भी लोग उन्हें उनके किरदार फुलवा के नाम से बुलाते हैं।उन्होंने कहा, लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं, जो इस बात का सबूत है कि यह शो आज भी कितना प्रभावशाली है। लगभग 12'3 साल हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ऐसे शो बनाए जाएंगे। लेकिन अगर फुलवा 2 या बालिका वधू 2 बनता है, तो मुझे लगता है कि प्रशंसक और लोग फिर से क्रेजी हो जाएंगे।फुलवा मध्य प्रदेश के मुरैना के पास चंबल के जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित शो था। इसमें फूलन देवी के जीवन की कहानी दिखाई गई है। कहानी भारत के एक डाकू-प्रभावित इलाके में रहने वाली एक गांव की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है।जन्नत ने भारत का वीर पुत्र - महाराणा प्रताप और तू आशिकी जैसे शो में भी काम किया है। वह रानी मुखर्जी अभिनीत हिचकी में दिखाई दी थीं। उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 12 में भाग लिया।2022 में उन्होंने मीडिया, मार्केटिंग और विज्ञापन श्रेणी में फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में भी जगह बनाई।

पौराणिक शो के कलाकारों को टाइपकास्ट होने का रिस्क नहीं : सुभा राजपूत

टीवी शो शिव शक्ति- तप त्याग तांडव में एक्ट्रेस सुभा राजपूत देवी शक्ति का किरदार निभा रही हैं। मां पार्वती का रोल निभाकर वह लाखों दिलों पर राज कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पौराणिक शो में एक्टिंग करने वाले कलाकारों को टाइपकास्ट होने का खतरा नहीं रहता है।पौराणिक शो में काम करने वाले कलाकारों को अक्सर टाइपकास्ट होने के खतरे का सामना करना पड़ता है, इस बारे में सुभा ने कहा, नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। यह सब अपने टैलेंट को दिखाने के बारे में है। मुझे खुशी है कि इस किरदार के साथ मुझे कई तरह की इमोशन्स दिखाने का मौका मिल रहा है। मुझे अपने रोल के लिए पहचान मिल रही है और यह देख खुशी मिलती है कि हमारे सभी प्रयासों की सराहना हो रही है।शिव शक्ति- तप त्याग तांडव गणेश से जुड़े अपकमिंग ड्रामेटिक सीक्वेंस पर आधारित है।सुभा ने कहा कि अपकमिंग सीक्वेंस में कर्तव्य, गलतफहमी, क्षमा और दैवीय क्षेत्र में कार्यों के परिणामों को दिखाया जाएगा।उन्होंने आगे कहा, स्नान के दौरान अपनी मां पार्वती की रक्षा करते हुए गणेश ने महादेव को प्रवेश करने से मना कर दिया, जिसके बाद भयंकर युद्ध हुआ। गणेश की अवज्ञा से क्रोधित महादेव वहां से चले गए और बाद में नंदी और गणों के साथ वापस लौटे और युद्ध शुरू कर दिया। इसमें गणेश ने उनमें से कई को हरा दिया।उन्होंने कहा, क्रोध में आकर महादेव ने गणेश का सिर काट दिया। बेटे का कटा सिर देख पार्वती को गुस्सा आता है और वह काली का रूप धारण कर लेती हैं और दुनिया को नष्ट करने की ठान लेती है।क्या उन्होंने मां की भूमिका निभाने की तैयारी की थी? इस सवाल का जवाब देते हुए सुभा ने कहा, हां, मैंने पहले भी शो में कार्तिकेय की मां के रूप में भूमिका निभाई है, इसलिए यह मेरे लिए बिल्कुल नया नहीं है।

अजय देवगन की औरों में कहां दम था का ट्रेलर कल होगा रिलीज

शैतान और मैदान के बाद अब फैंस अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था का इंतजार कर रहे हैं। इस मूवी में एक बार फिर एक्टर तब्बू के साथ दिखाई देने वाले हैं। दोनों की केमिस्ट्री को पहले भी पर्दे पर फैंस ने काफी पसंद किया था और अब फिर उन्हें साथ में देखने के लिए बेताब हैं।हाल ही में इस मूवी का टीजर जारी किया गया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। इसके बाद दर्शक फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं और अब इसके ट्रेलर रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।औरों में कहां दम था का ट्रेलर देखने के बाद यह तो साफ है कि ये मूवी लव स्टोरी पर बेस्ड होने वाली है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, बताया जा रहा है कि इसके ट्रेलर को देखने के लिए फैंस को ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। इस ट्रेलर अगले इसी महीने 13 जून को रिलीज किया जा सकता है।अजय देवगन और तब्बू आखिरी बार साथ में दृश्यम 2 में दिखाई दिए थे। ऐसे में जब इसका टीजर आया, तो फैंस काफी खुश हो गए। टीजर में देखने को मिला था कि दोनों होली खेलते हुए नजर आते हैं। वहीं, बैकग्राउंड में फिल्म का टाइटल चल रहा है।

योगी सरकार ने नई तबादला नीति को मंजूरी दी

लाखों कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का तोहफा

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में 2024-25 के लिए नई स्थानांतरण नीति को मंजूरी दे दी गई। बैठक में कुल 42 प्रस्ताव रखे गए जिनमें से 41 को मंजूरी दी गई है। नई स्थानांतरण नीति के तहत समूह क और ख के उन अधिकारियों का स्थानांतरण किया जा सकेगा, जिन्होंने जनपद में 3 वर्ष और मंडल में 7 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। वहीं समूह ग और घ में सबसे पुराने अधिकारियों का स्थानांतरण किया जाएगा। समूह क और ख के अधिकारियों के स्थानांतरण के लिए अधिकतम 20 प्रतिशत तो वहीं समूह ग और घ के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत की सीमा रखी गई है।

इस स्थानांतरण नीति के तहत सभी स्थानांतरण आगामी 30 जून तक किए जाने हैं। बैठक में बुंदेलखंड क्षेत्र की 50 में से 26 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। जिनकी कुल लागत 10858 करोड़ रुपए है। इसमें 1394 करोड़ रुपए की वृद्धि की गई है।

कैबिनेट ने प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। इसके अनुसार अब 30 जून और 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले सरकारी कर्मचारियों को एक जुलाई और एक जनवरी से प्रस्तावित वेतन वृद्धि का लाभ मिल सकेगा। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अभी तक जो व्यवस्था थी उसके अनुसार 30 जून और 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को एक जुलाई या एक जनवरी को प्रस्तावित वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिल पाता था। हालांकि अब कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दे दी है। इससे कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ उनकी पेंशन और ग्रेच्युटी में मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय के बाद ज्यूडिशियल कर्मचारियों को पहले ही इसका लाभ दिया जा चुका है और अब सरकारी कर्मचारी भी इससे लाभान्वित हो सकेंगे।

योगी सरकार ने प्रदेश के 5 विश्वविद्यालयों के नामों में भी मामूली संशोधन किया है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार इन विश्वविद्यालयों के नाम से राज्य शब्द को हटाया गया है। महाराज सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ का नाम अब महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ होगा। इसी तरह मां शाकुम्भरी देवी राज्य विश्वविद्यालय सहारनपुर, मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय मीरजा-पुर, मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय बलरामपुर से भी राज्य शब्द को हटाने को मंजूरी दी गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद का नाम गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि प्रदेश के छात्र अपने ही प्रदेश में उच्च शिक्षा गृहण कर सकें। इसके लिए सरकारी विश्वविद्यालयों के साथ ही प्राइवेट विश्वविद्यालय को भी प्रमोट किया जा रहा है। इसी क्रम में दो नए निजी विश्वविद्यालयों को लेटर ऑफ इंटेंट देने का प्रस्ताव पारित हुआ है। इसमें एचआरआईटी गाजियाबाद और दूसरा फ्यूचर विश्वविद्यालय बरेली है। इन दोनों ने अपने सभी मानक पूरे कर लिए हैं।

प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में तैयारियों के मद्देनजर 2019 की तुलना में 2025 में 3200 हेक्टेयर की तुलना में 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तार किया गया है। अनुमान है कि मौनी अमावस्या पर करीब छह करोड़ लोग आएंगे। कुंभ के लिए 2500 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है।

बैठक में नोएडा को 500 बेड के नए अस्पताल को मंजूरी दी गई है। इसका निर्माण 15 एकड़ भूमि पर किया जाएगा। आईआईटी कानपुर में मेडिकल रिसर्च के लिए स्कूल आफ मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नालॉजी बनाया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार हर साल 10 करोड़ रुपए देगी। इस तरह पांच साल में 50 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। शेष मदद केंद्र से आएगी।

पांच विश्वविद्यालयों के नाम में संशोधन

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार ने प्रदेश के 5 विश्वविद्यालयों के नामों में भी मामूली संशोधन किया गया है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार इन विश्वविद्यालयों के नाम से राज्य शब्द को हटाया गया है। महाराज सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ का नाम अब महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ होगा। इसी तरह मां शाकुम्भरी देवी राज्य विश्वविद्यालय सहारनपुर, मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय मीरजापुर, मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय बलरामपुर से भी राज्य शब्द को हटाने को मंजूरी दी गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद का नाम गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि प्रदेश के छात्र अपने ही प्रदेश में उच्च शिक्षा गृहण कर सकें। इसके लिए सरकारी विश्वविद्यालयों के साथ ही प्राइवेट विश्वविद्यालय को भी प्रमोट किया जा रहा है। इसी क्रम में दो नए निजी विश्वविद्यालयों को लेटर ऑफ इंटेंट देने का प्रस्ताव पारित हुआ है। इसमें एचआरआईटी गाजियाबाद और दूसरा फ्यूचर विश्वविद्यालय बरेली है। इन दोनों ने अपने सभी मानक पूरे कर लिए हैं।

कई उम्मीदवारों से असहमत था आरएसएस, भाजपा ने एक नहीं सुनी

संघ से दूरी भाजपा को पड़ी भारी

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में करीब आधी सीटों तक सिमटने वाली भाजपा की हार के भले ही कई कारण गिनाए जा रहे हों, पर संघ से दूरी भी एक बड़ी वजह है। संभवत: यह पहला चुनाव है जिसमें भाजपा ने प्रत्याशियों के चयन से लेकर चुनावी रणनीति तैयार करने तक में भी संघ से परामर्श नहीं लिया। लिहाजा संघ ने भी खुद को अपने वैचारिक कार्यक्रमों तक ही समेटे रखा।

इसका भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा। यह पहला चुनाव था जिसमें चुनावी प्रबंधन में संघ परिवार और भाजपा में दूरी दिखी। भाजपा ने किसी भी फैसले में उससे परामर्श करने तक की भी जरूरत नहीं समझी। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मौन साध रखा था। आमतौर पर चुनाव में जमीनी प्रबंधन में सहयोग करने वाले संघ के स्वयंसेवक इस चुनाव में शायद ही कहीं दिखे हों।

जिलों में न तो संघ और भाजपा की समन्वय समितियां दिखीं और न ही डैमेज कंट्रोल के लिए छोटे-छोटे स्तर पर अमूमन होने वाली संघ परिवार की बैठकें होती नजर आईं। कम मतदान पर लोगों को घर से निकालने वाले समूह भी इस चुनाव में कहीं नहीं दिखे।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्या हुआ जो संघ ने चुनाव से किनारा कर लिया। संघ से जुड़े कुछ वर्तमान, पूर्व पदाधिकारियों व प्रचारकों के अनुसार इसकी मुख्य वजह भाजपा के एकांगी निर्णय और संघ परिवार के संगठनों के साथ संवादहीनता रही। माना जाता है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के बयान भाजपा अब पहले की तुलना में काफी मजबूत हो गई है। इसलिए उसे अब संघ के समर्थन की जरूरत नहीं है ने भी स्वयंसेवकों उदासीन कर दिया। संघ के एक पूर्व वरिष्ठ पदाधिकारी बताते हैं कि संघ अचानक तटस्थ होकर नहीं बैठा था।

संघ से जुड़े लोगों के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में मिले परिणामों के बाद आत्ममुग्धता से लबरेज भाजपा ने अपने सियासी फैसलों में संघ परिवार को नजरअंदाज करना शुरू कर दिया था। भाजपा ने जब संघ परिवार की सलाह की अनदेखी कर एक के बाद एक कई ऐसे फैसले कर डाले, जिनसे संगठन की साख और सरोकारों पर विपरीत प्रभाव पड़ना लाजिमी था, इसलिए संघ ने भी अपनी भूमिका समेट ली। अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर भी कुछ मतभेद उभरे।

संघ ने कौशांबी, सीतापुर, रायबरेली, कानपुर, बस्ती, अंबेडकरनगर, जौनपुर, प्रतापगढ़ सहित प्रदेश की लगभग 25 सीटों के उम्मीदवारों पर असहमति जताई थी।

साथ ही बड़े पैमाने पर दूसरे दलों के लोगों को भाजपा में शामिल करने पर भी नाराजगी वयक्त की थी। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी से कहा था कि दूसरे दलों के दागी और अलोकप्रिय चेहरों को शामिल करना उचित नहीं है। इससे गुटबाजी बढ़ रही है। साथ ही संगठन की साख पर भी सवाल उठ रहा है। पर, उसकी सलाह नहीं मानी गई। लिहाजा संघ उदासीन हो गया।

भाजपा का चुनाव प्रबंधन तो पहले से ही कागजों पर था। संघ भी उदासीन हुआ तो ज्यादातर स्थानों पर न तो भाजपा के वोटरों को निकालने वाले दिखे और न उन्हें समझाने वाले। लिहाजा ज्यादातर मतदान केंद्रों पर 2014, 2019, 2017 और 2022 वाला प्रबंधन नहीं दिखा। चुनाव की घोषणा के एक साल पहले ही संघ परिवार ने अपने वैचारिक कार्यक्रम के तहत जनता से संवाद शुरू कर दिया था। घोषणा होने तक हर लोकसभा क्षेत्रों में एक-एक लाख बैठकें हो चुकी थीं। इसके तहत संघ के जमीनी कार्यकर्ता 10-20 परिवारों के साथ बैठकें करके मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने, सांस्कृतिक और राष्ट्रवाद के एजेंडे पर हुए कार्यों की चर्चा कर माहौल बनाया था, लेकिन भाजपा संघ के इस कवायद का भी फायदा नहीं उठा पाई।

चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा ने कई क्षेत्रीय अध्यक्षों के साथ ही जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की। इसमें भी संघ परिवार के फीडबैक की अनदेखी की गई। खासतौर से गोरक्ष प्रांत और काशी के क्षेत्रीय अध्यक्ष और कुछ पदाधिकारियों की नियुक्ति को लेकर संघ ने नाराजगी व्यक्त की थी। वाराणसी समेत कई लोकसभा क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत में भारी कमी आने के पीछे पदाधिकारियों की मनमानी नियुक्ति को भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है।

संघ से दूरी बनाने का दुष्परिणाम यह भी रहा कि जमीनी स्तर पर काम करने वाला भाजपा का संगठन भी पूरी तरह से सक्रिय नहीं रहा। माना जा रहा है कि संघ से बेहतर समन्वय नहीं बनने की वजह से भाजपा की अधिकांश बूथ कमेटियां व पन्ना प्रमुख भी निष्क्रिय बैठे रहे।

वहीं संघ के स्थानीय कार्यकर्ता निरंतर जनता के बीच काम करते हैं और संगठन से जनता को जोड़ने में उनकी प्रमुख भूमिका होती है। समन्वय नहीं होने की वजह से दोनों तरफ के कार्यकर्ता उदासीन रहे।

नतीजा यह हुआ कि तमाम घरों पर परिवारों तक पर्चियां तक नहीं पहुंच पाई। स बार के चुनाव भाजपा ने हर लोकसभा क्षेत्र के लिए प्रभारी नियुक्त किया था, जो कोई करिश्मा नहीं दिखा पाए। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि ज्यादातर लोकसभा क्षेत्रों में बाहरी नेताओं को प्रभारी बनाया गया था, जिन्हें न तो संबंधित लोकसभा क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी थी और न ही जातीय समीकरण व मुद्दों की। मतदाताओं के बीच भी बाहरी प्रभारियों की कोई पकड़ नहीं थी। लिहाजा तमाम प्रभारियों ने जमीन पर काम करने के बजाय सिर्फ क्षेत्रों में होने वाले बड़े नेताओं के सभाओं में चेहरा दिखाने तक ही खुद को सीमित रखा।

12 बस टर्मिनल सह कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनेंगे

राज्य सड़क परिवहन निगम ने शुरू की तैयारी

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर रखने की दिशा में कार्यरत योगी सरकार ने प्रदेश में नई शक्ति के साथ लंबित परियोजनाओं पर कार्य करना शुरू कर दिया है। इस क्रम में सीएम योगी की मंशा अनुरूप प्रदेश में परिवहन सेवाओं को और उन्नत व जनसुलभ बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूप-ीएसआरटीसी) कार्ययोजनाओं को क्रियान्वित करना शुरू कर दिया है। यूपीएसआरटीसी द्वारा 12 बस टर्मिनल्स के निर्माण, नवीनीकरण तथा उन्हें कमर्शियल कॉम्पलेक्स के रूप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे आगरा, गोरखपुर, मीरजापुर, बुलंदशहर, गढ़ मुक्तेश्वर, मथुरा, कानपुर सेंट्रल व वाराणसी कैण्ट समेत कई नए टर्मिनल्स के निर्माण तथा पुराने बस अड्डों के मेकओवर को गति मिलेगी। इतना ही नहीं, सीएम योगी की मंशा अनुसार 5000 इलेक्ट्रिक बसों को यूप-ीएसआरटीसी के बेड़े में शामिल किए जाने के कार्य को भी गति प्रदान की जा रही है। इन सभी कार्यों को पूर्ण करने के लिए निविदा प्रक्रिया मार्च में ही जारी कर दी गई थी, मगर लोकसभा चुनावों के कारण निविदा प्रक्रिया लंबित हो गई थी जिसे अब दोबारा 14 जून से शुरू कर दिया जाएगा।

नागरिक सुविधाओं में इजाफा को लक्षित कर योगी सरकार की मंशा के अनुरूप यूपीएसआरटीसी ने 12 बस टर्मिनल कम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण व मेकओवर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस क्रम में, आगरा के ईदगाह व ट्रांसपोर्ट नगर, गाजियााबाद के साहिबाबाद, गोरखपुर, मीरजापुर, बुलंदशहर, बरेली, गढ़ मुक्तेश्वर, अलीगढ़ के रसूलाबाद, वाराणसी कैण्ट, कानपुर सेंट्रल में 12 बस टर्मिनल कम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण तथा मथुरा में पुराने बस अड्डे के नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन सभी स्थानों पर नागरिक सुविधाओं के विकास के साथ ही इन्हें कमर्शियल स्पे-सेस में कन्वर्ट कर इनके जरिए रेवेन्यू जेनरेशन के मॉडल पर भी फोकस किया जा रहा है। इससे न केवल यहां से यात्रा करने वाले यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा बल्कि यूप-ीएसआरटीसी की आय बढ़ने में भी मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि यह सभी कार्य उस विस्तृत कार्ययोजना का हिस्सा हैं जिसे सीएम योगी के मार्गदर्शन में निर्मित किया गया था और अब उनकी मंशा अनुरूप ही इस दिशा में कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है।

यूपीएसआरटीसी द्वारा वर्तमान में 5000 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति, संचालन और रखरखाव की प्रक्रिया को लेकर निविदा प्रक्रिया एक बार फिर शुरू की गई है। 14 जून से ये प्रक्रिया शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि आधुनिक इलेक्ट्रिक बसों का संचालन सार्वजनिक परिवहन में क्रांति लाने की निगम की योजना के पहले चरण को चिह्नित करती है। राज्य के परिवहन नेटवर्क को विस्तारित करने की दीर्घकालिक रणनीति के तौर पर 50,000 बसों के बेड़े को शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की गई है जो कि आगामी वर्षों में पूरा हो जाएगा।

अयोध्यावासियों पर आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर पुलिस अलर्ट

शांति व्यवस्था कायम रखने में सहयोग करें

अयोध्या/एजेंसियां।

लोकसभा चुनाव में भाजपा के अयोध्या सीट हारने का चर्चा लगातार चल रहा है। फैजाबाद लोकसभा सीट पर परिणाम को लेकर सोशल मीडिया पर अयोध्यावासियों को लेकर हो रही टिप्पणियों पर पुलिस सतर्क हो गई है। माहौल में खलल डालने के उद्देश्य से आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों पर केस दर्ज करके जेल भेजने तक के निर्देश दिए गए हैं। लोकसभा चुनाव में अयोध्या से भाजपा की हार के बाद अयोध्यावासियों को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियां हो रही हैं। लोग उन्हें गद्दार, धोखेबाज, राम विरोधी जैसे तमाम आपत्तिजनक व अपमानजनक शब्दों से संबोधित कर रहे हैं। इसे लेकर विरोध के स्वर भी उठ रहे हैं।

कुछ लोग सोशल मीडिया पर इसकी प्रतिक्रिया दे रहे हैं तो कुछ लोगों ने शिकायत भी दर्ज कराई है। यह गतिविधियां दिन-ब-दिन तेज होती जा रही हैं, जिससे भविष्य में भी जिले का माहौल बिगड़ सकता है। इसे देखते हुए जिले की पुलिस भी अलर्ट हो गई है। अमन-चैन में खलल पैदा करने वालों पर निगाह तेज की गई है। पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर कई सोशल मीडिया अकाउंट को चिह्नित किया गया है। उनकी पोस्ट और उस पर आने वाली टिप्पणियों की निगरानी की जा रही है। आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि कुछ अराजक किस्म के लोग आपत्तिजनक पोस्ट करके माहौल बिगाड़ने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। उन्हें चिह्नित करके उनके सोशल मीडिया अकाउंट को खंगाला जा रहा है। कोई भी पोस्ट विधिसम्मत न होने पर संबंधित के खिलाफ केस दर्ज करके कठोर कार्रवाई की जाएगी। कुछ मामलों में शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज भी किया गया है। लोगों से अपील है कि वह शांति व्यवस्था कायम रखने में सहयोग करें और किसी तरह के आपत्तिजनक पोस्ट वायरल होने पर शिकायत दर्ज कराएं।

केंद्र में मंत्री बनने के बाद जितिन प्रसाद ने यूपी के मंत्री पद व विधान परिषद की सदस्यता से दिया इस्तीफा

लखनऊ/एजेंसियां।

केंद्र सरकार में मंत्री बनने के बाद जितिन प्रसाद ने यूपी सरकार के मंत्री पद व विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें मोदी सरकार 3.0 में वाणिज्य राज्यमंत्री बनाया गया है। वह यूपी में विधान परिषद सदस्य थे और सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री थे। उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया गया है। केंद्र सरकार में यूपी को खास अहमियत दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिपरिषद में विभाग बंटवारे में यूपी के राज्य मंत्रियों को खासी अहमियत दी है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जंयत चौधरी को कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास की जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा उन्हें शिक्षा विभाग का राज्यमंत्री भी बनाया गया है।

कीर्तिवर्धन सिंह को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन के साथ विदेश मामलों का मंत्री बनाकर उनका कद बढ़ाया गया है। जितिन प्रसाद को वाणिज्य एवं उद्योग के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी मिली है। मोदी-3 मंत्रिपरिषद में यूपी से दो कैबिनेट मंत्री राजनाथ सिंह और हरदीप पुरी हैं। रालोद के जयंत चौधरी को महत्वपूर्ण विभाग देकर जाट मतदाताओं में उनकी पकड़ को और मजबूत करने का प्रयास किया गया है।

मंत्रिपरिषद में दोबारा स्थान पाने वाले बीएल वर्मा उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण विभाग के राज्यमंत्री होंगे। पिछली बार उनके पास अपेक्षाकृत कम महत्व के माने जाने वाला उत्तर पूर्व विकास क्षेत्र और सहकारिता विभाग था। अपना दल (एस) कोटे की अनुप्रिया पटेल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक विभाग की मंत्री बनाई गई हैं।

मोदी-2 सरकार में वे वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री थीं। मोदी-2 सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री रहे एसपी सिंह बघेल को इस बार मत्स्य, पशुप-ालन व डेयरी और पंचायती राज विभाग में जिम्मेदारी मिली है।

नेपाल के लिए अंतिम दो लीग मैच खेलेंगे लामिछाने

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

नेपाल के स्पिनर संदीप लामिछाने टी20 विश्व कप में टीम के अंतिम दो ग्रुप चरण मैचों के लिए वेस्टइंडीज में टीम से जुड़ेंगे। देश के क्रिकेट बोर्ड ने यह जानकारी दी। संदीप लामिछाने पिछले महीने दो बार देश के क्रिकेट बोर्ड और कई एजेंसियों के प्रयासों के बावजूद अमेरिकी वीजा प्राप्त करने में सफल नहीं रहे।

हालांकि, नेपाल ने आईसीसी से अनुरोध किया था कि वह लामिछाने को अपने विश्व कप टीम में देर से शामिल करने की अनुमति दे, जिसे आईसीसी ने स्वीकार कर लिया है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल ने बताया है कि बोर्ड ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से लामिछाने को नेपाल के विश्व कप दल में जोड़े जाने की अपील की थी जिसे आईसीसी ने स्वीकार कर लिया है।

नेपाल को 15 और 17 जून को सेंट विंसेंट में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के साथ खेलना है। लामिछाने कैरेबियन में ग्रुप डी के दोनों मैचों के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में नेपाल को पिछले सप्ताह डलास में नीदरलैंड से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था और अब वह 11 जून को फ्लोरिडा में श्रीलंका से भिड़ेगा।

हालांकि लामिछाने 9 जून को ही वेस्टइंडीज पहुंच गए थे और उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट भी किया था कि वह अंतिम दो लीग मैच के लिए अपने राष्ट्रीय दल के साथ जुड़ने जा रहे हैं। उन्होंने सीएएन अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

नेपाल के सबसे हाई प्रोफ़ाइल क्रिकेटर लामिछाने को अक्टूबर 2022 में एक 18 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

जनवरी 2024 में उन्हें इस मामले में दोषी करार दिया गया लेकिन मई महीने में उच्च न्यायालय ने लामिछाने को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। सीएएन ने तत्काल प्रभाव से उन्हें क्रिकेट खेलने की अनुमति प्रदान कर दी। सीएएन को उम्मीद थी कि लामिछाने टी20 विश्व कप दल में हिस्सा लेंगे लेकिन वीजा न मिल पाने के चलते वह शुरुआत में इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन पाए। नेपाल के लिए 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में स्पिनर ने 12.58 की औसत और 6.29 की इकॉनमी से 98 विकेट लिए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

रोहन बोपन्ना और सुमित नागल ने टेनिस में हासिल किया पेरिस ओलंपिक का कोटा

नई दिल्ली । भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और सुमित नागल ने क्रमशः युगल और एकल में अपनी एटीपी रैंकिंग के जरिए पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए कोटा हासिल कर लिया है । विश्व के वर्ल्ड नंबर-4 रोहन बोपन्ना ने लंदन 2012 और रियो 2016 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था. उन्होंने पिछले साल नवंबर से युगल रैंकिंग में शीर्ष 10 में अपना स्थान बनाए रखते हुए भारत के लिए कोटा हासिल किया. पिछले सप्ताह एकल रैंकिंग में 18 स्थान की बढ़त के साथ सुमित नागल ने कट-ऑफ में जगह बनाई, जो विश्व रैंकिंग के माध्यम से कोटा हासिल करने वाले खिलाड़ियों में अंतिम स्थान पर है. पिछले सप्ताह 95वें स्थान पर रहे सुमित नागल ने रविवार को जर्मनी में हीलब्रॉन नेकरकप में एटीपी चैलेंजर खिताब जीतने के बाद अपने करियर की सर्वोच्च 77वीं रैंकिंग हासिल की। हालांकि, नागल रैंकिंग में 77वें स्थान पर हैं, लेकिन वह विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा प्राप्त करने वाले योग्य खिलाड़ियों में अंतिम स्थान पर हैं. पेरिस 2024 में पुरुष और महिला एकल स्पर्धाओं में 64-64 खिलाड़ी भाग लेंगे. 10 जून को जारी एटीपी रैंकिंग के अनुसार, टॉप-56 पुरुष एकल खिलाड़ियों ने अपने-अपने देशों के लिए कोटा हासिल कर लिया है. हालांकि, प्रत्येक देश अधिकतम चार कोटा हासिल कर सकता है. पेरिस 2024 में पुरुष और महिला युगल ड्रॉ में 3 टीमें शामिल होंगी, जिसमें एक टीम एक ही देश के एथलीटों की जोड़ी होगी।

यानिक सिनर एटीपी रैंकिंग में जोकोविच को हटाकर पहली बार शीर्ष पर, ज्वेरेव चौथे स्थान पर

पेरिस । इटली के यानिक सिनर ने जारी एटीपी रैंकिंग में चोटिल नोवाक जोकोविच को हटाकर पहली बार शीर्ष स्थान हासिल किया। सिनर एक पायदान के फायदे से पहले नंबर पर पहुंचे। इस तरह 22 साल के सिनर 1973 में शुरू हुई कम्प्यूटरीकृत रैंकिंग के बाद पहले नंबर पर काबिज होने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। उन्हें एक जुलाई से शुरू होने वाले विम्बलडन में शीर्ष वरीयता मिलेगी। सिनर ने इस सत्र में तीन खिताब जीते जिसमें जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब भी शामिल है। कार्लोस अल्काराज तीसरे ग्रैंडस्लैम की बदौलत रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे जबकि जोकोविच तीसरे और एलेक्जैंडर ज्वेरेव चौथे स्थान पर हैं। अल्काराज ने ज्वेरेव को हराकर फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। महिलाओं के वर्ग में इगा स्वियातेक रोलां गैरों पर लगातार तीसरी ट्राफी (पांच मेजर खिताब) की बदौलत डब्ल्यूटीए रैंकिंग में पहले स्थान पर अपनी बढ़त बढ़ाने में सफल रहीं। अमेरिका की 20 वर्षीय कोको गॉफ तीसरे नंबर से दूसरे नंबर पर पहुंची जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। वह फ्रेंच ओपन एकल के सेमीफाइनल में पहुंची लेकिन स्वियातेक से हार गयीं। गॉफ ने कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिलकर पहला ग्रैंडस्लैम युगल खिताब अपने नाम किया। दो बार की आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन आर्यना सबालेंका दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गयीं। 2022 विम्बलडन विजेता एलीना रिबाकिना चौथे स्थान पर हैं।

ओलंपिक के लिए सात बैडमिंटन खिलाड़ियों को मिला प्रवेश

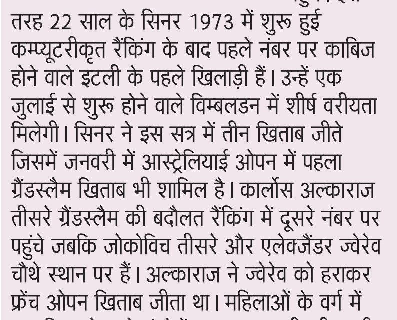

नई दिल्ली । आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए तक सात बैडमिंटन खिलाड़ियों को क्वालीफाइंग टिकट मिला है। इसमें पीवी सिंधु, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन जैसे शीर्ष खिलाड़ी शामिल हैं। सिंधु , प्रणय और लक्ष्य ने पहले ही ओलंपिक में जगह पक्की कर ली थी पर अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन महासंघ ने तय कट ऑफ तारीख के बाद आधिकारिक तौर पर अब इनके क्वालीफाई करने की पुष्टि की है। ओलंपिक खेल के नियमों के अनुसार कट ऑफ तारीख पर ही क्वालिफिकेशन रैंकिंग के आधार पर पुरुष और महिला एकल से शीर्ष 16 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई करते हैं। इसमें सिंधु 12वें स्थान पर रहीं जबकि पुरुष एकल में प्रणय और लक्ष्य क्रमशः नौवें और 13वें स्थान पर रहे। वहीं पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ओलंपिक क्वालीफिकेशन चक्र के अंत में तीसरे स्थान पर रही और इस प्रकार उसे भी ओलंपिक टिकट मिला है जबकि महिला युगल में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन च्रक के अंत में 13वें स्थान पर रहकर क्वालीफाई किया है।

पाकिस्तान ने कनाडा को सात विकेट से हराया

न्यूयॉर्क, 11 जून (एजेंसियां)।

मोहम्मद रिजवान नाबाद (48) और कप्तान बाबर आजम की (33) रनों जुझारु पारी के दम पर पाकिस्तान ने मंगलवार को टी-20 विश्वकप के 22वें मुकाबले में 15 गेंदें शेष रहते कनाडा को सात विकेट से हरा दिया है। यह टूर्नामेंट में पाकिस्तान की पहली जीत है और इसने पाकिस्तान की अगले दौर की उम्मीदों को जिंदा रखा है।

107 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की मोहम्मद रिजवान और सईम अयूब की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 20 रन जोड़े। पांचवें ओवर में डिलन हेलिगर ने सईम अयूब (6) को आउट कर पाकिस्तान को पहला झटका दिया। उसके बाद कप्तान बाबर आजम ने मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर दूसरे विकेट लिये 63 रनों की साझेदारी की। बाबर आजम (33) और फखर जमान चार रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद रिजवान ने 53 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 53 रनों की पारी खेली। पाकिस्तान ने 17.3 ओवर में 107 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। कनाडा की ओर से डिलन हेलिगर ने दो विकेट लिये। जेरमी गॉर्डन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पाकिस्तान को टूर्नामेंट में पहली जीत मिली है। इसका मतलब है कि अगले दौर में प्रवेश करने की उम्मीदें अभी भी पाकिस्तान के लिए समाप्त नहीं हुई हैं। हालांकि अगर पाकिस्तान 14 ओवर तक इस लक्ष्य को हासिल कर लेता तो उसका रनरेट अमेरिका से बेहतर हो सकता था और अमरीका के दोनों मैच हारने की स्थिति में उन्हें केवल अपना अखिरी लीग मैच जीतना होता।इससे पहले सलामी बल्लेबाज ऐरन जॉनसन 44 गेंदों में 52 रनों की अर्धशतकीय पारी के दम पर कनाडा ने पाकिस्तान को जीत के लिए 107 रनों का लक्ष्य दिया था। नैसो काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कनाडा की ऐरन जॉनसन और नवनीत धालीवाल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 20 रन जोड़े थे कि इसी दौरान तीसरे ओवर में मोहम्मद आमिर ने नवनीत धालीवाल (4) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद तो जैसे विकटों की झड़ी लग गई। 54 के स्कोर तक कनाडा के पांच विकेट गिर चुके थे। परगट सिंह (2), निकोलस कीरटॉ (1), श्रेयस मोव्वा (2), रविंदरपाल सिंह (शून्य) पर आउट हुए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान साद बिन जफर ने ऐरन जॉनसन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 14वें ओवर में नसीम शाह ने ऐरन जॉनसन को आउट कर कनाडा को बड़ा झटका दिया। जॉनसन ने 44 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 52 रनों की पारी खेली। वहीं साद बिन जफर 10 रन बनाकर आउट हुए। कलीम सना (13) और डिलन हेलिगर (9) रन बनाकर नाबाद रहे। कनाडा ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 106 रन बनाए।

पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद आमिर और हारिस रऊफ ने दो-दो विकेट लिये। शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईओए का बड़ा फैसला, ओलंपिक जाने वाले पहलवानों को देगा सहयोग, विनेश की मांग भी स्वीकारी

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां) ।

ओलंपिक जाने वाले देश के छह पहलवानों को सहायता देने पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बड़ा बयान जारी किया है। बताया जा रहा है कि संघ पहलवानों की मदद करेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट की ट्रेनिंग के लिए और अधिक मदद के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया है। छह भारतीय पहलवानों में महिला वर्ग में विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) तथा पुरुष वर्ग में अमन सहरावत (57 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने जारी एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य पहलवानों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे पहलवानों को सर्वश्रेष्ठ संसाधन की मदद मिले जिससे वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यह फैसला हमारी ऐसे माहौल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है जिसमें खिलाड़ी आगे बढ़ सकें। आईओए और डब्ल्यूएफआई पहलवानों के लिए ओलंपिक तक एक ऐसी सहयोगी टीम बनाने की योजना बना रहे हैं जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञ, मेंटल कंडिशनिंग कोच और अन्य जरूरी स्टाफ शामिल हों। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश को पेरिस ओलंपिक की ट्रेनिंग के लिए और सहयोगी स्टाफ मुहैया कराया जायेगा। उन्होंने कहा, हम सुनिश्चित करेंगे कि विनेश और हमारे अन्य सभी पहलवानों को अच्छा प्रदर्शन करने और भारत का तिरंगा ऊंचा रखने के लिए जरूरी सहयोगी स्टाफ मिले।

भारत से मुंह की खाने के बाद पीसीबी बौखलाया बाबर एंड टीम के खिलाफ बड़े एक्शन की तैयारी

कराची, 11 जून (एजेंसियां) ।

पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने भारत से मिली हार के बाद कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बाबर आजम की अगुआई वाली टीम में आमूलचूल बदलाव करने की आवश्यकता है। मोहसिन ने कहा, पहले मुझे लगता था कि मैच जीतने के लिए टीम में कुछ बदलाव करने की जरूरत है लेकिन अब लगता है कि टीम में आमूलचूल बदलाव करने होंगे। हमने जिस तरह से अमेरिका और अब भारत के विरुद्ध मैच गंवाए, वह बेहद निराशाजनक है। उन्होंने आगे कहा, हमें अब उन खिलाड़ियों पर गौर करना होगा जो इस समय टीम में नहीं हैं। हर कोई पूछ रहा है कि टीम अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं कर रही है। अभी विश्व कप चल रहा है, लेकिन निश्चित तौर पर हमें हर चीज पर गौर करने की आवश्यकता है। पता हो कि न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 6 रन से मात दी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 19वें मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 19 ओवर में 119 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 113 रन बना सकी। पाकिस्तान की यह मौजूदा टूर्नामेंट में लगातार दूसरी शिकस्त रही। भारत से पहले पहले उसे मेजबान अमेरिका के हाथों सुपर ओवर में शिकस्त सहनी पड़ी थी।

अब मार्च में आमने-सामने होंगी भारत और पाक की क्रिकेट टीमें

मुम्बई, 11 जून (एजेंसियां) ।

टी20 विश्वकप क्रिकेट में न्यूयार्क में हुए मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ छह रनों से रोमांचक जीत दर्ज कर अपना दबदबा बनाये रखा है। दोनो ही टीमों के बीच अब तक हुए आठ में से सात मुकाबले भारतीय टीम ने जीते हैं और केवल एक मैच में पाक को जीत मिली है। प्रशंसकों को दोनो ही टीमों के बीच अब अगला मुकाबला आठ महीने बाद मार्च 2025 में देखने को मिलेगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी का ड्राफ्ट शेड्यूल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सौंप दिया गया है और भारत-पाक का मैच आठ टीमों की 15 मैचों की प्रतियोगिता में लीग मैचों में से अंत में खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच खेला जाएगा। मैचों की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। यह मैच लाहौर में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम को खेलना सरकार की मंजूरी पर निर्भर रहेगा। अगर ऐसा नहीं होतो ये मैच किसी अन्य वैकल्पिक स्थल पर हो सकता है।

वहीं कहा जा रहा है कि पीसीबी को अपनी तैयारियों को आगे बढ़ाने के लिए कहा गया है। पीसीबी ने 20 दिवसीय प्रतियोगिता के लिए लाहौर, कराची और रावलपिंडी को मैच स्थल के रूप में चुना है, जिसमें लाहौर भारत के लिए मैच स्थल रखा गया है। कार्यक्रम के अनुसार, लाहौर में सात मैच, रावलपिंडी में पांच और कराची के बंदरगाह शहर में तीन मैच होंगे। कराची में 19 फरवरी उद्घाटन मैच खेला जाएगा, जबकि दो सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में होंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 9 मार्च को फाइनल लाहौर में होगा, जिसे सभी भारतीय खेलों के साथ-साथ सेमीफाइनल भी आवंटित किया गया है। पीसीबी ने अभी तक किसी अन्य स्थल पर भारतीय टीम के मैच को रखे जाने का विकल्प नहीं रखा है।

एमएमए की दुनिया में भारतीय पहलवान संग्राम सिंह की एंट्री

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय कुश्ती जगत में एक बड़ा कदम उठाते हुए, पूर्व कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैंपियन संग्राम सिंह एमएमए की दुनिया में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस कदम के साथ, वह एमएमए को अपनाने वाले पहले पुरुष पहलवान और एमएमए फाइटर के रूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। भारत के लिए कुश्ती में लगभग 25 वर्षों तक अपने शानदार करियर के साथ, संग्राम एक एमएमए फाइटर के रूप में अपने नए कदम के लिए तैयार हैं, एक ऐसी शैली जिसमें मूल रूप से पहलवानों के पास मौजूद कौशल शामिल है। संग्राम ने एमएमए फाइटर के रूप में अपने बदलाव पर कहा, एमएमए भविष्य है, पिछले कुछ सालों में इसकी बढ़ती लोकप्रियता अपने आप में ही सब कुछ बयां करती है। भारत में इस खेल को सबसे ज्यादा दर्शक मिलते हैं और मुझे उम्मीद है कि इस खेल के प्रशंसक भी इसी तरह मेरा समर्थन करेंगे। कुश्ती ने मुझे बहुत कुछ दिया है, जिसमें मेरे देश के लोगों का प्यार भी शामिल है और मुझे उम्मीद है कि वे मेरे नए सफर में भी ऐसा ही करते रहेंगे। एमएमए विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है और उम्मीद है कि मैं अगली पीढ़ी के एथलीटों को प्रेरित करूंगा जो एमएमए फाइटर के रूप में अपना करियर बनाना चाहते हैं। संग्राम ने हाल ही में दुबई प्रो रेसलिंग चैंपियनशिप में 6 साल के अंतराल के बाद वापसी कर कुश्ती जगत में हलचल मचा दी और उनका लक्ष्य एमएमए के साथ-साथ अपने कुश्ती करियर को जारी रखना है। संग्राम का कमबैक सफल रहा। उन्होंने पाकिस्तान के मुहम्मद सईद को लगभग एकतरफा मुकाबले में हराकर मैट पर अपनी क्षमता साबित की।

इस सफल मुकाबले के बाद एमएमए में कदम रखना स्वाभाविक था क्योंकि एमएमए भविष्य की ओर अगला कदम है और इसकी लोकप्रियता दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को दुनिया के सबसे कठिन खेलों में से एक कहा जा सकता है। ये कई सारे मार्शल आर्ट्स का मिश्रण होता है। कुश्ती में संग्राम का व्यापक अनुभव काम आएगा। कुश्ती मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की आधारशिला है, जिसमें टेकडाउन, नियंत्रण और ग्राउंड-एंड-पाउंड तकनीकों पर जोर दिया जाता है।

अब गोवा एफसी से खेलते नजर आयेंगे डिफेंडर आकाश

नई दिल्ली । डिफेंडर आकाश सांगवान अब एफसी गोवा क्लब की ओर से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल सत्र में खेलते नजर आयेंगे। इससे पहले एफसी गोवा क्लब ने आकाश से करार किया। क्लब ने हालांकि ये नहीं बताया है कि ये करार कितने समय के लिए किया गया है पर कहा जा रहा है कि ये लंबे समय के लिए होगा। आकाश ने साल 2017-18 सत्र में टीम को आईलीग खिताब जीतने में सहायता की थी। सांगवान ने 2017 में क्लब के साथ अपने सीनियर पेशेवर पदार्पण से पहले मिनर्वा पंजाब के साथ अपना फुटबॉल करियर शुरू किया था। उन्होंने 2017-18 सत्र में टीम को आईलीग खिताब जीतने में भी सहायता की। इस खिलाड़ी ने साल 2022 में दो बार के पूर्व आईएसएल चैंपियन चेन्नईयिन एफसी में शामिल होने से पहले चर्चिल ब्रदर्स और राउंडग्लास पंजाब के लिए खेला है। सांगवान ने अब तक 114 पेशेवर मुकाबले खेले हैं और उनके नाम तीन गोल हैं जिनमें से दो पिछले सत्र में सीएफसी के लिए खेलते हुए किए। क्लब से अनुबंध को लेकर उन्होंने कहा, ''मैं एफसी गोवा के साथ इस नए सफर को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। साथ ही कहा कि इस क्लब की महत्वाकांक्षाएं मेरे अनुरुप हैं और मैं उसकी ओर से बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हूं।

संपादकीय

बैसाखी नहीं, मजबूत कंधे बनें सहयोगी दल

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संसदीय समिति की बैठक के बाद उन सभी प्रश्नों का उत्तर मिल गया है कि जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार और तेदपी के चंद्रबाबू नायडू भाजपा को छोड़कर कहीं और नहीं जा रहे हैं। यह भी स्पष्ट हो गया है कि 9 जून को शाम छह बजे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे। राजग के सभी घटक दलों ने एकमत से राजनाथ सिंह द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को संसदीय दल का नेता चुने जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। सबसे महत्वपूर्ण वक्तव्य नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के रहे क्योंकि उसकी निगाहें उनकी ओर ही थीं। आज कांग्रेस और इंडी गठबंधन में भी काफी हलचल हो रही थी। उस ओर से भी यही कहा जा रहा था कि उनकी नजर नीतीश बाबू और नायडू के व्यवहार पर रहेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट कहा कि "नरेन्द्र मोदी 10 साल से प्रधानमंत्री हैं और फिर प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं। हमलोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। अगली बार जब आइएगा तो न इस बार हम देखे हैं कि कुछ इधर-उधर जीत गया है अगली बार वो सब हारेगा"। नीतीश कुमार के इस बयान ने विपक्षी गठबंधन के सपनों पर तुषारपात कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों को भी स्मरण रखना चाहिए कि इंडी गठबंधन को आकार देने में नीतीश कुमार की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है लेकिन जब गठबंधन जमीन पर दिखने लगा तो कांग्रेस ने उस पर कब्जा कर लिया और नीतीश कुमार को बुरी तरह अनदेखा किया गया। इंडी गठबंधन के नाम को लेकर भी नीतीश बाबू ने घोर असहमति दर्ज करायी थी। आमजन ने भी यही माना कि विपक्षी गठबंधन का नामकरण एक प्रकार से राजनीतिक छल-प्रपंच था। बहरहाल, नीतीश कुमार के तेवर बता रहे हैं कि वे इस बार इधर-उधर होने की अपनी छवि को मिटाना चाहते हैं। कांग्रेस और आरजेडी के साथ जाकर उन्हें यह बात ध्यान आ गई है कि उनकी विकास पुरुष की छवि भाजपा के साथ रहने पर ही बनी थी। बिहार के लिए कुछ अच्छा करने का अवसर उन्हें भाजपा के साथ ही मिल सकता है। भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति विश्वास जताते हुए इसी प्रकार के भाव चंद्रबाबू नायडू ने व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा है कि "नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। उनके नेतृत्व में भारत एक वैश्विक शक्ति बनकर उभरा है। नरेंद्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास, विकसित भारत और एनडीए की सामूहिक सोच के साथ हम भारत को गरीबी मुक्त देश बना सकते हैं"। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि भारत ने पिछले दस वर्षों में जिस प्रकार से वैश्विक स्तर पर अपनी साख बनायी है, वह बहुत महत्व रखती है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था ने गति के साथ मजबूती भी पकड़ी है। आज भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की शीर्ष पाँच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यह छोटी बात नहीं है। नायडू को पता है कि आंध्र प्रदेश के विकास को लेकर जो सपना उन्होंने देखा है, प्रधानमंत्री मोदी के साथ रहकर ही उसे पूरा किया जा सकता है। गठबंधन के अन्य घटक दलों ने भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के प्रति विश्वास प्रकट किया है। बहरहाल, केंद्र में एक बार फिर राष्ट्र के विकास को समर्पित सरकार देखने को मिलेगी। उम्मीद है कि अगले पाँच वर्ष तक भारत में स्थायी और मजबूत सरकार रहेगी।

राजग के सभी घटक दलों ने एकमत से राजनाथ सिंह द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को संसदीय दल का नेता चुने जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। सबसे महत्वपूर्ण वक्तव्य नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के रहे क्योंकि उसकी निगाहें उनकी ओर ही थीं। आज कांग्रेस और इंडी गठबंधन में भी काफी हलचल हो रही थी। उस ओर से भी यही कहा जा रहा था कि उनकी नजर नीतीश बाबू और नायडू के व्यवहार पर रहेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट कहा कि "नरेन्द्र मोदी 10 साल से प्रधानमंत्री हैं और फिर प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं। हमलोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। अगली बार जब आइएगा तो न इस बार हम देखे हैं कि कुछ इधर-उधर जीत गया है अगली बार वो सब हारेगा"। नीतीश कुमार के इस बयान ने विपक्षी गठबंधन के सपनों पर तुषारपात कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों को भी स्मरण रखना चाहिए कि इंडी गठबंधन को आकार देने में नीतीश कुमार की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है लेकिन जब गठबंधन जमीन पर दिखने लगा तो कांग्रेस ने उस पर कब्जा कर लिया और नीतीश कुमार को बुरी तरह अनदेखा किया गया। इंडी गठबंधन के नाम को लेकर भी नीतीश बाबू ने घोर असहमति दर्ज करायी थी। आमजन ने भी यही माना कि विपक्षी गठबंधन का नामकरण एक प्रकार से राजनीतिक छल-प्रपंच था। बहरहाल, नीतीश कुमार के तेवर बता रहे हैं कि वे इस बार इधर-उधर होने की अपनी छवि को मिटाना चाहते हैं।

जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है

बंगाल में राज्य प्रायोजित हिंसा एक बदनुमा दाग

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, लोगों में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यही वजह है कि कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सुरक्षा देने की मांग की गई है। याचिका में मांग की गई है कि पुलिस को निर्देश दिए जाएं कि वे विपक्षी कार्यकर्ताओं को हिंसा से बचाने के लिए सुरक्षा दें। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव बाद की हिंसा पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई एवं ममता बनर्जी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। चुनाव के बाद एवं लोकसभा चुनाव के प्रचार दौरान तृणमूल कांग्रेस ने व्यापक हिंसा, आतंक एवं अराजकता का माहौल बनाया। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर जिस तरह के हिंसक हमले कर रहे हैं, वह लोकतंत्र पर एक बदनुमा दाग है। ममता बनर्जी ने चुनाव के महापर्व को हिंसक बना दिया था, उसने एवं उसके कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं से, हिन्दुओं से, हिन्दू मन्दिरों-भगवानों-संतों एवं हिन्दू पर्वों से नफरत का बिगुल हर मोड़ पर बजाया है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा का सिलसिला चुनाव के पहले ही कायम हो गया था। राज्य में हिंसा की अनेक घटनाएं चुनाव के दौरान भी देखने को मिलीं और अब चुनाव समाप्त हो जाने के बाद भी देखने को मिल रही हैं, जिनमें ग्यारह लोगों की मौत होना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसका सीधा अर्थ है कि यह हिंसा तृणमूल कांग्रेस नेताओं के इशारे पर हो रही है। हैरानी नहीं कि अराजक तत्वों को बंगाल पुलिस का मौन समर्थन हासिल हो। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने 'आतंक का राज' फैला दिया है। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता विरोधी दलों और विशेष रूप से भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं। ऐसा तब हो रहा है, जब चुनाव आयोग के निर्देश पर बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती 19 जून तक बढ़ा दी गई है। ऐसा चुनाव बाद हिंसा की प्रबल आशंका को देखते हुए किया गया था। यह आश्चर्यजनक है कि बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की चार सौ कंपनियां तैनात हैं और फिर भी वहां व्यापक हिंसा हो रही है। इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस हिंसा को कितने नियोजित ढंग से अंजाम दे रही है। इस हिंसा एवं अराजकता के बढ़ने के प्रबल आसार इसलिए हैं, क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव के दौरान भी बड़े पैमाने पर जो हिंसा हुई थी, लोकसभा चुनाव में भी हिंसा हुई, पूर्व के अन्य चुनावों में भी हिंसा का बोलबाला रहा है। ऐसी स्थितियों में बंगाल में लोकतंत्र की भावना एवं मर्यादा का खुला हनन हो रहा है। इतनी व्यापक हिंसा बंगाल पुलिस के मूकदर्शक बने रहने एवं उसके सहयोग के बिना अंसभव है। इसी के चलते तमाम भाजपा कार्यकर्ता और उसके समर्थकों की हत्या की गई थी। पूर्व की हिंसा एवं आतंक के समय ऐसा माहौल बनाया गया था कि कई लोगों को अपना घर-बार छोड़कर पलायन करते हुए पड़ोसी राज्य असम में शरण लेनी पड़ी थी। इन जटिल होती स्थितियों को देखते हुए न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जो एक लोकतांत्रिक सरकार के लिये लज्जाजनक है। पश्चिमी बंगाल की ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनजम की प्रक्रिया बन गयी है। 2021 में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा का संज्ञान लेते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सीबीआइ को हिंसक घटनाओं की जांच करने को कहा था। इस जांच के दौरान तृणमूल कांग्रेस के अनेक नेताओं को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि यह कार्रवाई भी तृणमूल कांग्रेस के अराजक तत्वों के दुस्साहस का दमन नहीं कर सकी। इसका प्रमाण 2023 में पंचायत चुनाव के दौरान हुई भीषण हिंसा से मिला था, जिसमें 40 से अधिक लोगों की जान गई थी। इस लोकसभा चुनाव में भी हिंसा के चलते कई लोगों की जान जा चुकी है। यह ठीक है कि चुनाव बाद हिंसा पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नाराजगी व्यक्त करते हुए यहां तक कहा कि यदि राज्य सरकार हिंसा पर लगाम नहीं लगा सकती तो केंद्रीय सुरक्षा बलों को बंगाल में पांच साल तक तैनात करने का आदेश देना पड़ सकता है। उच्च न्यायालय की इस कठोर टिप्पणी के बाद भी ममता सरकार की सेहत पर शायद ही कोई असर पड़े, क्योंकि वह सारा दोष विरोधी दलों पर मढ़ देती है। वास्तव में जब तक बंगाल में हिंसा के लिए ममता सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक राज्य के हालात सुधरने वाले नहीं हैं। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। चुनावों में जितनी हिंसा बंगाल में हुई, उतनी अन्यत्र कहीं देखने को नहीं मिली। बंगाल का लोकतंत्र तानाशाही मानसिकता से गुजर रहा है। इन स्थितियों से तो यही लगता है कि राजनीतिक वोट बैंक के लिए ममता संविधान एवं सुरक्षा-व्यवस्था की जितनी अवमानना कर सकती है, उसने की है और आगे भी वह करती रहेगी। चुनावों में ऐसी हिंसक एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियां लोकतंत्र पर एक धुंधलका है, जिस पर नियंत्रण जरूरी है। लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों के परिणामों ने पूरे देश को चौंकाया है उनमें पश्चिम बंगाल भी शुमार है। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम इसलिये भी आश्चर्य में डाल रहे हैं कि वहां तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ व्यापक नाराजगी थी, ममता सरकार के कई मंत्रियों और विधायकों पर घोटाले के आरोप लगे थे, संदेशखाली की महिलाओं पर हुआ अत्याचार देश भर में बड़ा मुद्दा बन गया था, ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के इर्दगिर्द ईडी का शिकंजा कसा हुआ था, ममता बनर्जी को सनातन विरोधी बताया जा रहा था, तृणमूल कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने चुनावों से ऐन पहले पाला बदल लिया था, तृणमूल कांग्रेस पर हिंसक एवं अराजक होने का तगमा लगा था, बावजूद ममता जीती। देखा जाये तो ममता बनर्जी की छवि जुझारू एवं कद्दावर नेता की रही है और वह अपनी पार्टी को जिताने के लिए जी-जान लगा देती हैं। चुनाव प्रचार के दौरान खुद पर होने वाले राजनीतिक हमलों को वह अपने पक्ष में मोड़ लेने में माहिर हैं। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन के तमाम नेताओं ने विभिन्न राज्यों में सीटों का बंटवारा कर आपस में समन्वय बनाकर चुनाव लड़ा लेकिन ममता बनर्जी ने बंगाल में अकेले ही सारी चुनौती झेली। वह अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है? ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता।

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव बाद की हिंसा पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई एवं ममता बनर्जी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। चुनाव के बाद एवं लोकसभा चुनाव के प्रचार दौरान तृणमूल कांग्रेस ने व्यापक हिंसा, आतंक एवं अराजकता का माहौल बनाया। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर जिस तरह के हिंसक हमले कर रहे हैं, वह लोकतंत्र पर एक बदनुमा दाग है।

दृष्टि कोण

तमिलनाडु के परिणामों ने भाजपा को निराश किया है या भविष्य के लिए नई उम्मीद जगाई है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों में इस बार दक्षिणी राज्यों खासकर तमिलनाडु और केरल में काफी चुनाव प्रचार किया था। यही नहीं, चुनावों से पहले भी वह जिस तरह लगातार इन राज्यों का दौरा कर रहे थे उसके चलते भाजपा आलाकमान को विश्वास था कि इस बार दक्षिण में भी खूब कमल खिलेंगे। लेकिन ऐसा हो नहीं सका। हालांकि केरल में त्रिशूर सीट जीत कर भाजपा ने पहली बार अपना खाता खोल लिया लेकिन तमिलनाडु में वह इस बार भी खाली हाथ ही रही। तमिलनाडु में भाजपा का जो हश्र हुआ है उसके चलते अब पार्टी में अंदरूनी घमासान भी देखने को मिल रहा है। वैसे चुनावों के समय ही यह दिख रहा था कि वहां द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन ही सबसे आगे है लेकिन भाजपा के इतने बुरे हाल की कल्पना किसी ने नहीं की थी। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने जब राज्यव्यापी यात्रा निकाली थी तो उनको भारी जन समर्थन मिला था। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैलियों में भी खूब भीड़ उमड़ रही थी। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में कई रोड़ शो भी किये जिसमें उमड़ा जनसैलाब भाजपा की उम्मीदों को लगातार बढ़ा रहा था। भाजपा ने इस बार चुनावों में अपने कई दिग्गजों को उतार दिया था और उन्होंने जिस मेहनत के साथ चुनाव प्रचार किया उससे लग रहा था कि भाजपा चार या पांच सीटों पर जीत सकती है। लेकिन परिणाम भाजपा के लिए बेहद निराशाजनक रहे। हम आपको बता दें कि एक लोकसभा सीट नागापट्टिनम में तो भाजपा चौथे स्थान पर जा पहुँची।

साथ ही भाजपा जिन 23 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी उसमें से उसने 11 पर अपनी जमानत गंवा दी। यही नहीं, भाजपा के सहयोगी दलों-आईजेके, पीएमके, तमिल मनीला कांग्रेस (टीएमसी) और एएमएमके ने भी दस सीटों पर जपनी जमानत गंवा दी। यह परिणाम दर्शाता है कि भाजपा और उसके गठबंधन दलों का सारा चुनाव प्रचार हवा-हवाई ही था, जमीन पर कुछ था ही नहीं। चुनाव परिणामों के बाद सवाल उठ रहा है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन तोड़ना और अकेले चुनाव लड़ने का फैसला कहीं गलत तो नहीं था? इस सवाल को लेकर प्रदेश भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि अन्नामलाई ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को गुमराह किया। इन नेताओं का कहना है कि अगर अन्नाद्रमुक के साथ चुनाव लड़े होते तो स्थिति कुछ और होती। इन नेताओं का कहना है कि यदि अन्नाद्रमुक साथ होती तो तमिलनाडु में भाजपा का उभार होता तथा भाजपा के पास इस दक्षिणी राज्य से भी लोकसभा सीटें होतीं जिनकी आज बेहद जरूरत है। इन नेताओं का कहना है कि अन्नाद्रमुक से संबंध तोड़ने का फैसला हमारे लिये घातक सिद्ध हुआ है। भाजपा प्रदेश बौद्धिक प्रकोष्ठ के प्रमुख कल्याण रमन ने तो एक्स पर पोस्ट करके अन्नामलाई पर सीधा-सीधा आरोप भी लगा दिया है कि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व को सही बात नहीं बताई। उनका यह भी कहना है कि भाजपा ने चुनाव का संचालन भी ठीक से नहीं किया और पार्टी का वार रूम सिर्फ अन्नामलाई के इर्दगिर्द माहौल बनाने में लगा हुआ था। दूसरी ओर, अन्नामलाई की बात करें तो वह लोकसभा चुनाव परिणाम के बारे में यह तो मान रहे हैं कि भाजपा को उम्मीद के मुताबिक मत नहीं मिले लेकिन वह यह भी कह रहे हैं कि अन्नाद्रमुक को राज्य की जनता ने खारिज कर दिया है। उन्होंने 2026 में तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के दौरान भी अन्नाद्रमुक से किसी प्रकार के गठबंधन की संभावना को खारिज कर दिया है। वह कह रहे हैं कि हमसे जहां गलतियां हुईं उसकी समीक्षा की जायेगी और यह देखा जायेगा कि पार्टी को कैसे नये सिरे से खड़ा किया जा सकता है। वह अब भी इस बात के पक्षधर हैं कि भाजपा को राज्य में अपने बलबूते ही पैरों पर खड़ा होना चाहिए। हम आपको याद दिला दें कि तमाम एग्जिट पोलों ने भविष्यवाणी की थी कि भाजपा राज्य में कम से कम 2-3 सीटें जीतकर तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में प्रवेश करेगी। लेकिन चुनाव परिणामों ने दर्शाया है कि द्रविड़ राजनीति वाले राज्य में लोकसभा सीट जीतने का भाजपा का इंतजार और लंबा हो गया है। भाजपा ने पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई के जरिये तमिलनाडु में अपना आधार बढ़ाने की जो रणनीति बनाई थी वह कामयाब नहीं हो पाई है। अन्नामलाई तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव हार गये थे और अब वह कोयम्बटूर से लोकसभा चुनाव भी हार गये हैं। हम आपको बता दें कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य भर में 23 उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी ने 19 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे थे और शेष चार पर अपने सहयोगियों को कमल के निशान के तहत चुनाव लड़ाया था। लेकिन पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई। हालाँकि, पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में मिले वोट शेयर 3.38 प्रतिशत को इस बार बढ़ाकर 11.24 प्रतिशत कर लिया है जोकि कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन है। कांग्रेस का इस चुनाव में वोट प्रतिशत 10.67 रहा है। माना जा रहा है वोट शेयर में यह उल्लेखनीय वृद्धि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में भाजपा की मदद कर सकती है। इसके अलावा इस चुनाव की खास बात यह है कि 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा ने अन्नाद्रमुक को तीसरे स्थान पर धकेल दिया है और खुद उपविजेता बनकर उभरी है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि 2021 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन था। उस दौरान भाजपा को चार विधानसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

कुछ अलग

सितारे हमारे-आपके बीच के लोग

आज से पांच साल पहले किसी ने सोचा भी नहीं था कि एक ऐसा वक्त भी आएगा, जब आप कुछ न करते हुए भी बहुत कुछ करेंगे और पैसे भी कमाएंगे। बात चाहे यात्राओं की हो या खान-पान की या फिर फैशन की, देश-विदेश की बड़ी कंपनियां ऐसे लोगों को, जो इंटरनेट पर ज्यादा फॉलोवर रखते हैं, अपने उत्पाद के विज्ञापन के लिए पैसे दे रही हैं और उनके खर्चे भी उठा रही हैं। इंटरनेट की दुनिया की खास बात है गतिशीलता। नया बहुत जल्दी पुराना हो जाता है और नई संभावनाओं के द्वार खुल जाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स में नए-नए फीचर जुड़ रहे हैं। इस कवायद का मतलब ऑडियंस को ज्यादा वक्त तक अपने प्लेटफॉर्म से जोड़े रखना है। बड़ा कारण इंटरनेट द्वारा पैदा हो रही आय भी है। इसके अलावा, सोशल मीडिया रातों-रात लोगों को सेलिब्रिटी बना दे रहा है, जिसमें बड़ी भूमिका फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसी साइट्स की है। मूल्यांकन सलाहकार फर्म क्रोल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में एक तिहाई भारतीय ब्रांड्स ने अपनी इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग पर खर्च दोगुना कर दिया है। कोरोना महामारी ने बड़ी मात्रा में डिजिटलीकरण को प्रेरित किया। भारत में सोशल मीडिया की कंटेंट क्रिएटर इंडस्ट्री पच्चीस प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है, जिसके साल 2025 में 29.03 करोड़ डॉलर होने की संभावना है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स अब ब्रांड को एक बड़े दर्शक वर्ग पर कम खर्च में पहुंचाने का सुलभ तरीका बन रहा है। आज भारत में लगभग आठ करोड़ कंटेंट क्रिएटर हैं। डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी आई क्यूब्स वायर के शोध से पता चलता है कि करीब 35 फीसदी ग्राहकों के खरीदारी निर्णय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पोस्ट, रील्स व वीडियो देखकर लिए जा रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स अपनी बड़ी फैन फॉलोइंग का फायदा 'सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर' के तौर पर उठा रहे हैं और यह विज्ञापन के नए माध्यम के रूप में तेजी से उभर रहा है। सोशल मीडिया आम इंटरनेट यूजर्स को सितारा बना रहा है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, व्यक्ति और ब्रांड प्रमोशन का बड़ा औजार बनकर सामने आए हैं। सोशल मीडिया विज्ञापन का एक अपरंपरागत माध्यम है, जो बाकी सारे मीडिया से अलग है। यह एक वर्चुअल वर्ल्ड बनाता है, जिसे उपयोग करने वाला व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी प्लेटफॉर्म आदि का उपयोग कर किसी भी इंटरनेट से जुड़े व्यक्ति तक पहुंच बना सकता है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर वह आम व्यक्ति होता है, जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कई फॉलोवर होते हैं। वह अपनी लोकप्रियता का इस्तेमाल विभिन्न तरह के उत्पाद के विज्ञापन में करता है। इसमें दूसरे विज्ञापन माध्यमों के मुकाबले निवेश पर रिटर्न अधिक है। देश के लाखों युवा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को एक बेहतर कॅरिअर विकल्प के रूप में देख रहे हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जहां विज्ञापनों की दुनिया में एक नया आयाम गढ़ रहे हैं, वहीं विज्ञापनों में सेलिब्रिटी स्टेटस को खत्म भी कर रहे हैं, जहां हमारे-आपके बीच के लोग ही स्टार बन रहे हैं। भारत में चूंकि अभी इंटरनेट बाजार में पर्याप्त संभावनाएं हैं, इसलिए अभी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर का यह दौर चलेगा, पर कुछ चिंताएं भी हैं। भारत के इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग उद्योग को विनियमन की आवश्यकता है, ताकि तथ्यों के गलत प्रस्तुतीकरण से बचा जा सके। जनवरी 2023 में, भारत के उपभोक्ता मामले मंत्रालय ने इसके लिए गाइडलाइंस जारी करते हुए घोषणा की कि ऐसी गाइडलाइंस ग्राहक हितों की रक्षा के लिए जरूरी हैं। सोशल मीडिया पर विज्ञापन करने वाले सलेब्रिटीज भी इसके दायरे में होंगे।

देश दुनिया से

तो क्या ये नए गोल्ड स्टैंडर्ड की आहट है? अतीत से सुनें वर्तमान की धड़कन

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) लंदन की तिजोरियों से सोना निकालकर भारत ला रहा है। इन तिजोरियों के इस्तेमाल की अपनी लागत जो है। आरबीआई के पास करीब 822 टन सोने का भंडार है। आरबीआई ने 2019 से 2024 के बीच 209 टन सोना खरीदा है। इतना सोना है, तो इसे संभालने का भी झंझट है। भारत ही क्यों? दुनिया भर के केंद्रीय बैंक दबाकर सोना खरीद रहे हैं। चीन ने लगातार 17 महीने सोने की खरीद की। विश्व के केंद्रीय बैंकों के पास अब करीब 2,262 टन सोना जमा है। सोने की कीमतें अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं, मगर केंद्रीय बैंक पगलाए हुए सोना जुटाने में लगे हैं। वह भी अब तक की सबसे ऊंची कीमत पर। दुनिया में अब तक जितना सोना निकाला गया है, उसका 20 फीसदी हिस्सा विश्व के केंद्रीय बैंकों की तिजोरियों में है। इस दीवानगी की वजह क्या है? गोल्ड स्टैंडर्ड तो कब का दफन हो गया, जिसमें किसी देश की करेंसी का मूल्यांकन सोने में किया जाता था। केंद्रीय बैंक तो संप्रभु करेंसी के मालिक हैं, जो सोने में नापे जाने की शर्त से मुक्त हैं। बाजार बता रहा है कि बैंकों को दुनिया भर की करेंसी, खासतौर पर डॉलर में गिरावट के डर से उनके विदेशी मुद्रा भंडार सोने की आमद से चमक रहे हैं। घाना 2023 से तेल का भुगतान गोल्ड में कर रहा है। रूस ने युद्ध के दौरान रुबल देकर सोना जुटाने का एलान किया था, तो क्या नए गोल्ड स्टैंडर्ड की आहट है? आइए, टाइम मशीन का मोटर गुर्रा रहा है, अपनी सीट पकड़िए और उड़ चलते हैं गोल्ड स्टैंडर्ड की रोमांचक दुनिया में। अब हम अमेरिका के न्यू हैंपशायर के ऊपर से उड़ रहे हैं। पर्वतों से घिरा यह रिजॉर्ट टाउन, जो स्कीइंग के दीवानों का गढ़ है। हम बढ़ रहे हैं 18वीं सदी के आखिरी दशकों की तरफ। यहां कोयला और रेलवे का विकास हो रहा है। कोयला व रेलवे के कारोबार से अमीर बने जोसेफ स्टेकिनी माउंट वॉशिंगटन नाम का होटल बना रहे हैं। यह होटल 21वीं सदी में मौजूद रहेगा, मगर इससे पहले यह अनोखा इतिहास बनाएगा। टाइम मशीन ने गियर बदला है। अब हम 1944 में हैं। दूसरे विश्वयुद्ध का खून-खच्चर चरम पर है। हम उसी माउंट वॉशिंगटन होटल पर पहुंचे हैं, जो बड़ी जंग के बीच एक बड़े समझौते की तैयारी कर रहा है। यहां 44 देश जुटे हैं, जिनमें ब्रिटिश इंडिया भी है, तालियों की गूंज में नई आर्थिक व्यवस्था बन गई है। विश्व के प्रमुख देशों ने विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ जैसी संस्थाओं की बुनियाद रख दी है। यहीं से निकल रही है एक नई मौद्रिक व्यवस्था, यानी गोल्ड स्टैंडर्ड। कागजी मुद्रा का सोने में मूल्यांकन। एक औंस सोने के बदले 35 अमेरिकी डॉलर, दुनिया ने मिलकर अमेरिका को गोल्ड स्टैंडर्ड का संचालक बना दिया है। अमेरिका को इस पैमाने को कायम रखना है। मतलब, अगर सोने की विनिमय दर 35 डॉलर से नीचे जाती, तो अमेरिका को डॉलर छापकर इसे संतुलित करना होता था। गोल्ड स्टैंडर्ड के साथ ही उस वक्त की तीन बड़ी मुद्राओं-ब्रिटिश पाउंड, जर्मन मार्क, फ्रेंच फ्रैंक के विनिमय का आधार अमेरिकी डॉलर हो गया है। मौद्रिक स्टैंडर्ड का यह अनोखा प्रयोग है, जिसे युद्ध

से उबरती दुनिया ने अपना लिया है। अब बढ़ते हैं 1960 के फ्रांस की तरफ, जहां दिखेगी एक अनोखी कूटनीतिक जंग। बताते चलें कि 1960 के बाद वक्त ने करवट ली। जापान और यूरोप का निर्यात तेजी से बढ़ा। विश्व व्यापार में अमेरिका का हिस्सा घटने लगा। अमेरिकी डॉलर की मांग कम हो गई, तो दुनिया के देश अमेरिका से डॉलर के बदले सोना मांगने लगे। इसी दौरान अमेरिका में रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए और ज्यादा करेंसी छापी गई। आपके सामने अखबारों की सुर्खियां तैर रही हैं, जो बता रही हैं कि बाजार में अमेरिका के डॉलर ज्यादा हो गए व अमेरिका के पास सोना कम रह गया। इसके साथ ही दुनिया के मुद्रा बाजार में अमेरिका की ताकत कम होने लगी। अब हम पेरिस में हैं। माइक पर गरज रहे फ्रांस के राष्ट्रपति चार्ल्स डे गॉल ने फ्रांस के नए राजनीतिक दौर की शुरुआत की है। पेरिस की राजनीतिक हवा में आपको यह पता चल जाएगा कि यूरोप के सबसे तेज-तर्रार नेताओं में से एक चार्ल्स डे गॉल अमेरिका विरोधी हैं। फ्रेडी रूजवेल्ट से लेकर रिचर्ड निक्सन तक छह अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ उनके रिश्ते ज्यादातर खट्टे रहे हैं। अब चार्ल्स डे गॉल ने अमेरिकी अगुआई वाले गोल्ड स्टैंडर्ड को निशाना बनाया है। गॉल ने फ्रांस में अमेरिका से डॉलर के बदले सोना लेना शुरू कर दिया है। इस कदम का रहस्य खुलने तक फ्रांस करीब 15.करोड़ डॉलर के बदले सोना दे चुका है। अब खबरों पर नजर जमाइए। डे गॉल ने एलान कर दिया है कि फ्रांस के पास जितने भी अमेरिकी डॉलर हैं, उनके बदले वह अमेरिका से सोना वसूल करेगा। किसी मित्र देश की तरफ से यह अमेरिका पर सबसे बड़ा कूटनीतिक हमला है। फ्रांस के बाद स्पेन ने भी अमेरिका से सोना वसूल लिया। अब बाजार में सोने की कीमत खौलने लगी है। यह अक्तूबर,1960 है, जब सोने की कीमत रिकॉर्ड 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। अब हम लंदन चलते हैं, ब्रिटेन, पश्चिम जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड व अमेरिका ने मिलकर लंदन गोल्ड पूल बनाया है। इन देशों के पास उपलब्ध सोने के भंडारों के इस्तेमाल से गोल्ड स्टैंडर्ड को बचाने की कोशिश की गई है। इस भंडार के जरिये 35 डॉलर प्रति औंस की कीमत को बचाया जा रहा है। इस गठजोड़ में दरारों पर नजर रखते हुए हमारी टाइम मशीन 1968 में आ गई है। फ्रांस ने इससे नाता तोड़ लिया है और लंदन गोल्ड पूल ढह गया। दुनिया में गोल्ड स्टैंडर्ड की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सोने की खबरों के बीच आपको पता चलेगा कि 1962 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने दुनिया के नौ केंद्रीय बैंकों के साथ एक स्वैप सुविधा शुरू की थी। इनमें ब्रिटेन, तब का पश्चिम जर्मनी, इटली, फ्रांस और कनाडा प्रमुख थे। कोशिश थी कि डॉलर के बदले सोने की मांग सीमित व संतुलित की जा सके, लेकिन अमेरिका के मौद्रिक सिस्टम की दरारें खुल चुकी थीं। सोना कम था व डॉलर की भरमार थी। अंततः गोल्ड स्टैंडर्ड का अंत आ पहुंचा। टाइम मशीन लंदन से वॉशिंगटन आ गई है। यह 1971 का ऐतिहासिक वर्ष है। अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने डॉलर की सोने से परिवर्तनीयता खत्म कर दी।

आरबीआई के पास करीब 822 टन सोने का भंडार है। आरबीआई ने 2019 से 2024 के बीच 209 टन सोना खरीदा है। इतना सोना है, तो इसे संभालने का भी झंझट है। भारत ही क्यों? दुनिया भर के केंद्रीय बैंक दबाकर सोना खरीद रहे हैं। चीन ने लगातार 17 महीने सोने की खरीद की। विश्व के केंद्रीय बैंकों के पास अब करीब 2,262 टन सोना जमा है। सोने की कीमतें अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं, मगर केंद्रीय बैंक पगलाए हुए सोना जुटाने में लगे हैं। वह भी अब तक की सबसे ऊंची कीमत पर। दुनिया में अब तक जितना सोना निकाला गया है, उसका 20 फीसदी हिस्सा विश्व के केंद्रीय बैंकों की तिजोरियों में है। इस दीवानगी की वजह क्या है? गोल्ड स्टैंडर्ड तो कब का दफन हो गया, जिसमें किसी देश की करेंसी का मूल्यांकन सोने में किया जाता था।

आप का नजरिया

रुरु की मृत पत्नी कैसे हुई पुनर्जीवित

महर्षि भृगु के पौत्र प्रमति ने घृताची नाम की अप्सरा से एक पुत्र उत्पन्न किया। उसका नाम रुरु था। इसी तरह गंधर्वराज विश्वावसु और अप्सरा मेनका की भी एक पुत्री हुई। परंतु मेनका, कन्या के जन्म के बाद उसे स्थूलकेश मुनि के आश्रम के पास छोड़कर चली गई। स्थूलकेश कन्या को अपने आश्रम में ले आए और उसका पालन-पोषण करने लगे। बालिका बुद्धि, रूप और उत्तम गुणों से सुशोभित थी। वह संसार की समस्त प्रमदाओं (सुंदर स्त्रियों) में श्रेष्ठ दिखती थी, इसलिए स्थूलकेश ने उसका नाम 'प्रमद्वरा' रख दिया। एक दिन संयोग से, प्रमतिनंदन रुरु ने प्रमद्वरा को महर्षि स्थूलकेश के आश्रम में देखा। उसे देखते ही रुरु मंत्रमुग्ध हो गया, तो प्रमति ने स्थूलकेश से रुरु के लिए प्रमद्वरा का हाथ मांगा। स्थूलकेश विवाह के लिए तैयार हो गए। आगामी उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में विवाह होना निश्चित हो गया। विवाह से कुछ ही समय पहले प्रमद्वरा अपनी सखियों के साथ वन में घूम रही थी कि तभी मार्ग में एक सांप बैठा था। प्रमद्वरा ने ध्यान नहीं दिया और उसका पैर सर्प के ऊपर पड़ गया। सर्प ने प्रमद्वरा को डस लिया और वह उसी क्षण मूर्छित होकर गिर पड़ी। उसके शरीर का रंग उड़ गया और कुछ ही देर में प्रमद्वरा की मृत्यु हो गई। उसके बंधु-बांधव उसे मृत देखकर विलाप करने लगे। आश्रम में हाहाकार मच गया। उसे जीवित देखकर सब जितने प्रसन्न होते थे, उसकी मृत देह उतना ही कष्ट दे रही थी। प्रमद्वरा का मुख शांत और विकार रहित था। ऐसा लगता था, मानो वह उठकर अभी बोलने लगेगी। सर्प-विष के प्रभाव से चेतना-शून्य हो चुकी प्रमद्वरा को स्थूलकेश के अतिरिक्त अन्य तपस्वियों ने देखा, जिनमें महाजानु, कुशिक, शंखमेखल, उद्दालक, कठ, श्वैत, भारद्वाज, कौणकुत्स्य, आर्टिषेण, गौतम आदि भी सम्मिलित थे। वे सब प्रमद्वरा को प्राणशून्य देखकर रोने लगे। रुरु भी प्रमद्वरा के शव पर विलाप कर रहा था। फिर वह सहसा उठा और एक समीपवर्ती वन में जाकर जोर-जोर से रोने लगा। रुरु, करुण स्वर में बोला, हाय! मेरी प्रमद्वरा, मुझे व बांधवों को शोकाकुल करके भूमि पर निष्प्राण पड़ी है। इससे बड़ा दुख और क्या होगा? 'यदि मैंने दान दिया हो, तपस्या की हो अथवा गुरुजनों की भलीभांति आराधना की हो, तो उसके पुण्य से मेरी प्रमद्वरा जीवित हो जाए! यदि मैंने जन्म से लेकर अब तक मन और इंद्रियों पर संयम रखा हो और ब्रह्मचर्य का दृढ़तापूर्वक पालन किया हो, तो मेरी प्रमद्वरा अभी जी उठे! यदि पापी असुरों का नाश करने वाले, इंद्रियों के स्वामी भगवान श्रीकृष्ण में मेरी अविचल भक्ति हो, तो यह कल्याणी प्रमद्वरा तुरंत जी उठे!' इस तरह जब रुरु विलाप कर रहा था, तो एक देवदूत उसके पास आया और बोला, धर्मात्मा रुरु! तुम दुख से व्याकुल हो, परंतु जिस मनुष्य की आयु समाप्त हो जाती है, उसे फिर जीवन नहीं मिल सकता। अतः तुम शोक मत करो। परंतु इस विषय में देवताओं ने एक उपाय निश्चित किया है। यदि उसे करना चाहो, तो तुम प्रमद्वरा को फिर से पा सकते हो। रुरु बोला, हे देवदूत! देवताओं ने कौन-सा उपाय निश्चित किया है? मुझे भी बताइए। मैं वही करूंगा, जिससे मेरी प्रमद्वरा मुझे वापस मिल जाए।

अश्विनी वैष्णव ने संभाली रेल मंत्रालय की कमान, आईआरसीटीसी के शेयर में आई तेजी

नई दिल्ली,11 जून (एजेंसियां)।

मोदी सरकार ने एक बार फिर से देश के रेल मंत्रालय की कमान अश्विनी वैष्णव को सौंपी है। इसका मतलब है कि देश के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बन गए हैं। पिछली सरकार में भी अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री थे। अश्विनी वैष्णव के दोबारा रेल मंत्री बन जाने से एक बात साफ हो गई है कि केंद्र सरकार रेलवे सेक्टर में पुराने नीतियों को जारी रखेगी।

दोबारा रेल मंत्री बन जाने के बाद आज रेलवे सेक्टर में तेजी देखने को मिली है। आज रेलवे के सभी शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। रेल विकास निगम, आईआरएफसी सहित बाकी कंपनी के शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं।

इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड शेयर

इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयर आज 2 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 177 रुपये प्रति शेयर के आस-पास कारोबार कर रहा है। पिछले एक साल में आईआरएफसी के शेयर ने 435.85 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसे ऐसे समझिए कि 12 जून 2023 को आईआरएफसी के प्रति शेयर की कीमत 33.05 रुपये थी जो आज 177 रुपये हो गई।

रेल विकास निगम लिमिटेड शेयर

रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। सुबह के कारोबार में कंपनी के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए। अब आरवीएनएल के शेयर की कीमत 388 रुपये रुपये हो गई है। पिछले 1 महीने में कंपनी के शेयर ने 51.91 फीसदी का रिटर्न दिया है।

रेलवे सेक्टर की स्टॉक भी आज तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। आज कंपनी के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए हैं। इरकॉन इंटरनेशनल के एक स्टॉक की कीमत 266 रुपये हो गई है। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयर ने 63.10 फीसदी का रिटर्न दिया है।

तीतरगढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड शेर

तीतरगढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर आज सुबह 1347.95 रुपये पर खुले थे। इसके बाद कंपनी के शेयर में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई और शेयर का भाव 1,352 रुपये पहुंच गया।

न्यूज ब्रीफ

बजाज ऑटो का सबसे सस्ता ई-स्कूटर चेतक 2901 लांच, बड़ी दोपहिया वाहन कंपनियों की नजरें भी बाजार पर टिकी

नई दिल्ली । पिछले कुछ महीनों में कई बड़ी वाहन कंपनियों ने कम कीमत वाले ई-स्कूटर बाजार में दस्तक दी है। इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में बजाज ऑटो जैसी बड़ी कंपनियां आने से होड़ बढ़ने के आसार हैं। बजाज ऑटो ने आज किफायती कीमत पर अपना सबसे सस्ता ई-स्कूटर चेतक 2901 बाजार में उतार दिया। बड़ी दोपहिया वाहन कंपनियों की नजर अब 1 लाख रुपये से कम कीमत वाले ई- स्कूटर बाजार पर टिक गई है और इसमें उनकी बाजार हिस्सेदारी भी काफी बेहतर हो चुकी है। किफायती ई-स्कूटर का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा बढ़ी कंपनियों के पास है। साल भर पहले उनके पास 50-60 प्रतिशत बाजार ही था। चेतक 2901 की कीमत 95,998 रुपये से शुरू होती है। इसमें 2.8 केडब्ल्यूएच की बैटरी है, जिससे स्कूटर अधिकतम 63केएमपीएच की रफ्तार के साथ 123 किमी तक दौड़ सकता है। कंपनी के ही अन्य मॉडलों चेतक अर्बन (2.9 किलोवॉट) की कीमत 1.23 लाख रुपये से और चेतक प्रीमियम (3.2 किलोवॉट) की कीमत 1.47 लाख रुपये से शुरू होती है। ओला और टीवीएस जैसी कंपनियों के पास बजाज जैसी कंपनी के उत्पादों को टक्कर देने वाली कीमत के स्कूटर हैं। ओला ने हाल ही में एस 1 एक्स (4) केडब्ल्यूएच की कीमत घटाकर 70,000 रुपये कर दी थी। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माताओं के संगठन एसएमईवी के आंकड़ों के अनुसार इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में बजाज ऑटो की हिस्सेदारी 13प्रतिशत है, जबकि ऐथर की बाजार हिस्सेदारी 8प्रतिशत, टीवीएस की बाजार हिस्सेदारी 15 प्रतिशत और इस बाजार की अग्रणी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक की बाजार हिस्सेदारी करीब 45 फीसदी है। बजाज ऑटो के अध्यक्ष एरिक वास ने कहा कि डीलरों के पास चेतक 2901 पहुंचने लगा है। उन्होंने कहा, चेतक 2901 को इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि वह पेट्रोल से चलने वाले स्कूटर छोड़तर ई-स्कूटर खरीदें। इसकी कीमत भी कम रखी गई है। धातु की बॉडी के साथ यह ऊंचे कद का स्कूटर है, जिससे ग्राहकों की जेब पर ज्यादा बोझ नहीं पड़ेगा। इसकी कीमत भी उसी हिसाब से रखी गई है।

टाटा मोटर्स ने लांच की अल्ट्रोज़ रेसर

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अल्ट्रोज़ रेसर को भारत में 9.49 लाख रुपए की कीमत पर उतार दिया है। यह हैचबैक का अब तक का सबसे स्पोर्टी एडिशन है। इसकी कीमत 10.99 लाख रुपये तक जाती है। स्पोर्टियर हैचबैक में कुछ एक्सटीरियर अपडेट्स भी दिए हैं। इसमें फ्रंट फेंडर पर रेसर बैजिंग और थोड़ा संशोधित ग्रिल भी है, लेकिन 16 इंच के अलॉय व्हील अपरिवर्तित हैं। इसमें कुल तीन कलर ऑप्शन- एटॉमिक ऑरेंज, एवेन्यू व्हाइट और प्योर ग्रे मिलते हैं। इंटीरियर की बात करें तो इसमें बड़ी 10.25-इंच की टचस्क्रीन, नए, स्मूथ नए ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ-साथ एक नए 7.0-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया है। सेगमेंट की पहली हवादार फ्रंट सीटें, 360-डिग्री कैमरा और वॉयस-असिस्टेड सनरूफ मिलेगी। स्टैंडर्ड तौर पर 6 एयरबैग और ईएससी भी दिए हैं।

सोना 71,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर स्थिर, चांदी 200 रुपए बढ़कर 92100 पहुंची

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा। हालांकि, चांदी की कीमत 200 रुपये बढ़कर 92,100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले सत्र में यह 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा कि सोने में सपाट कारोबार हुआ, जबकि सोने में 3.45 फीसदी की गिरावट आई थी जो अगस्त, 2021 के बाद सबसे अधिक है। कहा कि दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की कीमतें पिछले बंद से अपरिवर्तित रहकर 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहीं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में पिछले बंद भाव से एक डॉलर की गिरावट दर्ज की गई।

ब्रिक्स देशों के व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल पर जोर, नया कोटा फॉर्मूला अपनाने का भी आह्वान

मॉस्को, 11 जून (एजेंसियां)।

ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय लेन-देन में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही इन देशों ने नियम आधारित खुले एवं पारदर्शी वैश्विक व्यापार के लिए प्रतिबद्धता जताई।

ब्रिक्स की एक बैठक हुई - बता दें, रूस के निजनी नोवगोरोड में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की एक बैठक हुई। इस दौरान ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार और वित्तीय लेनदेन में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर चर्चाएं हुई। बैठक में मंत्रियों ने माना कि वैश्विक वित्तीय संरचना के सुधार की आवश्यकता है।

नेताओं को रिपोर्ट करने का काम - संयुक्त बयान के अनुसार, उन्होंने जोहानिसबर्ग द्वितीय घोषणापत्र के पैराग्राफ 45 का जिक्र किया, जिसमें ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों को स्थानीय मुद्राओं, भुगतान उपकरणों और मंचों के मुद्दे पर विचार करने और ब्रिक्स नेताओं को रिपोर्ट करने का काम सौंपा गया है।

इन मांगों को भी दोहराया - इसके अलावा, विदेश मंत्रियों ने सीओपी27 में की गई मांग को दोहराया कि यह गारंटी दी जाए कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान सुधार में वित्तपोषण के दायरे का विस्तार करने और संसाधनों तक आसान पहुंच को सुविधाजनक बनाने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अनुमान लगाया कि 2025 इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट शेयरधारक समीक्षा एक बड़ी सफलता होगी।

नया कोटा फॉर्मूला अपनाने पर जोर - विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के ब्रिक्स मंत्रियों की बैठक के अंत में जारी एक संयुक्त बयान में एक मजबूत वैश्विक वित्तीय सुरक्षा आवरण पर भी जोर दिया गया, जिसके केंद्र में कोटा-आधारित और पर्याप्त संसाधनों वाला अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) हो। बयान के मुताबिक कोटा की सामान्य समीक्षा के तहत आईएमएफ व्यवस्था की सुधार की प्रक्रिया को जारी रखने का आह्वान किया। इसमें नया कोटा फॉर्मूला अपनाने की बात भी कही गई। वहीं रूस के विदेश मंत्री का कहना है कि उभरती राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में सुधार और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार के लिए एक मंच विकसित करने पर सक्रिय रूप से काम करना शुरू कर दिया है, जिसकी परिकल्पना 2023 में जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन में की गई थी।

कौन-कौन से देश सदस्य - ब्रिक्स, जो ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संक्षिप्त रूप है, एक अनौपचारिक साझेदारी है जो सदस्य देशों के बीच सहयोग और संचार को बढ़ावा देती है। ब्रिक्स देशों के बीच कोई औपचारिक या कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता नहीं है। ब्रिक्स शब्द जिम ओनील द्वारा बनाया गया था, जिन्होंने उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था के भीतर इन देशों की क्षमता पर जोर देने के लिए इस शब्द का प्रयोग किया था। जब ओनील ने बिल्डिंग बेटर ग्लोबल इकोनॉमिक ब्रिक्स शीर्षक से अपना पेपर प्रकाशित किया, तो उनका मानना था कि ये देश, अपने आर्थिक विकास, संसाधनों और बढ़ती आबादी के कारण, 21वीं सदी के भीतर आर्थिक महाशक्ति बन जाएंगे।

ह्युंदै मोटर की आईपीओ के जरिए 30 हजार करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

ह्युंदै मोटर इंडिया पहली बार भारतीय शेयर बाजार में फिर से धमाल मचाने वाली है। दो दशक से भी ज्यादा समय के बाद साउथ कोरिया की कंपनी ह्युंडै मोटर की भारतीय कंपनी ह्युंदै मोटर इंडिया लिमिटेड आईपीओ लाने की तैयारी कर रह है।

माना जा रहा है कि अगर ह्युंदै भारत में आईपीओ लाती है तो यह अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा क्योंकि ऑटो कंपनी की योजना आईपीओ के जरिये 25,000 करोड़ से 30,000 करोड़ रुपये जुटाने की है। इससे पहले सिर्फ पीएसयू कंपनी एलआईसी ने 21,000 करोड़ रुपये आईपीओ के जरिये जुटाए थे।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑटो सेक्टर की दिग्गज कंपनी ह्युंदै मोटर इंडिया अगले दो सप्ताह के भीतर ही मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास डायरेक्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्ट्स (डीआरएचपी) फाइल कर सकती है और इसी के साथ अब तक के सबसे बड़े आईपीओ आने की प्रक्रिया की भी शुरुआत हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डीआरएचपी फाइल करने के बाद अगले महीने ऑटो कंपनी भारत और विदेशों में इन्वेस्टर रोड शो भी आयोजित कर सकती है।

ह्युंदै मोटर इंडिया ने आईपीओ के लिए एडवाइजर के तौर पर सिटीबैंक कोटक महिंद्रा कैपिटल और मॉर्गन स्टैनली, एचएसबीसी और जेपी मॉर्गन को चुना है। ये इन्वेस्टमेंट बैंक ह्युंदै मोटर इंडिया को आईपीओ लाने में मदद करेंगे। अगर कंपनी डीआरएचपी फाइल करती है तो अगले 60 से 90 दिनों में सेबी की तरफ से अप्रूवल मिल सकता है। यानी अधिकतम सितंबर तक मार्केट रेगुलेटर की तरफ से आईपीओ लाने के लिए मंजूरी मिलने की संभावना है।

इसके बाद ह्युंदै मोटर इंडिया सितंबर या अक्टूबर 2024 में आईपीओ ला सकती है और शेयर मार्केट में लिस्ट हो सकती है। अगर सेबी की तरफ से मंजूरी मिल गई को 2003 के बाद किसी भी ऑटो कंपनी की शेयर बाजार में एंट्री हो जाएगी। बता दें कि 12 जून 2003 को भारत की सबसे बड़ी कारमेकर कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया 993.35 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आई थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मलाई भारत की...

लेकिन खान मार्केट गिरोह कह लें या कोई भी नाम दे दें इस दोगली जमात का, यह नस्ल एनडीए से मुस्लिम मंत्री क्यों नहीं बने, इस पर सवाल पूछती है, लेकिन यह नहीं पूछती कि जम्मू कश्मीर से आतंकवाद खत्म होने में और कितना समय लगेगा? और मासूम बच्चे की मौत का हरजाना कौन देगा? हत्यारों को फांसी कब लगेगी?

एक ही परिवार के...

बलरामपुर के डीएम अरविंद सिंह ने बताया कि जिले के दोनों परिवारों के 10 लोग हमले में घायल हुए हैं। सबका इलाज जम्मू के अस्पताल में हो रहा है। उतरौला और बलरामपुर के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट को पीड़ित परिवारों को हर सहायता देने को बोला गया है।

इसी प्रकार यूपी के गोंडा जिले के भिखारीपुर गांव से 8 सदस्य वैष्णो देवी गए थे। वहीं गोरखपुर के 17 लोग जम्मू में माता के दर्शन करने गए थे। इन 17 लोगों में कुछ कटरा ही रुक गए थे। वहीं कुछ शिवखोड़ी निकले थे। किसी ने ऐसे हमले की कल्पना भी नहीं की थी। खबर सुनने के बाद उनके अपने सन्न हैं। कोई अपनी आपबीती सुना रहा है तो कोई बताने के लिए बचा ही नहीं। कुछ चश्मदीद हैं जिन्होंने बताया है कि कैसे उस दिन आतंकियों ने नकाब पहनकर पूरी बस पर ताबड़तोड़ गोलियां दागीं। बस खाई में गिराकर भी गोलियां दागते रहे ताकि कोई श्रद्धालु जिंदा न बचे। कुछ चश्मदीद ऐसे भी हैं जिन्होंने खुद को लाश जैसे रखा ताकि आतंकी को विश्वास हो जाए सब मर गए हैं।

आंध्र प्रदेश के...

वहीं जनसेना पार्टी ने अपने विधायक दल का नेता पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण को चुन लिया है। पवन कल्याण मंगलवार सुबह मंगलागिरी स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्हें जनसेना पार्टी के विधायकों ने अपना नेता चुना।

आंध्र प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में राज्य की 175 सीटों में से 135 सीटें जीतकर चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनी है। पवन कल्याण की जनसेना पार्टी ने 21 सीटें जीती हैं और भाजपा को भी आठ सीटों पर जीत हासिल हुई है। वहीं जगनमोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी महज 11 सीटों पर सिमट गई है। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में टीडीपी, जनसेना और भाजपा गठबंधन बनाकर चुनाव मैदान में उतरीं थी।

आंध्र प्रदेश की...

वह 2014 से 2019 तक मुख्यमंत्री रहे। नायडू ने अमरावती को राजधानी बनाने का विचार रखा था। नायडू के इस विचार को उस समय झटका लगा जब 2019 में उन्होंने सत्ता खो दी और वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी ने शानदार जीत हासिल की। फिर रेड्डी ने अमरावती शहर की योजनाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया और तीन राजधानियों का एक नया विचार सामने रखा, जिसे नायडू ने अब एकमात्र राजधानी रखने के फैसले के साथ बदल दिया है।

आंध्र प्रदेश के हालिया विधानसभा चुनाव में टीडीपी, भाजपा और जनसेना के गठबंधन ने एकतरफा जीत हासिल की। एनडीए गठबंधन ने विधासभा चुनाव 164 सीट पर जीत दर्ज की। जबकि लोकसभा चुनाव में 21 सीट पर भारी बहुमत के साथ शानदार जीत हासिल की। इस जनादेश ने अमरावती को राजधानी बनाने की योजना में नई जान फूंक दी है।

सोशल मीडिया...

देश की भलाई के लिए काम करते रहने का जनादेश है। हम सभी के एक परिवार होने का संदेश दिए जाने के बाद मैं एक बार फिर भारत के लोगों को धन्यवाद देता हूं और आग्रह करता हूं कि अब आप अपने सोशल मीडिया अकाउंट से मोदी का परिवार वाली पंक्ति हटा दें।

खालिस्तानी अमृतपाल...

जसप्रीत सिंह ने कई अमेरिकी सीनेटरों और नेताओं से भी मुलाकात का दावा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि इन सभी ने अमृतपाल की रिहाई में उनकी मदद का भरोसा दिया है। जसप्रीत सिंह जैसे लोग अमेरिका में यह फैला रहे हैं कि अमृतपाल पर की गई कार्रवाई मानवाधिकार का उल्लंघन है। अमृतपाल पर लगा एनएसए एक्ट भी गलत है।

उल्लेखनीय है कि वारिस पंजाब दे का मुखिया खालिस्तानी अमृतपाल सिंह अजानला पुलिस थाने पर हमला करने के बाद मीडिया की सुर्खियां बना था। 23 फरवरी 2023 को अमृतपाल के एक करीबी की गिरफ्तारी के बाद खालिस्तान समर्थकों ने अजनाला थाने पर हमला कर दिया था। अमृतपाल ने मीडिया के सामने आकर पंजाब पुलिस को अल्टीमेटम दिया था, जिसके कुछ ही घंटों के भीतर उसके साथी लवप्रीत को पुलिस ने छोड़ दिया था।

अजनाला थाने पर हमले में पंजाब पुलिस के कई कर्मचारी घायल हुए थे। काफी मशक्कत के बाद पुलिस करीबन एक महीने बाद उसे पकड़ने में सफल हुई थी। इसके बाद उसे असम के डिब्रूगढ़ जेल में भेज दिया गया था। उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) भी लगाया गया था।

तमिलनाडु के ...

म्यूजियम में होने का दावा किया था। उसने अपने दावों के समर्थन में सबूत भी दिए थे। इन्हीं सबूतों के आधार पर फरवरी 2020 में मूर्ति शाखा की खुफिया इकाई ने ब्रिटेन स्थित भारतीय दूतावास को एक विस्तृत रिपोर्ट प्रेषित की। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि ऑक्सफॉर्ड के एशमोलियन म्यूजियम में मौजूद संत तिरुमंकाई अलवर की प्रतिमा लगभग 50 साल पहले तमिलनाडु के कुम्भाकोणम नाम की जगह पर बने एक मंदिर से लूटी गई थी।

भारतीय दूतावास के आवेदन पर विचार करते हुए 11 मार्च 2024 को एशमोलियन म्यूजियम ने एक बयान जारी किया। इस बयान में म्यूजियम ने भारत की तरफ से पेश किए सबूतों को सही माना था। तब म्यूजियम ने बताया था कि मामले को अंतिम निर्णय के लिए चैरिटी आयोग के आगे भेजा जा रहा है। माना जा रहा है कि चैरिटी आयोग जल्द ही इस मामले पर फैसला लेगा। पिछले एक दशक में भारत सरकार विदेशों से अपनी कई प्रचीन धरोहरें वापस लाने में सफल रही है।

मुसलमानों को ...

नजमा हेपतुल्ला या फिर आरिफ़ मोहम्मद खान जैसे मुसलमानों के प्रति उसी मुस्लिम वर्ग का क्या रवैया रहा है, इसे पूरा देश जानता है। इस गिरोह के लिए मुस्लिम का अर्थ समावेशी पहचान वाले मुस्लिम से नहीं है। इनके लिए मुस्लिम वही है, जो इनके एजेंडे के अनुसार चलता हो।

राजदीप सरदेसाई, आरफा, सबा नकवी जैसे पत्रकारों ने प्रश्न किया कि एक भी मुस्लिम का प्रतिनिधित्व करने वाला मुस्लिम मंत्री नहीं है? इन छद्मी लोगों से सख्ती से यह पूछा जाना चाहिए क्या यह भारत के संविधान पर हमला नहीं है? क्या एक व्यक्ति की पहचान भारतीय होनी चाहिए या फिर उसे सांप्रदायिक रूप से पहचान दी जानी चाहिए? भारत में हिंदू सीटें और मुस्लिम सीटें अलग-अलग हैं क्या? भारत एक गणतंत्र है, जहां पर भारतीय ही पहचान है और यहां पर लोकतान्त्रिक प्रक्रियाओं और संविधान की बात चलती है। मगर सीएए जैसे कानूनों पर मुस्लिम समुदाय को लगातार भड़काने वाला यह गिरोह इसे नहीं समझता है क्योंकि इससे उसका एजेंडा विफल होता दिखता है।

छद्मी पत्रकारों, दुर्बुद्धिजीवियों, प्रगतिहीनों और एकधर्मियों के गिरोह से यह पूछा जाना चाहिए कि मुस्लिम समुदाय को मोदी के पहले और दूसरे कार्यकाल में किस सरकारी योजना का लाभ नहीं मिला? क्या मोदी सरकार के प्रथम एवं दूसरे कार्यकाल में सरकारी योजनाओं, मुफ्त अनाज, स्कॉलरशिप वगैरह दिए जाने में मुस्लिम समुदाय के साथ कोई भी भेदभाव हुआ है? अगर नहीं हुआ, तो किस आधार पर यह गिरोह मुस्लिमों को भड़का रहा है। वोट जेहाद का नारा देता है? फिर भी कानून ऐसे लोगों को सीख नहीं देता। वोट के लिए जेहाद करना और मजहब के आधार पर अलग प्रतिनिधित्व की बात करना दोनों ही भारत के संविधान का अपमान है और संज्ञेय अपराध है। फिर भी सरकार और प्रशासन कानून का पालन कराने में लचर है।

लोकसभा चुनाव के बाद यह साफ हो गया है कि मुस्लिम समुदाय ने एकजुट होकर भाजपा विरोधी दल को वोट दिया है। यानी, कांग्रेस, सपा और अन्य को वोट दिया है।

कांग्रेस इस समय लोकसभा में दूसरा सबसे बड़ा दल है और इस बार उसकी सीटें भी मुस्लिम समुदाय के एकतरफा समर्थन के कारण लोकसभा में बढ़ी हैं। क्या जो लोग भारतीय जनता पार्टी से प्रश्न करके सेपरेट इलेक्टोरल का विवाद उत्पन्न कर रहे हैं, उन्हें कांग्रेस से यह प्रश्न नहीं करना चाहिए कि जिस समुदाय के एकतरफा समर्थन से वे जीते हैं, उनका ही कोई नेता लोकसभा मे विपक्ष का नेता बने? क्यों कांग्रेस की ओर से संसदीय दल का नेता किसी मुस्लिम को नहीं चुना गया और क्यों लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद राहुल गांधी के लिए आरक्षित किए जाने की बात हो रही है? आरफा, सबा नकवी, साइमा जैसे लोग कांग्रेस से यह प्रश्न क्यों नहीं कर रही हैं कि वह उनके समुदाय के समर्थन के बदले में कुछ दें?

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 12 जून, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

भारत के आर्थिक विकास की कुंजी हैं युवा : राधाकृष्णन

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना एवं झारखंड के राज्यपाल और पुड्डुचेरी के उपराज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि भारत के आर्थिक विकास में युवा महत्वपूर्ण हैं।

श्री राधाकृष्णन ने आज सिद्दीपेट जिले के मुलुगु में श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना राज्य बागवानी विश्वविद्यालय के तीसरे स्नातक समारोह को संबोधित करते कहा कि भारत में 2047 तक 30 खरब डॉलर का सकल घरेलू उत्पाद हासिल करने की क्षमता है। यह विकास एक विकसित भारत द्वारा संचालित किया जा सकता है, जिसमें युवा अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 18 प्रतिशत से अधिक है और इसके मद्देनजर सरकार प्राकृतिक और जैविक कृषि के लिए समर्थन बढ़ाएगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि बागवानी और वानिकी क्षेत्रों का महत्व कृषि के साथ-साथ बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कृषि 70 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण आबादी के लिए आय का मुख्य स्रोत है, जिसमें 82 प्रतिशत से अधिक छोटे सीमांत किसान हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को दृढ़ निश्चय के साथ अपने लक्ष्य को पाने के लिए प्रोत्साहित किया और सलाह दी कि भले ही उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़े, लेकिन उन्हें हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने सफलता प्राप्त करने के लिए मजबूत शुरुआत के महत्व पर जोर दिया और चुनौतियों पर विजय पाने वाले प्रभावशाली नेताओं के उदाहरण के रूप में अब्राहम लिंकन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हवाला दिया। उन्होंने भारत में गरीबी और भुखमरी को कम करने के लिए श्री मोदी की प्रशंसा की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा सहित सभी पहलुओं में गुणवत्ता सफलता की कुंजी है और आश्वासन दिया कि राजभवन शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह के दौरान, कई विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इनमें आर. वरलक्ष्मी (बीएससी ऑनर्स 2023 बैच) ने सर्वोच्च ओजीपीए के लिए तीन स्वर्ण पदक प्राप्त किए। वहीं, के रावली (बीएससी ऑनर्स फॉरेस्ट्री) ने पीसीसीएफ गोल्ड मेडल प्राप्त किया, जबकि के प्रत्यूषा ने डीन गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इसी तरह से एम. मालविका ने छात्राओं में सर्वोच्च अंक और सब्जी अनुभाग में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए तीन स्वर्ण पदक प्राप्त किए।

विद्या श्री और पी माहेश्वरी को औषधीय और मसाला फसलों की श्रेणी में स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इस तीसरे स्नातक समारोह में, 156 छात्रों को बागवानी की डिग्री, 50 को वन की डिग्री, 45 को बागवानी स्नातकोत्तर (पीजी), 30 को वन पीजी और एक अन्य को पीएचडी डॉक्टरेट की उपाधि मिली। तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. वी गीतालक्ष्मी ने मुख्य अतिथि के रूप में स्नातक समारोह में भाग लिया। श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना राज्य बागवानी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ (सुश्री) बी. नीरजा प्रभाकर, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ ए भगवान, डीन डॉ एम. राजशेखर, अनुसंधान निदेशक डॉ किरण, डीएसए डॉ. विजया, परीक्षा नियंत्रक डॉ श्रीनिवासन, बागवानी आयुक्त अशोक रेड्डी, बोर्ड के सदस्य डॉ आरके माथुर, प्रोफेसर और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

न्यायिक आयोग ने केसीआर को बिजली खरीद समझौते को लेकर जारी किया नोटिस

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार की ओर गठित न्यायमूर्ति एल नरसिम्हा रेड्डी के नेतृत्व वाले न्यायिक आयोग ने छत्तीसगढ़ के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) और भद्राद्री तथा यदाद्री थर्मल पावर प्लांट के निर्माण की जांच के लिए तेलंगान के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव (केसीआर) को नोटिस जारी किया है। इसमें भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) शासनकाल के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार के साथ किए गए पीपीए में उनकी भूमिका की जांच भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार आयोग ने केसीआर से 15 जून तक जानकारी मांगी है। केसीआर ने हालांकि 30 जुलाई तक का समय मांगा है। गौरतलब है कि जेनको और ट्रांस्को के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक (सीएमडी) डी प्रभाकर राव और तत्कालीन ऊर्जा प्रधान सचिव सुरेश चंदा पहले ही आयोग के समक्ष पेश हो चुके हैं।

आं.प्र. हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के अध्यक्ष डॉ. चोंगा लक्ष्मुन्नायुडु दम्पति ने केंद्र मंत्री राममोहन नायडू को बधाई दी

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री एवं श्रीकाकुलम सांसद सदस्य किंजरापु राममोहन नायुडु से आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के अध्यक्ष डॉ. चोंगा लक्ष्मुन्नायुडु तथा उनकी पत्नी तेदेपा महिला नेता चोंगा रमा देवी ने भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सोमवार को दम्पति ने राममोहन नायुडु से दिल्ली में भेंट कर उन्हें शुभकामनाएँ दी। दिवंगत नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री किंजरापु यर्रमनायुडु हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के गौरवाध्यक्ष रहते हुए तेलुगु राज्यों में हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने में बहुत काम किया ऐसा कहा चोंगा लक्ष्मुन्नायुडु ने। उनके पिता के समान ही राममोहन नायुडु भी हिंदी भाषा की वृद्धि तथा राज्यों में हिंदी को गौरव दीलाने का कार्य करेंगे। इस संदर्भ में किंजरापु राममोहन नायुडु बात करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री के रूप में राज्य की अभिवृद्धि करने में वह कदम बढायेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबु नायुडु के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से राज्य को अभिवृद्धि के पथ पर ले जाना ही मेरा ध्येय है।

आरसीआई में एक-दिवसीय राजभाषा कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), डीआरडीओ, हैदराबाद में वित्त वर्ष 2024-25 की प्रथम राजभाषा कार्यशाला मंगलवार, दि. 11 जून 2024 को डीओएमएस सम्मेलन कक्ष में संपन्न हुई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एम के गुप्ता ने की। उन्होंने हिंदी में प्रशासनिक कार्य एवं प्रयोग को वार्षिक कार्यक्रम में विनिर्दिष्ट लक्ष्य के अनुसार करने के लिए कहा तथा राष्ट्र को विकसित श्रेणी में लाने के लिए स्वभाषा की महत्ता एवं आवश्यकता पर बल दिया। इसी कड़ी में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अजय कुमार मिश्र ने हिंदी भाषा को संपूर्ण देश को जोड़ने वाले धागे के रूप में बताया। तत्पश्चात सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं प्रभारी, राजभाषा प्रभाग काज़िम अहमद ने गत वर्ष की विविध गतिविधियों एवं उपलब्धियों से सहभागियों को अवगत कराया।

दो सत्रों में आयोजित इस कार्यशाला के प्रथम सत्र में अतिथि वक्ता के रूप में पधारीं उप-निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना एवं हिंदी प्रशिक्षण उप-संस्थान बेला ने हिंदी के राजभाषा बनने तक स्वतंत्रता पूर्व तथा उसके पश्चात हुए प्रयासों को एक सरल कहानी के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में हिंदी में टिप्पणी-लेखन एवं पत्राचार पर व्यावहारिक ज्ञान साझा किया। बहुत ही रोचक ढंग से उन्होंने उपस्थित सहभागियों को अभ्यास भी कराया। इससे कार्यशाला में आए प्रतिभागी अत्यंत लाभान्वित हुए। द्वितीय सत्र में आरसीआई के सहायक निदेशक (राजभाषा) काज़िम अहमद ने राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधानों, राष्ट्रपति आदेशों, राजभाषा अधिनियम 1963 एवं राजभाषा नियम 1976 पर चर्चा की।

उन्होंने राजभाषा नीति से संबंधित समस्त पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, सरल हिंदी प्रयोग तथा विशेष रूप से हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं से उसके संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हिंदी के सरल प्रयोग से उसे दक्षिण भारत के सुदूर क्षेत्रों तक प्रसारित किया जा सकता है।

इस दौरान अतिथि वक्ता को स्मृति चिह्न द्वारा सम्मानित किया गया। काज़िम अहमद के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन, गौतम कुमार महतो, आशुलिपिक के तटस्थ मंच संचालन तथा सुनील कुमार अग्निहोत्री, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी एवं सूरज कुमार पाण्डेय, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के असाधारण योगदान से यह कार्यशाला सफल रही। इस कार्यशाला में प्रयोगशाला के विभिन्न कार्यस्थलों से 40 सहभागियों ने भाग लिया।

सीएसआईआर-आईआईसीटी की स्पंदन पत्रिका का लोकार्पण एवं नराकास कार्यशाला सम्पन्न

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-2, हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को सीएसआईआर-आईआईसीटी के द्वारा तकनीकी हिंदी कार्यशाला का आयोजन एवं आईआईसीटी की ङ्गस्पंदनफ पत्रिका का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. आर. एन. सिंह, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-नीरी ने ङ्गस्पंदनफ पत्रिका के नाम के व्यापक अर्थों को बताते हुए कहा कि हमें अपनी मातृभाषा में चिंतन-मनन करना चाहिए जो कि बड़े अनुसंधान की जननी होती है। उन्होंने इस कथन के समर्थन में बड़े-बड़े वैज्ञानिकों और उनके आविष्कारों को उद्धृत किया।

उन्होंने खुशी जाहिर की कि वैज्ञानिक, साहित्य आधारित हिंदी पत्रिका स्पंदन इसको बढ़ावा देगी। आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी जी ने पत्रिका के प्रकाशन के लिए सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी।

लोकार्पण समारोह के पश्चात राजभाषा हिंदी में कंप्यूटर पर आसानी से काम करनेफ विषय पर एक-दिवसीय कार्यशाला का सत्र शुरू किया गया।

कार्यशाला के ज्ञानस्रोत व्यक्ति श्री ओ.पी.अग्रवाल, सेवानिवृत्त अपर महाप्रबंधक, आरबीआई ने एम.एस.वर्ड, एम.एस.एक्सल आदि में घंटों का काम मिनटों में करने के कई टूल्स से प्रतिभागियों को परिचित कराया। साथ ही उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के टूल्स जैसे चैट जीपीटी, जैमिनी आदि पर विस्तृत जानकारी दी एवं मोबाइल में हिंदी में काम करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। इस कार्यशाला में नराकास-2 के सदस्य कार्यालयों से 80 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।

नराकास-2 के सदस्य-सचिव श्रीमती अनिता पांडे ने आईआईसीटी के हिंदी अनुभाग की सक्रियता की सराहना की। आईआईसीटी के प्रशासन नियंत्रक श्री एम. आनंद कुमार जी ने अपने संबोधन में कहा कि हम हिंदी के विकास के लिए हिंदी नहीं सीखते हैं बल्कि अपने और संस्थान के विकास के लिए हिंदी के कार्यक्रम करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन आईआईसीटी के हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री आदर्श कुमार, हिंदी अनुवादक के द्वारा किया गया।

बीएचएमएस छात्रों ने चिकित्सा संपदा संस्थान का दौरा किया

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्कलमणि होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, राउरकेला, ओड़ीशा के दो प्राध्यापक सदस्य डॉ अश्विनी कुमार साहू और डॉ सुभ्रांशु प्रभा मिश्रा के साथ अंतिम बी.एच.एम.एस. छात्रों ने हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान का दौरा किया। प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ जी.पी. प्रसाद ने संस्थान की गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। बैठक में डॉ वी श्रीदेवी, अनु अधि. (आयु.), डॉ अशफाक अहमद, अनु अधि. (यूनानी), डॉ टी. साकेत राम, अनु अधि. (आयु.), डॉ संतोष एस. माने, अनु अधि. (आयु.) ने भी अपने विचार व्यक्त किए और इस अवसर की शोभा बढ़ाई। मुरली मनोहर, ए.आर.ओ. (क्यूरेटर) और श्रीनिवास राव, एल.आई.ए. ने छात्रों को संग्रहालय और पुस्तकालय के दौरे में सहायता की। डॉ. बिस्वो रंजन दास, आर.ओ. (होम्योपैथी) ने कार्यक्रम का समन्वय किया और होम्योपैथी में साहित्यिक शोध के दृष्टिकोणों के बारे में जानकारी प्रदान की। छात्रों और प्राध्यापक सदस्य ने संस्थान के अपने इस दौरे और आयुष प्रणाली के बारे में ज्ञान प्राप्त करने की सराहना की।

सत्ता से बाहर होते ही गहलोत को आई बेरोजगारों की याद : भारद्वाज

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेरोजगारी भत्ते को लेकर दिये गये बयान पर पलटवार करते हुये कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री को सत्ता से बाहर होने के बाद बेरोजगारों की याद आ रही है।

श्री भारद्वाज ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि वर्ष 2018 में सत्ता पाने के लिये कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के समय अपने घोषणा पत्र में राज्य के 30 लाख युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था। सत्ता में आने के बाद गहलोत सरकार ने बेर-ोजगारों के हितों पर कुठाराघात किया और 28 लाख से अधिक बेरोजगारों को भत्ते के नाम पर भटकाया। राज्य के लाखों बेरोजगारों को भत्ते के नाम पर सरकारी कार्यालयों में प्रशिक्षण के लिये बुलाया गया, लेकिन उन्हें भत्ते से भी वंचित रखा गया।

उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने पेपरलीक माफियाओं को संरक्षण देकर राज्य के 70 लाख से अधिक युवाओं के सपनों पर पानी फेरने का काम किया। भजनलाल शर्मा सरकार आने के बाद युवाओं के साथ न्याय हो रहा है और पेपरलीक माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। राज्य में अब तक पेपर लीक के मामलों में 100 से अधिक अपराधी सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं। भारद्वाज ने कहा कि श्री गहलोत शायद भूल गये कि उनके शासन काल में राज्य बेर-ोजगारी के मामले में देश में सबसे आगे पहुंच गया था। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनामी (सीएमआईई) के अनुसार जहां देश में बेरोजगारी दर छह फीसदी से आठ फ़ीसदी के मध्य रही।

कांग्रेस के समय राजस्थान में बेरोजगारी दर 32.3 प्रतिशत तक पहुंच गयी थी। विधानसभा में एक सवाल के जवाब में जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार से बेरोजगारी भत्ता पाने वाले बेरोजगारों की संख्या पूछी गयी, तो जवाब में पता चला कि महज एक लाख 60 हजार युवाओं को ही बेर-ोजगारी भत्ता दिया गया, और वह भी कुछ समय के लिये ही।

उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने आंकड़ों के नाम पर राज्य के युवाओं को गुमराह और परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और उसी का परिणाम रहा कि राज्य की जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर फेंक दिया।

हाईलाइफ की तीन दिवसीय प्रदर्शनी आरंभ

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)
हाईलाइफ की तीन दिवसीय प्रदर्शनी मंगलवार, दि. 11 जून, 2024 को माधापुर नोवोटेल स्थित हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) में आरंभ हुई। लाइफ स्टाइल और फैशन प्रदर्शनी का उद्घाटन अभिनेत्री तेजस्वी मडिवाडा और इनाया सुलताना (बिगबॉस फ़ेम) ने किया। समारोह में विभिन्न मॉडलों ने डिज़ाइनर परिधानों और आभूषणों का प्रदर्शन किया।

हाइलाइफ प्रदर्शनी के आयोजक अबे डोमनिक ने उद्घाटन के बाद संवाददाताओं को बताया कि हाईलाइफ़ प्रदर्शनी हमेशा से भारत में सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली और सबसे ज़्यादा प्रतीक्षित फैशन-लाइफ़स्टाइल-स्टाइल, लग्जरी, वेडिंग शॉपिंग प्रदर्शनी रही है और आज हम एक विशेष फैशन, लाइफस्टाइल और वेडिंग शॉपिंग स्पेशल प्रदर्शनी पेश कर रहे हैं जिसमें डिज़ाइनर वियर, फैशन वियर, ट्रेंड सेटिंग क्रिएटिव फैशन वियर, लाइफस्टाइल वियर, ब्राइडल वियर का शानदार कलेक्शन है, साथ ही एक्से-सरीज़, ज्वेलरी और भी बहुत कुछ पेश किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी 12 और 23 जून को भी जारी रहेगी। प्रदर्शनी में देश भर से प्रमुख डिज़ाइनर हिस्सा ले रहे हैं।

फैशन, ग्लैमर, लाइफ स्टाइल और लक्जरी जीवनशैली से जुड़ी रचनात्मक वस्तुओं के कई स्टॉल यहाँ स्थापित किये गये हैं।

डोमिनिक ने कहा कि हाईलाइफ फैशन परिधान, दुल्हनों के लिए विशेष कलेक्शन, डिज़ाइनर वियर, एक्ससरीज़, आभूषण एवं अन्य आकर्षक सामग्री के लिए हैदराबादी फैशन प्रेमियों की पहली पसंद है। दुल्हनों के लिए उपयोगी पारंपरिक एवं फैशन परिधान के अलावा विभिन्न प्रकार की सामग्री एक ही मंच से प्राप्त की जा सकती है।

राजस्थान में लोगों को मिले निर्बाध विद्युत आपूर्ति : भजनलाल

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रदेश में विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए विभिन्न विद्युत निगमों एवं केन्द्रीय उपक्रमों के साथ हुए एमओयू को समयबद्ध पूरा करें जिससे आमजन को सुचारू रूप से निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो सके।

श्री शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में ऊर्जा विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन प्रोजेक्ट्स की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार हो जिससे आमजन, किसान तथा उद्यमी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

उन्होंने कहा कि राज्य की भौगोलिक स्थिति के दृष्टिगत कुछ माह राज्य में विद्युत की मांग उपलब्धता से कहीं अधिक रहती है लेकिन अब राज्य सरकार द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में हाल में किए गए एमओयू के क्रियान्वयन से राजस्थान की विद्युत मांग की भी पूर्ति होगी तथा राज्य विद्युत उत्पादन में सरप्लस की श्रेणी में आ जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्रीय उपक्रमों से समन्वय स्थापित कर इन एमओयू का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी रबी फसल के सीजन को देखते हुए विभाग अपनी तैयारियां पूरी रखें जिससे किसानों को सिंचाई हेतु सुचारू विद्युत आपूर्ति मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को सिंचाई हेतु दिन में बिजली आपूर्ति उपलब्ध करवाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा पीएम कुसुम योजना के माध्यम से इस लक्ष्य को पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसके लिए मिशन मोड पर काम किया जाए। अभियान चलाकर जनप्रतिनिधियों के सहयोग से इस योजना का आमजन में प्रचार-प्रसार करें तथा किसानों को योजना से मिलने वाले लाभ के बारे में अधिक से अधिक जागरूक करें। इस योजना के क्रियान्वयन से स्थानीय क्षेत्र में रोजगार सृजन भी होगा।

श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना के तहत किसानों को सोलर पंप लगाने में वित्तीय सहयोग के लिए जिला कलक्टर बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करें जिससे इस प्रक्रिया में किसानों के लिए वित्तीय बाधा को दूर किया जा सके। उल्लेखनीय है कि पीएम-कुसुम कंपोनेंट 'बी' के तहत 70 हजार से अधिक किसानों को योजना का लाभ मिल चुका है।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को आगामी 10 वर्ष की मांग को ध्यान में रखकर कार्ययोजना बनानी चाहिए जिससे भविष्य की मांग को वर्तमान के प्रोजेक्ट्स में शामिल किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को सरकारी कार्यालयों में रूफटॉप पर सोलर प्लांट के इंस्टालेशन के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिससे भविष्य में इन कार्यालयों में होने वाले बिजली व्यय को शून्य किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। ऐसे में इन माध्यमों की क्षमता बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाई जाए तथा ट्रांसमिशन सिस्टम के सुदृढ़ीकरण के लिए भी केन्द्र सरकार के साथ बैठक कर समन्वय स्थापित करें।

बैठक में बताया गया कि हाल ही में राज्य सरकार द्वारा केन्द्रीय उपक्रमों के मध्य हुए एमओयू-पीपीए के माध्यम से राज्य में ऊर्जा क्षेत्र के विकास में 1.60 लाख करोड़ के निवेश से 31 हजार 825 मेगावाट से अधिक की परियोजनाओं की स्थापना की जाएगी। इसकी प्रगति की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि केन्द्रीय उपक्रमों द्वारा इस संबंध में साइट विजिट की जा चुकी है। बैठक में पीएम-कुसुम योजना के अ, ब तथा स घटकों की प्रगति, सोलर रूफटॉप इंस्टालेशन, घटकों की प्रगति, सोलर रूफटॉप इंस्टालेशन, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के वित्तीय संसाधनों की जानकारी सहित ऊर्जा विभाग के विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

जल-जंगल, युवाओं को केंद्र में रखकर बने कार्ययोजना: खराड़ी

उदयपुर, 11 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा है कि जनजाति अंचल के समेकित विकास के लिये समन्वित प्रयास जरूरी हैं। श्री खराडी मंगलवार को यहां केंद्र सरकार के विकसित भारत मिशन अंतर्गत विकसित राजस्थान-2047 अभियान के तहत जनजाति उपयोजना क्षेत्र का विजन दस्तावेज तैयार करने को लेकर जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग तथा माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में टीएडी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और अन्य स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जनजाति उपयोजना क्षेत्र में योजनाएं बहुत हैं, धन की भी कोई कमी नहीं, आवश्यकता है कि क्षेत्र की जरूरत को समझते हुये ईमानदारी

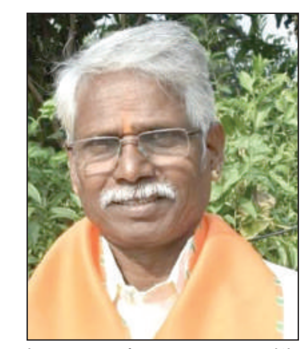

से काम कार्य किया जाए। उन्होंने जल-जंगल और युवाओं को केंद्र में रखकर कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया। श्री खराडी ने कहा कि आदिवासी अंचल का सही मायनों में विकास करना है तो स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग पर बल देना होगा। वन उपज संग्रहण एवं उसने उत्पाद तैयार करना और उन्हें मार्केट देने पर काम होना चाहिये। स्थानीय जलाशयों में स्थानीय आदिवासियों को प्रशिक्षित कर मछली पालन को बढ़ावा दिया जा सकता है। कौशल विकास सिर्फ प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहकर युवाओं को रोजगार से जोड़ने तक हो। युवाओं को लाईब्रेरी, ई-लाईब्रेरी तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग सुविधा में विस्तार की भी दरकार है। कार्यशाला में राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर के नवनिर्वाचित सांसद डॉ. मन्नालाल रावत तथा राजसमंद सांसद महिमा कुमारी ने भी संबोधित किया।

प्रारंभ में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य की जानकारी दी। कार्यशाला में वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से जुड़े शासन सचिव डॉ.जोगाराम ने विकसित राजस्थान अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में 14 सेक्टर तय किए गए हैं। इसमें सामाजिक संरक्षण के तहत जनजाति कल्याण को शामिल किया गया है।

आंध्र प्रदेश में वैन और लॉरी की टक्कर में तीन लोगों की मौत, दो घायल

विजयवाड़ा, 11 जून (एजेंसियां)।
आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा जिले में काकानी के पास मंगलवार को एक वैन के खड़ी लॉरी से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि लॉरी में तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके कारण ड्राइवर ने गाड़ी सड़क किनारे रोक दी। इसी दौरान पीछे से तेज़ रफ़्तार में आ रही एक वैन ने लॉरी को टक्कर मार दी, जिससे के. रामबाबू (40), तेजा (21) और डी. मधु (25) की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में घायल हुए दो लोगें को निकटवर्ती सरकारी अस्पताल (जीजीएच) में भर्ती कराया गया है, जहां एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

शिक्षा, धर्म एवं सामाजिक क्षेत्र के स्तंभ थे समाजसेवी कांतिलाल

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बड़ागांव के गौरव, भामाशाह, समाजसेवी एवं उद्योगपति कांतिलाल का बैकुंठवास बीती 9 जून को हो गया। उनका जीवन त्याग, परोपकार एवं समाज सेवा की भावना से ओतप्रोत था। उनके जाने से उद्योगजगत के विभिन्न क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। मधुरभाषी कांतिलाल सबके प्रिय समाज सेवी थे।

कांतिलाल का जन्म 10 मार्च 1939 को हैदराबाद के शिवदत्त राय गुलाब राय परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम सेठ गुलाब राय और माता का नाम गोमतीदेवी था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शिवदत्त राय हाई स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की और व्यापार की दुनिया में कदम रखा।

उन्होंने हैदराबाद में कपड़ा मिलों एवं स्टील रोलिंग मिलों की स्थापना की। जल्द ही वे एक सफल उद्योगपति के रूप में ख्याति प्राप्त कर ली। उन्होंने स्टील उद्योग में कई कारखाने स्थापित किए। उन्होंने अपने व्यवसाय को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया, जहां उन्होंने स्थानीय और प्रवासी श्रमिकों को रोजगार दिया।कांतिलाल जी का जीवन केवल पैसा कमाने तक ही सीमित नहीं था। वे समाज के

प्रति अपनी जिम्मेदारी को गहराई से समझते थे। उन्होंने शिक्षा, धर्म और सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कांतिलाल शिक्षा के प्रति बेहद समर्पित थे। उन्होंने बड़ागांव में कई स्कूल और कॉलेज स्थापित किए, जिनमें श्रीमती देवी कॉलेज, डिग्री कॉलेज, पीजी कॉलेज और टीटी कॉलेज शामिल हैं। वे इन संस्थानों के अध्यक्ष और चेयरमैन भी थे। इसके अलावा उन्होंने शिवदत्तराय इंग्लिश मीडियम स्कूल, शिवद-त्तराय प्राइमरी स्कूल और शिवदत्तराय प्री प्राइमरी स्कूल भी स्थापित किए। वे इन संस्थाओं के अध्यक्ष भी थे। उन्होंने हैदराबाद में शिवदत्त राय हाई स्कूल की भी स्थापना की, जो जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है। उनका मानना था कि केवल शिक्षा ही समाज को प्रगति के पथ पर ले जा सकती है।कांतिलाल जी सनातन धर्म में गहरी आस्था रखते थे और अपने जीवन में धार्मिकता और आध्यात्मिकता को सर्वोपरि मानते थे। वे भजन-कीर्तन में भी बहुत शामिल रहते थे और कई धार्मिक और आध्यात्मिक सम्मेलनों का आयोजन और वित्तपोषण करते थे। उन्होंने हरे राम हरे कृष्ण मंदिर गोल्डन टेम्पल रोड नंबर 12 बंजारा हिल हैदराबाद नामक मंदिर के भीतर गुलाबराय कांतिलाल वैदिक संस्कार भवन नामक एक हॉल का निर्माण करवाया।

कांतिलाल जी गौरक्षक भी थे और कई गौशालाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करते थे। उन्होंने सैकड़ो जरूरतमंद लड़कियों के विवाह आदि में आर्थिक मदद की। वे प्रतिदिन 1500-1800 लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए भोजन भी दान करते थे। उन्होंने उस्मानिया अस्पताल, प्रसूति अस्पताल, नीलोफर अस्पताल और सरोजिनी देवी नेत्र अस्पताल मेहदीपट्टनम जैसे अस्पतालों में भी सेवाएं प्रदान कीं। कांतिलाल जी का जीवन त्याग, परोपकार और समाज सेवा का एक प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने शिक्षा, धर्म और सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में अपने कार्यों के माध्यम से अनगिनत लोगों के जीवन को बेहतर बनाया। उनका निधन समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। कांतिलाल जी को श्रद्धांजलि।

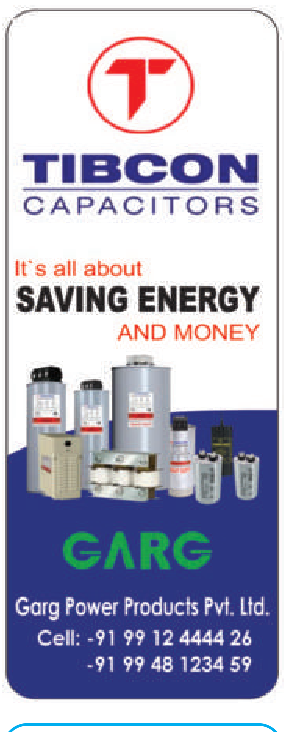

मौसम हैदराबाद
अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 23°

शेयर मार्केट

बीएसई : 76,456.59
-33.49 -0.04% ↓
एनएसई :23,264.85
5.65 (0.02%) ↑

डेरा अनुयायियों ने पक्षियों के लिए अस्पताल में बांधे मिट्टी के पानी से परिंडे

सिरसा, 11 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों ने भीषण गर्मी के प्रकोप से बचाने के लिए बेजुबान पक्षियों की सुध लेते हुए चोगा-पानी रखने का प्रबंध करते हुए जिला नागरिक अस्पताल में मंगलवार को मिट्टी के परिंडे (पानी रखने वाला बर्तन) रखने का अभियान चलाया।

सेवादारों ने अभियान के तहत अस्पताल परिसर में कई मिट्टी के परिंडे वृक्षों पर बांधे गए। इसके अलावा सेवादारों की ओर से शहर के अन्य पार्कों में भी परिंडे बांधे गए है। जिला नागरिक अस्पताल में इस अभियान की शुरुआत सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र भादू की अध्यक्षता में उप सिविल सर्जन डॉ. राजेश चौधरी, उप सिविल सर्जन डॉ. बुधराम, पीएमओ डॉ. पवन, अस्पताल के डिप्टी सुपरीडेंट गुरबचन सिंह, क्लर्क राजेश भारद्वाज एव अन्य सेवादारों की ओर से अस्पताल में वृक्षों के सहारे मिट्टे के परिंडे बाधकर और उनमें दाना-पानी डालकर की गई। इस दौरान अस्पताल के चिकित्सकों और सेवादारों ने संकल्प लिया कि वे प्रतिदिन परिंडे में डालेंगे।

उप सिविल सर्जन डॉ. चौधरी ने बताया कि डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों के सकोरे रखने की मुहिम में शामिल होकर उन्हें काफी अच्छा लगा है।

अन्य संस्थाओं व आमजन से भी अपील है कि सभी को बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी का प्रबंध जरूर करना चाहिए। उप सिविल सर्जन डॉ. बुधराम ने कहा कि भीषण गर्मी में पक्षियों की सुध लेते हुए सकोरे रखना, सेवादारों का एक अच्छा कार्य है। क्योंकि हीटवेव का दौर चल रहा है जिसमें इंसानों के साथ-साथ पक्षियों में भी पानी की कमी हो जाती है। पक्षियों के लिए दाना-पानी का प्रबंध करना बहुत जरूरी है। जिला नागरिक अस्पताल के पीएमओ डा. पवन कुमार ने बताया कि डेरा अनुयायियों की ओर से पक्षियों के लिए चोगा-पानी का प्रबंध करने का जो कार्य किया है, वह बहुत अच्छा है। वह इससे काफी प्रभावित है।

कांग्रेस से गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिये था : संदीप पाठक

चंडीगढ़, 11 जून (एजेंसियां)।
आम आदमी पार्टी नेता डॉ संदीप पाठक ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा में कांग्रेस के साथ गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिये था और संकेत दिया कि पार्टी विधानसभा चुनाव अपने बूते लड़ेगी।

मीडिया से बातचीत में डॉ पाठक ने कहा कि पार्टी इंडिया समूह में अपने फायदे-नुकसान के लिये नहीं जुड़ी थी, बल्कि देश के फायदे के लिये जुड़ी थी और गठबंधन का देश को फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि जो भाजपा 400 पार का दावा कर रही थी, अपने बूते बहुमत भी नहीं जुटा सकी।

कुरुक्षेत्र में आप प्रत्याशी डॉ सुशील गुप्ता की हार के बारे में सवाल पूछने पर उन्होंने कहा कि गठजोड़ ने अच्छी टक्कर दी और हार 20 हजार मतों के अंतर से हुई है।

हरियाणा में गठबंधन विधानसभा चुनाव के लिये जारी रखने के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पार्टी संयोजक अरविन्द केजरीवाल अंतिम निर्णय लेंगे, लेकिन पार्टी अपने बूते चुनाव लड़ने के लिये तैयार है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने भी संकेत दिया है कि इस साल के अंत में होने वाले चुनाव में पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी।

टोहाना में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवती का शव

फतेहाबाद, 11 जून (एजेंसियां)।
हरियाणा में फतेहाबाद जिला के टोहाना में मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक प्रवासी युवती का शव रेलवे लाइन के पास पड़ा हुआ मिला है। युवती की पहचान जैसमीन (30) के रूप में हुई है।

रेलवे पुलिस थाना जाखल की टीम और टोहाना थाना प्रबंधक देवीलाल भी मौके पर पहुंचे। युवती के गले पर निशान है, हालांकि अभी तक चोट आदि के कोई निशान न मिलने की बात सामने आयी है। पुलिस को अंदेशा है कि युवती की हत्या की गयी है। पुलिस ने कहा कि मामले में तफ्तीश के बाद ही असलियत सामने आयेगी। मामला फिलहाल संदिग्ध बना हुआ है। रेलवे पुलिस जाखल मामले की जांच कर रही है।

रेलवे को किफायती और सुविधाजनक परिवहन का माध्यम बनाए रखना है : अश्विनी वैष्णव

हैदराबाद/नई दिल्ली, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को रेल भवन में पदभार ग्रहण किया। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष एवं सीईओ जया वर्मा सिन्हा ने वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ रेल भवन में उनका स्वागत किया। हाउसकीपिंग स्टाफ और रेलवे के अन्य अधिकारियों ने भी अश्विनी वैष्णव को पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी।

मीडिया को संबोधित करते हुए श्री वैष्णव ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा निर्धारित दीर्घकालिक विजन को साकार करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री श्री मोदी का रेलवे के साथ एक विशेष भावनात्मक जुड़ाव है और उन्होंने मुझे अपने परिवर्तनकारी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय रेलवे आम जनता के लिए परिवहन का एक किफायती और सुविधाजनक साधन बना रहे। 8 जुलाई, 2021 को पहली बार रेल मंत्री बने श्री वैष्णव ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत आशा और उम्मीद के साथ की है। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित दूरदर्शी एजेंडे के अनुरूप कई परिवर्तनकारी परियोजनाओं की शुरुआत की और उन्हें क्रियान्वित किया। इन पहलों में रेलवे के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण और पुनर्उद्धार शामिल है, जिसमें स्टेशनों का परिवर्तन, नई ट्रेनों की शुरूआत, व्यापक स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम, नई रेल लाइनों की शुरुआत और व्यापक विद्युतीकरण जैसी पहल शामिल हैं। अश्विनी वैष्णव ओड़ीशा से राज्यसभा के सदस्य हैं। वे पूर्व आईएएस अधिकारी हैं और उन्होंने जिला कलेक्टर के रूप में सुंदरगढ़, बालासोर और कटक के लोगों की सेवा की। उन्होंने आईआईटी कानपुर से प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर और व्हार्टन से एमबीए किया है।

रेलवे को विकास की बुलंदियों पर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हूं : वी. सोमन्ना

रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने रेल मंत्रालय में पदभार संभाला

हैदराबाद/नई दिल्ली, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने मंगलवार को रेल भवन में पदभार ग्रहण किया। रेल भवन पहुंचने पर रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष एवं सीईओ जया वर्मा सिन्हा ने रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, वी. सोमन्ना ने कहा, मुझे मंत्री पद की जिम्मेदारियां सौंपने के लिए मैं पीएम नरेंद्र मोदी और पार्टी का आभारी हूं। पिछले 10 वर्षों में, रेलवे ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करने के साथ ही विकास की पटरी पर काफी तेजी से दौड़ा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के कुशल मार्गदर्शन में काम करने और रेलवे एवं विकसित भारत के विकास में योगदान करने में उन्हें अपार ख़ुशी होगी। उन्होंने कहा, हम मिलकर विकसित भारत के सपने को हासिल करेंगे और इसके लिए 24/7 काम करेंगे। कर्नाटक के तुमकुर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद पहले भी राज्य में मंत्री पद संभाल चुके हैं।

विश्वविद्यालय कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर करें कार्य–मिश्र

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय को कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करने चाहिए।

श्री मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किसानों के लिए किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई।

उन्होंने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। श्री मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें। श्री मिश्र ने आरंभ में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्त्तव्यों का वाचन कराया। इस दौरान 'विश्वविद्यालय: प्रगति के सौपन' लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। समारोह में दीक्षांत उद्बोधन में पद्म भूषण प्रो. राम बदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के लिए मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किए जाने पर जोर दिया।

ऑनलाइन ट्रक बेचने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी का खुलासा

बारां, 11 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में बारां जिले के केलवाड़ा थाना क्षेत्र में साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन ट्रक बेचने का झांसा देकर लाखों की ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुये एक ठग को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने मंगलवार को बताया कि इस मामले में अजरोंडा गांव निवासी अनिल वैष्णव बैरागी (27) को गिरफ्तार किया गया है जो वर्तमान में मालवीय नगर जयपुर में रहता है। गिरोह में कई लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब तक की जांच में गिरोह के चन्द्रमोहन वैष्णव एवं उसके साथियों द्वारा विभिन्न राज्यों में करीब एक करोड़ रुपये की ठगी करने की जानकारी पुलिस को मिला।

श्री चौधरी ने बताया कि गिरोह के लोग फेसबुक के माध्यम से ऑनलाइन ट्रक बेचने के नाम पर टोकन मनी, एप्रुअल मनी आदि के नाम पर लाखों की राशि खातों में जमा करा लेते थे। बाद में टालमटोल करते रहते थे।

उन्होंने बताया कि एक महीने पहले 17 मई को मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के इंद्रानगर निवासी पिन्टू राठौर ने प्राथमिकी दर्ज कराई कि उसने फेसबुक के माध्यम ट्रक खरीदने के लिए वैष्णव एसोसिएट एवं इन्फ्राटेक की पोस्ट देखकर सम्पर्क किया था तो कम्पनी के कर्मचारी परम चौधरी से बात हुई थी। उसने बताया कि उनकी कम्पनी बैंक के डिफाल्टर वाहनों को बेचने का काम करती है। उसे टाटा कम्पनी का ट्रक पसंद आया तो कर्मचारी ने उससे 21,240 रुपये अग्रिम के रूप में जमा करा लिय। बाद में कई बहानों से चार लाख रुपये और ले लिये गये। तब उसे ठगे जाने का पता चल गया।

उन्होंने बताया कि चन्द्रमोहन वैष्णव, उसके भाई प्रेमनारायण वैष्णव, दामाद जगदीश बैरागी एवं सुरेश वैष्णव ने गिरोह बनाकर कई लोगों को उक्त फर्जी कम्पनी में लगाया। उन्होंने फेसबुक पेज पर बैंक डिफाल्टर वाहनों को बेचने के नाम पर पिछले तीन साल से राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, गुजरात में कई लोगों के साथ धोखाधड़ी की है।

30 जून तक बाढ़ रोकथाम की तैयारियां पूरी करें अधिकारी : सीएम सैनी

चंडीगढ़, 11 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मानसून सीज़न शुरू होने से पहले 30 जून तक बाढ़ रोकथाम की तैयारियां पूरी करने के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं।

श्री सैनी ने मंगलवार यहां बाढ़ रोकथाम की तैयारियों को लेकर बुलायी गयी बैठक की अध्यक्षता की रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष बाढ़ से अंबाला, कुरुक्षेत्र जिले काफी प्रभावित हुए थे। शार्टटर्म स्कीमों के कार्य पूरा करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रजवाहों और नालों के तटबंधों को मजबूत करने के लिये मिट्टी भराई का काम तत्काल शुरू कर दें क्योंकि 15 जून के बाद धान रोपाई भी शुरू हो जाती है और खेतों में पानी भरा होने के कारण मिट्टी उठाने के कार्य में दिक्कत आयेगी। श्री सैनी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि अगर पिछले वर्ष की तरह बाढ़ के हालात हुये तो दोषी अधिकारियों को बख्शा नहीं जायेगा। नहर की गाद की मिट्टी निकालने के लिये विभाग द्वारा जितनी भी जरूरी हो जेसीबी किराये पर ली जायें। उन्होंने कहा कि अंबाला के हरड़ा-हरड़ी, शेरगढ़, चांदपुरा, शाहपुर, हेमामाजरा, रामपुर ससेड़ी , कुरुक्षेत्र के झांसा, जलबेहड़ा तथा कैथल के गुहला चीका तक के गांव काफी प्रभावित हुए थे। इस बार मानसून से पहले की जा रही तैयारियों में लापरवाही के चलते अगर बाढ़ के हालात बने तो सख्त कार्यवाही की जायेगी। बैठक में जानकारी दी गयी कि बाढ़ संभावित 320 हॉटस्पॉट चिह्नित किये गये थे और शॉर्टटर्म स्कीमें तैयार की गयी थीं। अब तक 44 स्कीमें पूरी हो चुकी हैं तथा 179 स्कीमों पर कार्य चल रहा है।

10 साल से फरार मोस्टवांटेड गिरफ्तार

सिरसा, 11 जून (एजेंसियां)। हरियाणा की सिरसा स्पेशल स्टाफ पुलिस ने लूटपाट के मामले में 10 साल से फरार मोस्ट वांटेड आरोपी को पंजाब के खरड़ से गिरफ्तार किया है। आरोपी संजय कुमार के खिलाफ सिरसा, हिसार, फतेहाबाद व राजस्थान के रावतसर में मामले दर्ज हैं। उक्त सभी मामलों में वह फरार था। रावतसर पुलिस ने उस पर दो हजार रु , हिसार पुलिस ने 50 हजार रुपये, फतेहाबाद और सिरसा पुलिस ने क्रमश: पांच-पांच हजार रु इनाम घोषित किया हुआ था। संजय अपराधी बनने से पहले अच्छा एथलीट था। वह 100 मीटर दौड़ में स्टेट में कांस्य पदक जीत चुका था।

सिरसा की सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दीप्ति गर्ग ने मंगलवार को बताया कि आरोपी गांव फूलकां का रहने वाला है। बारह अक्टूबर 2014 में संजय ने अपने साथियों के साथ गांव गुसाई आना स्थित पेट्रोल पंप के सेल्समैन से पिस्तौल के बल पर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया था। वह 33 हजार 800 रुपये की नकदी लूट कर फरार हो गया था। इस वारदात के अन्य आरोपियों को पुलिस पहले गिरफ्तार कर चुकी है।

कच्ची शराब बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

चंडीगढ़, 11 जून (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने मंगलवार को पहली बार ड्रोन के माध्यम से कच्ची शराब बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर एक नाबालिग सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार कर 1600 लीटर लाहन तथा करीब 50 लीटर कच्ची शराब भी बरामद की है। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने गुरूग्राम टीम को बधाई दी।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि आज सहायक पुलिस आयुक्त सोहना, विपिन अहलावत के नेतृत्व में निरीक्षक महेन्द्र सिंह, प्रबन्धक थाना भोंडसी और उप-निरीक्षक अंकित, इन्चार्ज पुलिस चैकी मारुति कुंज (भोंडसी), गुरुग्राम की पुलिस टीमों ने ड्रोन से रैकी के दौरान पाया कि रिठौज गांव को पहाड़ियों में अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने की एक भट्ठी लगाई हुई है जिसके बाद पुलिस टीम गठित की गई तथा शराब की भट्ठी पर रेड की गयी।

एनडीए सरकार ने मंत्री पद देने में संतुलन नहीं रखा : अभय चौटाला

चंडीगढ़, 11 जून (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने मंगलवार को कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार में हरियाणा से जो मंत्री बनाये गये हैं, उनमें किसान वर्ग की पूर्णतया अनदेखी की गयी है। मंत्री पद देने में किसी तरह का संतुलन नहीं रखा गया है।

श्री चौटाला ने कहा कि दूसरा एक सांसद को राज्य मंत्री बनाया गया है, जो पहले कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नारा था कि मिनिमम गवर्मेंट-मैक्सिमम गवर्नेंस, जिसको पूरी तरह से दरकिनार करते हुए 75 मंत्री पद बांट दिये। भाजपा के नेता कहते थे कि अग्रिपथ/अग्निवीर योजना इसलिये लायी गयी थी कि फौज पर खर्चे का बहुत भार पड़ रहा है तो क्या 75 मंत्री बनाने से देश पर आर्थिक भार नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार में मंत्री बनाने में मुस्लिम और ईसाई धर्म के लोगों की भी पूरी तरह से अनदेखी की गयी है। भाजपा महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात करती है, लेकिन मंत्री पद देने में महिलाओं की भागीदारी एक प्रतिशत से भी कम की गई है। वहीं 15 लोगों को बिना सांसद बने ही मंत्री बनाया गया है जो कि प्रजातांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। श्री चौटाला ने कहा कि एनडीए के घटक दलों ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का कानून बनाने, अग्रिपथ योजना को खत्म करने जैसी बातें की थी, लेकिन अब कोई भी घटक दल इन मुद्दों पर नहीं बोल रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X SCRailwayindia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

नं. वाई/सी. ई-नीलामी/एचआईबी/2024-25, दि. 10.06.2024.
हैदराबाद डिवीजन में वाणिज्यिक आय ठेकों के लिए ई-नीलामी हेतु सूचना

PUB/0555

हैदराबाद डिवीजन ने वाणिज्यिक आयठेकों और एनएफ़आर ठेकों के लिए ई-नीलामी कार्यान्वित की है। तदनुसार, हैदराबाद डिवीजन ने निम्नलिखित श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है।

क्रम सं.	श्रेणी	कैटेलॉग सं.	विवरण	नीलामी की तिथि	नीलामी प्रारंभ होने का समय	नीलामी बंद होने का समय
1.	Parking	HYB-PRKG-034	05 स्टेशनों अर्थात फलकनुमा, सीताफलमंडी, अक्कानापेट, काचेगुडा (मुख्य) और सफिलगुडा रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग लॉट्स प्रदान करना।	22-06-2024	11:00 बजे	12:10 बजे
2.	MSS-HYB-ATC-EVC-15-23-1 (Misc. Static EV charging Station)	HYB-MSS-12	आर्ट्स कॉलेज रेलवे स्टेशन पर ईवी चार्जिंग	22-06-2024	11:00 बजे	13:30 बजे
3.	MSS-HYB-NZB-Hlthk-8-24-1 (Misc. Static Service Health Kiosk)	HYB-MSS-12	निजामाबाद रेलवे स्टेशन पर स्वास्थ्य कियोस्क की स्थापना, रखरखाव और संचालन।	22-06-2024	11:00 बजे	13:40 बजे
4.	MSS-HYB-KRNT-Hlthk-13-24-1 (Misc. Static Service Health Kiosk)	HYB-MSS-12	कुरनूल सिटी रेलवे स्टेशन पर स्वास्थ्य कियोस्क की स्थापना, रखरखाव और संचालन।	22-06-2024	11:00 बजे	13:50 बजे
5.	ADVT-EFF-S1-MMTS-24-1 (Advertising - Train Exterior (Full Face))	HYB-PUB-034	2 हैदराबाद डिवीजन की एमएमटीएस ट्रेनों के बाहरी हिस्से पर विज्ञापन अधिकार।	24-06-2024	10:00 बजे	10:30 बजे
6.	ATM-HYB-STPD-Gen-1-24-1 (ATM General)	HYB-ATMs-10	हैदराबाद डिवीजन में रेल निलयम के इन-गेट पर स्वचालित टेलर मशीन (एटीएम) प्रदान करना।	25-06-2024	10:00 बजे	10:30 बजे
7.	ATM-HYB-STPD-Gen-44-24-1 (ATM General)		सिकंदराबाद में रेल निलयम परिसर के अंदर डिजिटल बैंकिंग इकाई की स्थापना।		10:00 बजे	10:40 बजे
8.	ATM-HYB-LGDH-Gen-41-24-1 (ATM General)		हैदराबाद डिवीजन में लालगुडा एस्टेट क्षेत्र में कैरिज और वैगन वर्क-2 शॉप में स्वचालित टेलर मशीन (एटीएम) प्रदान करना।		10:00 बजे	10:50 बजे
9.	ATM-HYB-STPD-Gen-2-24-1 (ATM General)		हैदराबाद डिवीजन में रेल निलयम के आउट गेट पर स्वचालित टेलर मशीन (एटीएम) प्रदान करना।		10:00 बजे	11:00 बजे
10.	ATM-HYB-STPD-Gen-3-24-1 (ATM General)		हैदराबाद डिवीजन में तरनाका के पास इरिसेट कॉम्प्लेक्स में ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) प्रदान करना।		10:00 बजे	11:10 बजे

वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

नं. वाई/सी.210/हॉल्ट/अधिसूचना/2024-25, दिनांक : 08.06.2024
निविदा अधिसूचना

PUB/0556

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीज़न, सिकन्दराबाद 500 025 द्वारा नीचे उल्लेखित अवधि के लिए ठेका आधार पर हॉल्ट एजेंट के पद पर नियुक्ति हेतु योग्य व्यक्तियों अधिमानत उस क्षेत्र के स्थायी निवासी जहाँ संबंधित क्षेत्र का हॉल्ट स्टेशन स्थित है, से आवेदन आमंत्रित है। हॉल्ट स्टेशनों के विवरण जिनके लिए हॉल्ट एजेंट की नियुक्ति करना है, नीचे दिए गये हैं:

क्रम सं.	हॉल्ट/स्टेशन का नाम एवं कोड	नजदीकी स्टेशन	स्टेशनों के बीच स्थित	सेक्शन	ठेका अवधि
1	श्रीनिवास नगर (SHAN)	मसाईपेट	मसाईपेट से वाडियाराम	सिकंदराबाद-मुदखेड़	(5) पाँच वर्ष
2	अम्मुगुड़ा (AMQ)	कावलरी बैरक	मलकाजगिरी से बोलारम	सिकंदराबाद-मुदखेड़	
3	अलवाल (ALW)	बोलारम	मलकाजगिरी से बोलारम	सिकंदराबाद-मुदखेड़	
4	बोलारम बाजार (BOZ)	बोलारम	मलकाजगिरी से बोलारम	सिकंदराबाद-मुदखेड़	
5	अप्पईपल्ली (APMR)	गजवेल	मनोहराबाद से गजवेल	मनोहराबाद-सिद्दिपेट	
6	बुरगुला (BRGL)	बालानगर	शादनगर से बालानगर	सिकंदराबाद-धोन	
7	नाचारम (NCRM)	मनोहराबाद	मनोहराबाद से गजवेल	मनोहराबाद-सिद्दिपेट	अस्थायी जब तक स्टेशन्स ब्लॉक स्टेशन्स के रूप में स्थापित नहीं हो जाता
8	लाखुदरम (LKDM)	गजवेल	गजवेल से सिद्दिपेट	मनोहराबाद-सिद्दिपेट	
9	दुद्दड़ा (DDDA)	सिद्दिपेट	गजवेल से सिद्दिपेट	मनोहराबाद-सिद्दिपेट	
10	कुन्सी (KUSI)	मागानूर	मागानूर से कृष्णा	देवरकद्रा-कृष्णा	(5) पाँच वर्ष
11	दसारा दोड्डी (DDDI)	मागानूर	जकलेर से मागानूर	देवरकद्रा-कृष्णा	

कैसे आवेदन करें: सभी संलग्नकों के साथ सभी संदर्भ में पूर्ण आवेदन को नीचे दिए गए स्थान पर उपलब्ध कराए गए ड्राप बाक्स में डालना होगा।

पता/स्थान	टेंडर हाल, डीआरएम/एचवाईबी कम्पाउंड, ओल्ड आरपीएफ कार्यालय, हैदराबाद भवन के नजदीक, सिकन्दराबाद-500025.
तिथि	10-07-2024
समय	10.00 बजे से 12.00 बजे तक

टिप्पणी :

1. **10-07-2024 को 12.00 बजे** के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
2. आवेदन/अनुलग्नक में उल्लेखित विवरणों के गलत पाए जाने पर आवेदन को बिना किसी सूचना/अधिसूचना के सरसरी तौर पर देखकर अस्वीकार कर दिया जाएगा। आवेदनों की प्राप्ति की तिथि को अवकाश घोषित किये जाने पर आवेदनों की प्राप्ति की तिथि आगामी कार्य दिवस को होगी।
3. विवरण मुहरबंद कवर पर उल्लेखित किया जाना है कवर पर बड़े अक्षरों में पता 'वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद-500025' होना चाहिए।
4. हाल्ट एजेंसी के आवंटन से पूर्व किसी भी प्रकार का पत्राचार स्वीकार नहीं होगा। प्रशासन बिना कारण बताए सभी या किसी एक आवेदन को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। देरी/विलंब वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
5. सफल आवेदक को स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर निर्धारित प्रारूप में करार को निष्पादित करने के लिए रु. 100/- बांड पेपर प्रस्तुत करना होगा।
6. उपरोक्त निविदा के संदर्भ में किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण एवं विवरणों के लिए आप किसी भी कार्यदिवस में कार्यावधि के दौरान मंडलीय रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक), हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, हैदराबाद भवन, सिकन्दराबाद-500025 से संपर्क कर सकते हैं।
7. आवेदन दक्षिण मध्य रेलवे वेबसाइट **(www.scr.indian railways.gov.in)** से भी डाउनलोड किए जा सकते हैं।

A0709 **वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद**

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB

I, PR Helen Mary w/o Paul Joshuva .R R/o Door no.15-2536/B, colony: Jai nagar, post:Greamspet, Dist:Chittoor, A.P-517002 changed my name & DOB from **PR HELEN MARY 20-05-1982** To **R.HELEN MARY 29-07-1982** Vide affidavit dt:11-06-2024 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Esther w/o Late Sailas R/o vill&post:Thirupuram, Subdist:Neyyattinkara, District:Thiruvanthapuram, State: Kerala -695133 changed my name & DOB from **ESTHER 10-01-1962** To **ESTHAR. E 13-02-1960** vide affidavit dt:11-06-2024 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Padmini w/o Late Sreedharan R/o vill:perumkulam, P.O.Kattakode, Teh:Nedumangad, dist: Thiruvananthapuram, State: Kerala, pin:695572 have changed my date of birth & name from **PADMINI 01/07/1963** To **PADMINI. B 13/01/1961** vide affidavit dt:11-06-2024 before judicial magistrate court Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, VANAJA Legally wedded wife of Ex No15307804H Rank Hav Name PURUSHOTTAMA TP RAO Resident of GUJJIVAI SIVADA (VILL/POST) KURUPAM. TALUKA VIZIANAGARAM DIST AP PIN 535534 do hereby declare that I have Changed my Name from **VANAJA** to **PURUSHOTTAMA VANAJA** due to variation of my Name in army and Civil documents video affidavit Swarn before public notary date 11/06/2024

CHANGE OF NAME

I, SURYA KUMARI spouse of Army No.JC732838H Sub PISINI RAJU, R/o.Vill:PathaHiramandalam, Po and Teh: Hiramandalam, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh have changed my name from **SURYA KUMARI** to **PISINI SURYA KUMARI** vide affidavit dt:11-6-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, MD RESHMA Spouse of Army No JC732268X Sub MOHAMMAD AKBAR, R/o. Po. Nizampatnam, Teh: Repalle, Dist: Guntur, Andhra Pradesh have changed my name from **MD RESHMA** to **MOHAMMAD RESHMA** vide affidavit dt:11-6-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Army No.15814306F L/Nk Binay Kumar Singh of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana India hereby state that my Father Name is to be Changed from **CHANDRASHEKHAR** to **CHANDRASHEKHAR SINGH**

CHANGE OF NAME

I, SUJATHA REDDY, W/o. POLI SANKARA REDDY of Service No. 297090-B, Rank: Ex.SGT., R/o. H.No.3-2-107/1, Meena Nagar, Bhongir Town and Mandal, Yadadri-Bhongir District, Telangana, have changed my name From **SUJATHA REDDY** to **CHATLA SUJATHA** and date of birth is **20-01-1944.**

आंध्र की प्रगति के लिए केंद्र की मदद अपरिहार्य : नायडू

हैदराबाद/विजयवाड़ा, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलुगु देशम पार्टी(तेदेपा) सुप्रीमो एवं आंध्र प्रदेश में पार्टी विधायक दल के नेता निर्वाचित एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि आंध्र प्रदेश के विकास के लिए केंद्र सरकार की मदद अपरिहार्य है। तेदेपा, जनसेना पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों की आज यहां बैठक में विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद श्री नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश में गठबंधन की अभूतपूर्व चुनावी जीत ने उनकी जिम्मेदारी बढ़ा दी है और सभी से राज्य के विकास के लिए काम करने की अपेक्षा है। उन्होंने जोर दिया कि उन्हंर अध्ययन करना होगा कि पिछली सरकार ने कितना कर्ज लिया था और राज्य की वित्तीय स्थिति का आकलन करना होगा।श्री नायडू ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जगनमोहन रेड्डी के कार्यकाल में सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण रुक गया और सभी क्षेत्र बर्बाद हो गए। उन्होंने कहा कि यह प्रतिशोध की राजनीति

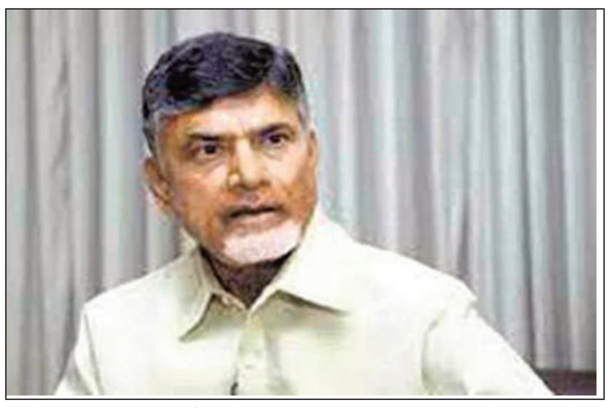

करने का समय नहीं है, लेकिन अपराध करने वालों को कानून के अनुसार दंडित किया जाना चाहिए।

तेदेपा प्रमुख ने कहा, लोगों ने गठबंधन में विश्वास जताया है और एक स्वच्छ प्रशासन देना हमारी जिम्मेदारी है। आंध्र प्रदेश में वर्ष 2024 के चुनाव परिणामों को केस स्टडी के लिए उपयोगी बताते हुए श्री नायडू ने कहा कि उन्होंने कभी इतने बड़े एकतरफा जनादेश की उम्मीद नहीं की थी ।

उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि अगर शासक अहंकारी और क्रूर हैं, तो उन्हें ऐसा जनादेश दिया जाता है।इस मौके पर जन सेना प्रमुख पवन कल्याण ने विकास, शिक्षा, कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया और विश्वास व्यक्त किया कि श्री नायडू अनुभवी हैं और वह राज्य को विकास की ओर ले जायेंगे।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद डी पुरंदेश्वरी ने मोदी-नायडू-पवन कल्याण को नदियों के संगम के रूप में एक साथ आने को वर्णित किया और भाजपा की सबका साथ सबका विकास की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में कोई वास्तविक कल्याण और विकास नहीं हुआ तथा राज्य में गठबंधन की भारी जीत लोगों की नाराजगी और मोहभंग को दर्शाती है।

पवन कल्याण चुने गए जन सेना विधायक दल के नेता

हैदराबाद/अमरावती, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जन सेना विधायक दल ने मंगलवार को सर्वसम्मति से पार्टी अध्यक्ष पवन कल्याण को अपना नेता चुना। मंगलगिरि स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में पवन कल्याण को चुना गया।

पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति के अध्यक्ष और तेनाली विधायक नादेंडला मनोहर ने नेता के रूप में पवन कल्याण का नाम प्रस्तावित किया और अन्य सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से इसका समर्थन किया। बैठक में जनसेना के सभी 22 नवनिर्वाचित विधायक शामिल हुए। जन सेना ने टीडीपी और भाजपा के साथ गठबंधन में लड़ी गई सभी 22 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की।

पार्टी अध्यक्ष और अभिनेता पवन कल्याण काकीनाडा जिले के पीथापुरम निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए। यह पवन कल्याण की पहली चुनावी जीत थी, जिन्हें 2019 में लड़ी गई दोनों विधानसभा सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। इस बार जन सेना ने भी दोनों लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की। टीडीपी-जनसेना-बीजेपी 175 सदस्यीय विधानसभा में 164 सीटें जीतकर भारी जीत के साथ सत्ता में आई। टीडीपी ने अकेले 135 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा के उम्मीदवार आठ निर्वाचन क्षेत्रों में विजयी हुए। पिछले सदन में 151 सीटों वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी महज 11 सीटों पर सिमट गई।

मिलावटी भोजन बनाने वालों के खिलाफ सरकार करेगी सख्त कार्रवाई

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने मंगलवार को घोषणा की कि मिलावटी खाना बनाने में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्री नरसिम्हा ने डॉ. बी आर अंबेडकर सचिवालय में तेलंगाना सरकार के खाद्य सुरक्षा आयुक्त द्वारा आयोजित एक बैठक में तेलंगाना राज्य होटल एसोसिएशन, नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन, ऑयल मर्चेंट एसोसिएशन, बार और रेस्तरां, भारतीय डेयरी दूध उत्पाद संघ, तेलंगाना पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर एसोसिएशन, तेलंगाना रोलर फ्लोर मिलर्स, बेकरी और आइसक्रीम संघों के प्रतिनिधियों को संबोधित

किया। उन्होंने संघों से जनता के लिए गुण-वत्तापूर्ण खाना उपलब्ध कराने का प्रावधान सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हैदराबादी बिरयानी को निजाम के समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली हुई है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद को चिकित्सा पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है और उन्होंने भारत की खाद्य राजधानी के रूप में शहर की ब्रांड छवि को बढ़ाने के प्रयासों पर बल दिया। उन्होंने होटल मालिकों से सामाजिक जिम्मेदारी के साथ काम करने का आह्वान किया और घोषणा की कि खाद्य सुरक्षा के मुद्दों को हल करने के लिए हर छह महीने में जागरूकता सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

कब्रिस्तानों को अतिक्रमण से बचाने के लिए सौंपा ज्ञापन

यादगिरिगुट्टा, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीपीआई मंडल सचिव सिल्वरू दुर्गैया ने कहा कि कब्रिस्तान को अतिक्रमण को बचाया जाए और अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई की जाए।

इस सम्बन्ध में एक याचिका मंगलवार को तुर्कपल्ली मंडल केंद्र में तहसीलदार कार्यालय में नायब तहसीलदार को सौंपी गई।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि तुर्कापल्ली मंडल के गोपालपुरम गांव के सर्वे नंबर 227 में कब्रिस्तान की जमीन पर उसी गांव के कुछ लोग अतिक्रमण कर कब्जा कर रहे हैं और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि मंडल के तमाम गांवों में राजस्व अधिकारी ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे कि पट्टे की जमीन को हस्तांतरित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दचराम स्वामी, कनकैया, मल्लेबोइना राजू, कुरा यदागिरी, कुरा कर्णकर, चिन्ना चंद्रैया, नागयापल्ली अंबादासु और अन्य ने भाग लिया।

जांच पूरी होने तक अभिनेता दर्शन की संलिप्तता के बारे में कहना जल्दबाजी : परमेश्वर

बेंगलुरु, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि एक कथित हत्या के मामले में फंसे प्रसिद्ध कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीप की संलिप्तता या घटना के पीछे के मकसद का पता लगाये जाने से पहले इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

सैंतालिस वर्षीय अभिनेता को नौ जून को बेंगलुरु के कामाक्षीपाल्या इलाके में रेणुका स्वामी नामक व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में मैसूर के एक होटल से हिरासत में लिया गया है।डॉ. परमेश्वर ने अभिनेता की संलिप्तता के बारे में संवाददाताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि स्वामी की हत्या की जांच के दौरान दर्शन का नाम सामने आया है। उन्होंने कहा, जांच पूरी होने तक अभिनेता की संलिप्तता या घटना के पीछे के मकसद के बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। मैसूर में हिरासत में लिये गये दर्शन को आगे की पूछताछ के लिए बेंगलुरु स्थानांतरित कर दिया गया है तथा अधिकारियों ने पूछताछ के लिए उनकी हिरासत जारी रखने की पुष्टि की है।अभिनेता दर्शन का विवादों से पुराना नात रहा है और यह पहली बार नहीं है जब वह कानूनी मामले में फंसे हैं। इससे पहले 2021 में उन पर मैसूरु के एक रेस्तरां में वेटर पर हमला करने का आरोप लगा था। दो वर्ष बाद 2023 में उनके और फार्महाउस मैनेजर नागराज के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत एक प्रवासी पक्षी बार-हेडेड गूज के साथ पोज देने के लिए मामला दर्ज किया गया था। इसके अलावा, दर्शन ने 2011 में भी तब खूब सुर्खियां बटोरी थीं, जब उन्हें अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किये जाने के बाद एक महीने जेल में रहना पड़ा था। बाद में हालांकि, दंपती के बीच सुलह हो गई और 2013 में दर्शन को मामले से बरी कर दिया गया।

हत्या मामले में कन्नड़ अभिनेता दर्शन हिरासत में

बेंगलुरु, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा और नौ अन्य को हत्या के मामले में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। बेंगलुरु पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने स्थिति की पुष्टि की, हालांकि उन्होंने इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं दी।अभिनेता को उनके गृहनगर मैसूरु में चामराजेंद्र जूलॉजिकल गार्डन के पास एक निजी होटल से हिरासत में लिया गया और उसे बेंगलुरु लाया गया है।बताया जाता है कि चित्रदुर्ग निवासी रेणुकास्वामी की हत्या के आरोप में पहले से गिरफ्तार तीन लोगों से दर्शन का संबंध है। रेणुकास्वामी का शव हाल ही में पश्चिमी बेंगलुरु में मिला था और जिस पर चोट के निशान थे।

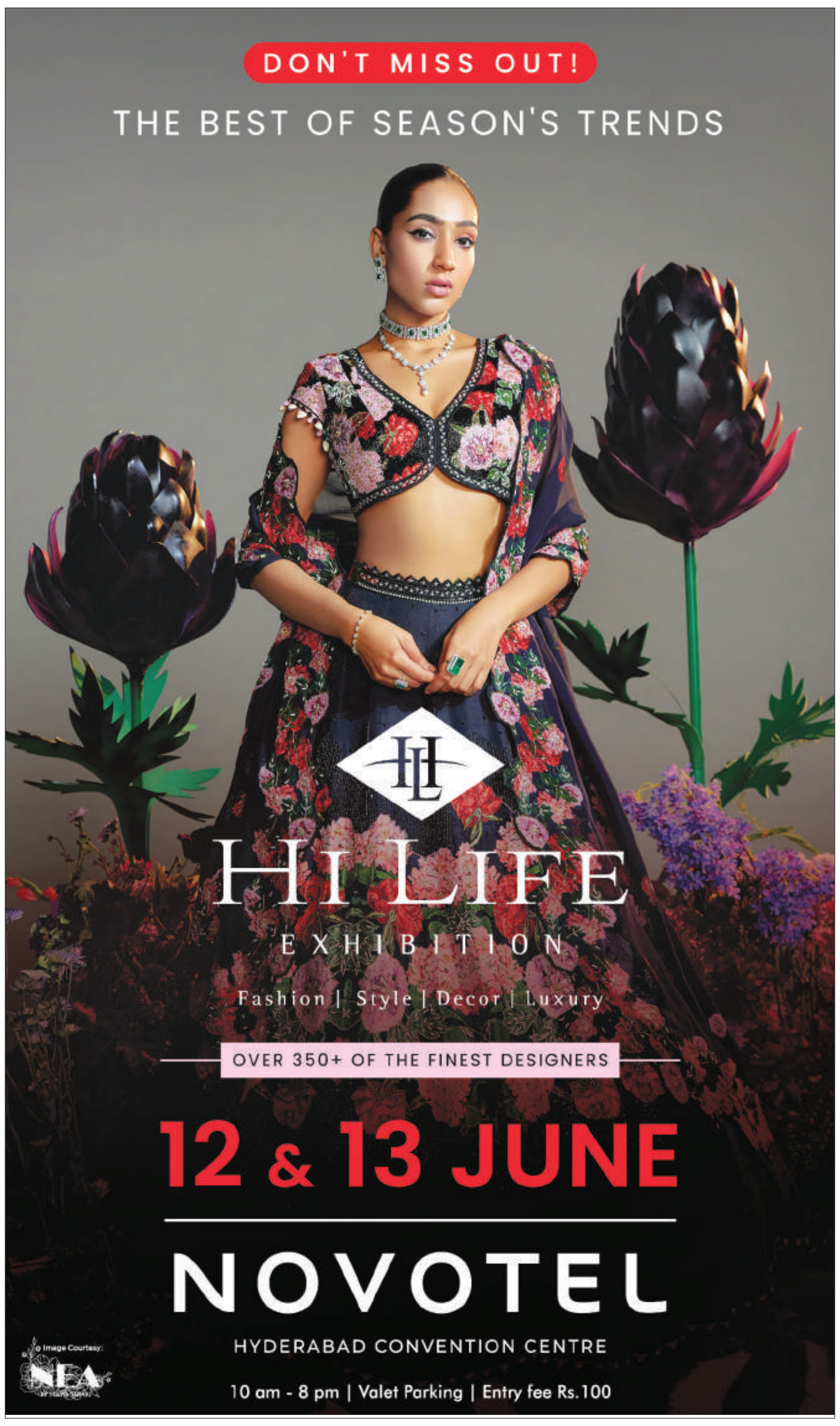

साइबर जालसाजों ने बैंक मैनेजर को ब्लैकमेल कर वसूले 1.56 लाख रुपए

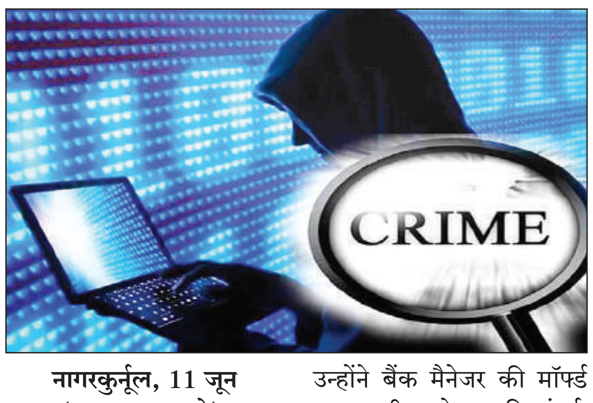

नागरकुर्नूल, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साइबर जालसाजों ने जिले में एक बैंक मैनेजर को अपने जाल में फंसाकर उससे कथित तौर पर 1.56 लाख रुपए हड़प लिए। यह घटना मंगलवार को तब सामने आई, जब बैंक मैनेजर ने जिला पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

साइबर जालसाजों ने बैंक मैनेजर के व्हाट्सएप अकाउंट से उनकी डिस्प्ले फोटो डाउनलोड की और उसे न्यूड फोटो के रूप में बदल दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने बैंक मैनेजर को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और परिणाम के डर से उन्होंने साइबर जालसाजों को 1.56 लाख रुपए का भुगतान आकर दिया। बैंक प्रबंधक द्वारा राशि का भुगतान करने के बावजूद, साइबर जालसाजों ने अपना उत्पीड़न जारी रखा। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने बैंक मैनेजर की मॉर्फ्ड नग्न तस्वीर को उसकी संपर्क सूची में 300 संपर्कों के साथ साझा किया। अपमान सहन नहीं कर पाने पर बैंक मैनेजर ने साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एक साइबर पुलिस अधिकारी ने कहा, बैंक प्रबंधक ने साइबर जालसाजों द्वारा उत्पीड़न की शिकायत की है। मामले की जांच की जा रहे है।

दक्षिण पश्चिम मानसून महाराष्ट्र और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ा

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तरी अरब सागर, महाराष्ट्र और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में अगले 48 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।इसके प्रभाव से अगले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना के आदिलाबाद, निर्मल, रंगारेड्डी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक, कामारेड्डी, महबूबनगर, नागरकुरनूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है। राज्य के निज़ामाबाद, राजन्ना

सिरसिल्ला, करीमनगर, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, सिद्दीपेट, रंगारेड्डी, मेडचल मल्काजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी जिलों में भी बुधवार को यही स्थिति रहने के आसार हैं।

तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अगले तीन दिन के दौरान बिजली चमकने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाओं के साथ बारिश होने की का अनुमान है। राज्य में कुछ स्थानों पर अगले सात दिन के दौरान हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान लगाया गया है।तेलंगाना में कुछ स्थानों पर पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश हुई। राज्य के आदिलाबाद में सोमवार को सबसे अधिक अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तीन मवेशी तस्कर गिरफ्तार, 19 बैल और एक वैन जब्त

मंचेरियाल,11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरिताल जिले के जयपुर मंडल केंद्र में क्रूर तरीके से बंधे मवेशियों को ले जाने के आरोप में बीती रात्रि तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से उन्नीस बैल और एक वैन जब्त की गई।

जयपुर के उप-निरीक्षक जे श्रीधर ने कहा कि पेद्दापल्ली

जिले के गोदावरीखानी के सभी मूल निवासी गाडे महेश, गाडे सुरैया और कोमिरिनेनी मधु को उस समय पकड़ा गया जब वे रात करीब 11.30 बजे एक वैन में मवेशियों को महाराष्ट्र से तेलंगाना ले जा रहे थे। जब पुलिस ने वाहन को रोका तो तीनों प्रामाणिक दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रहे। पूछताछ करने पर, तीनों ने तेजी से पैसा कमाने के लिए मवेशियों को अवैध रूप से तेलंगाना के बूचड़खानों में बेचने के लिए ले जाने की बात कबूल की। उन्होंने कहा कि उन्होंने मवेशियों को महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों के साप्ताहिक बाजारों से सस्ती कीमत पर खरीदा है। उन्होंने खुलासा किया कि वे यह कहकर पुलिस को चकमा देंगे कि वे किसानों को बैल बेच देंगे।

मवेशियों को संरक्षण के लिए गौ अभ्यारण्य को सौंप दिया गया। गिरफ्तार तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.